वॉयस ऑफ लखनऊ

सच, सिर्फ सच **

सोमवार, 06 अप्रैल, 2026 लखनऊ, महानगर, वर्ष 21, अंक 92, पेज 12, 3.50 रुपये

www.facebook.com/volepaper voiceoflucknow@gmail.com www.voiceoflucknow.com

शेयर बाजार में रहेगा उतार-चढ़ाव

स्थानीय शेयर बाजार में इस सप्ताह उतार-चढ़ाव रहने की संभावना है प्रमुख पश्चिम एशिया संघर्ष के प्रभाव पर नजर रख रहे हैं। } 10

केरल विस चुनाव राज्य का भविष्य सुधारने के लिए : शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि केरल में होने जा रहे विधानसभा चुनाव केवल सरकार बदलने के लिए नहीं, बल्कि राज्य के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए हैं। } 12

प्रदेश में माफिया को पनपने नहीं देंगे : सीएम

घनश्याम कुमार

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपराध और अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के अपने संकल्प को दोहराते हुए कहा है कि वे उत्तर प्रदेश की धरती पर गुंडों और माफिया को पनपने नहीं देंगे। गुंडों और माफिया की जहां जगह होगी, वहां उन्हें पहुंचा दिया जाएगा।

उत्तर प्रदेश में दंगे, कर्फ्यू, अराजकता और लूट-खसोट के दिन लद गए हैं। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में व्यापारियों व महिलाओं की सुरक्षा की गारंटी है। सरकार हर व्यक्ति के जीवन सुगमता और उज्ज्वल भविष्य के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। सीएम योगी रविवार शाम घंटाघर स्थित अमर बलिदानी बंधु सिंह पार्क में बने मल्टीलेवल पार्किंग सह कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स, घंटाघर के सौंदर्यीकरण कार्य के लोकार्पण और विरासत गलियारा पांडेयहाता कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स के शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे। नवनिर्मित पार्किंग कॉम्प्लेक्स की छत पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 के बाद आज भी प्रदेश, इसका तंत्र और पुलिस वही है लेकिन आज इसकी पहचान बदल गई है। 2017 के पहले हर जिले में माफिया की समानांतर सरकार थी, नौजवानों के सामने ...शेष पृष्ठ 10 पर

सीएम ने स्वर्ण जयंती नाट्य समारोह का किया शुभारंभ

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि रंगमंच समाज का दर्पण होता है। यह समाज की दिशा तय करता है। रंगमंच वही है, जहां पर भावनाएं शब्द बनती हैं, शब्द अभिनय बनते हैं और यही अभिनय जनचेतना बनकर समाज को नई दिशा देते हैं। सीएम ने संस्कृति विभाग व अकादमी से कहा कि नई व पुरातन पीढ़ी को जोड़कर आगे बढ़ें तो परिणाम भी आएंगे। राष्ट्रभक्ति से जुड़े नाटक करें। संवाद, संगीत, स्क्रिप्ट, शब्दों का चयन, वाक्य विन्यास इतना प्रभावी हो, जो सभी को आकर्षित करे, क्योंकि ऐसे कार्यक्रम ...शेष पृष्ठ 10 पर

टीएमसी पर बरसे मोदी, बोले- पापों का होगा हिसाब

एजेंसी

कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कूचबिहार में विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने टीएमसी पर तीखा हमला करते हुए कहा कि 4 मई के बाद उनके पापों का हिसाब होगा।

पश्चिम बंगाल के कूचबिहार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बड़ी चुनावी रैली को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कूचबिहार में उमड़ा यह जनसैलाब नए बंगाल और भाजपा सरकार के प्रति जनता के अटूट विश्वास का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने टीएमसी पर कड़ा प्रहार किया और महिलाओं के लिए अपनी सरकार की योजनाओं का भी जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने कहा, वह पहले भी इस मैदान पर आए हैं, लेकिन आज की भीड़ ने पुराने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। यह उत्साह एक उज्ज्वल भविष्य और नए बंगाल के निर्माण का संकेत है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मालदा में एक भीड़ द्वारा न्यायिक अधिकारियों का घंटों तक घेराव किये जाने की घटना को लेकर रविवार को तृणमूल कांग्रेस पर तीखा निशाना साधा और इसे सत्ताधारी पार्टी की सरकार के महा जंगलराज का उदाहरण बताया। मोदी ने आरोप लगाया कि राज्य की सत्ताधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस बंगाल में कानून-व्यवस्था की तहस -नहस करने पर तुली हुई है। मोदी ने पिछले महीने चुनाव की घोषणा के बाद कूचबिहार जिले में अपनी पहली ...शेष पृष्ठ 10 पर

समुद्री क्षेत्र के योगदान की पीएम ने की सराहना

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को राष्ट्रीय समुद्र दिवस के अवसर पर भारत की समुद्री विरासत पर प्रकाश डाला और इस क्षेत्र से जुड़े लोगों के योगदान की सराहना की। सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में मोदी ने कहा कि समुद्री क्षेत्र से जुड़े लोगों का समर्पण देश की अर्थव्यवस्था, व्यापार और संपर्क को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा, "राष्ट्रीय समुद्र दिवस पर हम भारत की समुद्री विरासत और इस क्षेत्र से जुड़े सभी लोगों के अमूल्य योगदान को याद करते हैं। उनका समर्पण हमारी अर्थव्यवस्था, व्यापार और संपर्क को मजबूत बनाता है। उन्होंने कहा ...शेष पृष्ठ 10 पर

होर्मुज न खोला तो ईरान को बना देंगे नरक : ट्रंप

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को एक बार फिर ईरान को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर तेहरान होर्मुज जलडमरूमध्य को नहीं खोलता है, तो अमेरिका उसके ऊर्जा संयंत्रों और पुलों पर हमले कर सकता है और उसे नरक जैसा परिणाम भुगतना पड़ सकता है।

ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा, मंगलवार को ईरान में एक ही दिन में ऊर्जा संयंत्र दिवस और पुल दिवस मनाया जाएगा। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ होगा। जलडमरूमध्य खोल दें, पागलों, वरना नरक में जाओगे- देखते रहिए। अल्लाह से प्रार्थना करिए।

ईरान में लापता पायलट को अमेरिका ने बचाया

वाशिंगटन। अमेरिका ने रविवार सुबह कहा कि ईरान द्वारा उसके लड़ाकू विमान को मार गिराए जाने के बाद से लापता अमेरिकी पायलट को बचा लिया गया है। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य खोलने के लिए ईरान को दी गई समयसीमा के पूरा होने की ओर बढ़ने के बीच तेहरान को फिर से धमकी दी। हालांकि, ईरान ने पीछे हटने का कोई संकेत नहीं दिया और इसने पड़ोसी खाड़ी अरब देशों में आर्थिक तथा बुनियादी ढाँचे पर हमले जारी रखे। अमेरिकी विमान के चालक दल का सदस्य शुक्रवार को तब लापता हो गया था जब ईरान ने अमेरिकी एफ-15 ई स्ट्राइक ईगल विमान को मार गिराया था। चालक दल के एक अन्य सदस्य को पहले ही बचा लिया गया था। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा कि पायलट घायल है, लेकिन वह बिल्कुल ठीक हो जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि उसने ईरान के दुर्गम पहाड़ी इलाकों में शरण ली थी। अमेरिकी राष्ट्रपति के अनुसार, बचाव अभियान में दर्जनों विमान शामिल थे और अमेरिका उसकी लोकेशन पर 24 घंटे नजर रखे हुए था तथा उसके बचाव की सावधानीपूर्वक योजना बना रहा था। यह लड़ाकू विमान फरवरी के अंत में शुरू हुए संघर्ष के बाद ईरानी क्षेत्र में गिरने वाला पहला अमेरिकी विमान था। ट्रंप ने पिछले सप्ताह कहा था कि अमेरिका ने ईरान को कुचल दिया है और वह युद्ध को बहुत जल्दी खत्म कर देगा। इसके दो दिन बाद ईरान ने दो अमेरिकी सैन्य विमानों को मार गिराया, जिससे बमबारी में कमजोर होने के बावजूद ईरानी सेना की जवाबी क्षमता का संकेत मिला। दूसरा गिराया गया विमान अमेरिकी ए-10 अटैक एयरक्राफ्ट था।

ईरान ने एमक्यू-9 ड्रोन गिराने का किया दावा

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया इन दिनों बारूद के ढेर पर खड़ा है। एक महीने से ज्यादा समय से चल रहे अमेरिका-ईरान संघर्ष में इस्त्राइल और अमेरिका की हमले 37वें दिन में और तीव्र हो गए हैं। आसमान से मिसाइलें बरस रही हैं, धमाके गूंज रहे हैं और शहरों में भय और तबाही का माहौल है। हर पल हालात और भी खतरनाक बन रहे हैं। तेल और गैस की आपूर्ति खतरे में है, वैश्विक बाजार अस्थिर हैं और होर्मुज जलसंधि की ब्लॉकिंग से दुनिया की अर्थव्यवस्था पर भारी दबाव बढ़ रहा है। अमर उजाला के इस लाइव ब्लॉग में पढ़ें पश्चिम एशिया में जारी नेशनल न्यूज एजेंसी के अनुसार, दक्षिणी लेबनान के कफर हट्टा कस्बे में इस्त्राइली हवाई हमले में एक विस्थापित परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई, जिनमें तीन बच्चे भी शामिल हैं। बताया जा रहा है कि यह परिवार पहले अपने घर से भागकर ...शेष पृष्ठ 10 पर

ऋषभ पंत ने लखनऊ को चखाया जीत का स्वाद

हैदराबाद। लखनऊ सुपर जाएंट्स के कप्तान ऋषभ पंत ने फॉर्म में वापसी की और सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ टीम को जीत दिलाई। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे पंत अंत तक टिके रहे और उन्होंने नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली। कप्तान ऋषभ पंत की नाबाद अर्धशतकीय पारी की मदद से लखनऊ सुपर जाएंट्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को पांच विकेट से हराया। हैदराबाद ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में नौ विकेट पर 156 रन बनाए थे। जवाब में लखनऊ ने पंत के नाबाद 68 रनों के दम पर 19.5 ओवर में पांच विकेट पर 160 रन बनाकर मैच जीता। लखनऊ ने इस तरह इस सीजन का अपना पहला मैच जीता, जबकि तीन मैचों में सनराइजर्स की यह दूसरी हार है। हैदराबाद के खिलाफ लखनऊ का रिकॉर्ड अच्छा रहा है और उसने इस टीम के खिलाफ पिछले सात में से पांच मुकाबले जीते हैं।

कुशीनगर से पकड़ा गया संदिग्ध आतंकी

दिल्ली पुलिस ने रिजवान को दबोचा, ट्रांजिट रिमांड पर ले गयी दिल्ली

जिला संवाददाता

कुशीनगर। दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा ने आतंकी गतिविधियों में संलिप्तता के संदेह में उत्तर प्रदेश के कुशीनगर से एक युवक को हिरासत में लिया है और उसे ट्रांजिट रिमांड पर दिल्ली ले जाया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा में दर्ज एक मामले की जांच के दौरान पडरौना के छावनी क्षेत्र के राइन मोहल्ला निवासी रिजवान अहमद की भूमिका सामने आई।

उत्तर प्रदेश पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि इस आधार पर विशेष शाखा के निरीक्षक निशांत दहिया के नेतृत्व में 10 सदस्यीय टीम शनिवार देर शाम पडरौना पहुंची और स्थानीय कोतवाली पुलिस के सहयोग से रिजवान अहमद को हिरासत में लिया। युवक के मोबाइल फोन, लैपटॉप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को भी जांच के लिए जब्त किया गया है। दिल्ली पुलिस के एक सूत्र ...शेष पृष्ठ 10 पर

कार टैंकर से टकरायी, पांच की मौत

बरेली। बरेली के सीबीगंज में रविवार शाम करीब पांच बजे बड़ा बाइपास पर दर्दनाक हादसा हो गया। परधौली तिराहे के समीप बाइपास पर खड़े टैंकर से बोलेरो कार टकरा गई।

इसी दौरान पीछे से आई बाइक कार में घुस गई। दर्दनाक हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। दो बच्चों समेत तीन लोग घायल हुए हैं। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची थाना पुलिस ने घायलों को अस्पताल भिजवाया। घायलों की हालत नाजुक बताई गई है। बताया गया है कि शनिवार को इसी जगह पर शीरे से भरे टैंकर और रोडवेज बस की टक्कर हो गई थी। घटना के बाद से दुर्घटनाग्रस्त टैंकर मौके पर ही खड़ा था। नतीजन रविवार को एक और हादसा हो गया, जिसमें पांच लोगों की जान चली गई। पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है। बाइक पर अटा कायस्थान निवासी 45 साल के साहबजाद खां और 65 साल के मुम्तत्याज खां बैठे थे। दोनों ही बाइक से तालाब में मछली पकड़ने जा रहे थे। हादसे में इन दोनों की ही मौत हो गई। इसके साथ ही बोलेरो सवार दो लोगों की मौत ...शेष पृष्ठ 10 पर

विशेष खबर संभल में अतिक्रमण कर बनाये गये मस्जिद, मदरसे और स्कूल पर जनता का बुलडोजर

सरकारी भूमि से खुद कब्जा हटा रहे ग्रामीण

जिला संवाददाता

संभल (उप्र)। संभल तहसील क्षेत्र के मुबारकपुर बंद गांव में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा कर बनाए गए मदरसे-मस्जिद और स्कूल के निर्माण को ग्रामीणों ने रविवार को खुद बुलडोजर से तोड़ना शुरू किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

तहसीलदार धीरेंद्र कुमार सिंह से बताया कि ग्राम प्रधान की ओर से जेसीबी उपलब्ध कराने की मांग की गई थी। संभल तहसील के गांव मुबारकपुर बंद में रविवार को बुलडोजर पहुंचा और ग्राम सभा की साढ़े तीन बीघा भूमि पर बने मदरसा, मस्जिद ओर प्राथमिक स्कूल के अवैध निर्माण को तोड़ना शुरू कर दिया। ग्राम प्रधान के पति हाजी मुनव्वर ने बताया कि आज जेसीबी की मदद ली गई है जबकि इससे पहले मजदूरों को लगा करके निर्माण को तोड़ा जा रहा था। उन्होंने कहा कि तहसीलदार से जेसीबी उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था। मुनव्वर ने कहा कि जेसीबी की मदद से निर्माण को हटाने के लिए 20 घंटे का समय लगेगा। तहसीलदार द्वारा जेसीबी उपलब्ध कराई गई है लेकिन इसके किराये का भुगतान हम करेंगे। तहसीलदार सिंह ने बताया कि ग्राम सभा की भूमि पर मस्जिद, मदरसा और स्कूल बना हुआ है, और जैसे ही ग्राम वासियों के संज्ञान में आया कि यह ग्राम सभा की जमीन है तो वे इस निर्माण को खुद ही तोड़ रहे हैं।

अब सालार मसूद नहीं, महाराज सुहेलदेव के स्मारक पर जाते हैं लोग

सीएम योगी ने स्कूलों-कॉलेजों में रानी लक्ष्मीबाई, महाराज सुहेलदेव की प्रस्तुति को नाटक के माध्यम से प्रस्तुत करने पर बल दिया

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारतेंदु नाट्य अकादमी में चलने वाले स्वर्ण जयंती नाट्य समारोह के शुभारंभ कार्यक्रम में कहा कि रामायण, महाभारत भारत की दिनचर्या और सांस्कृतिक प्रवाह का हिस्सा है, लेकिन अन्य नायकों को कौन ढूंढेगा।

सीएम योगी ने स्कूलों-कॉलेजों में रानी लक्ष्मीबाई, महाराज सुहेलदेव आदि की प्रस्तुति को नाटक के माध्यम से प्रस्तुत करने पर बल दिया। सीएम ने एक हजार वर्ष पहले महाराज सुहेलदेव के शौर्य व पराक्रम का जिक्र किया। कहा कि महाराज सुहेलदेव ने सालार मसूद को जिस निर्ममता से मारा, उस कारण 150 वर्ष तक भारत पर कोई विदेशी आक्रांता ने हमला करने का दुस्साहस नहीं किया, लेकिन भारतीय समाज ने उन्हें भुला दिया।

1000 वर्ष पश्चात हमारी सरकार को यह गौरव प्राप्त है कि हम सुहेलदेव का स्मारक बना सके। सीएम ने गुलामी की दासता पर चिंता जताई और कहा कि जिस स्थान पर महाराज ने सालार समूद को मारा, वहां सालार मसूद का मेला लगता था, लेकिन महाराज सुहेलदेव का स्मरण कोई नहीं करता था। जब मैं गोरखपुर का सांसद था तो बहराइच में उनके विजयोत्सव कार्यक्रम में आया। प्रशासन ने मुझे रोकने का प्रयास किया, फिर भी मैं गया था। जिस सालार मसूद ने हमें रौंदने का कार्य किया, पहले उसके मेले में बड़ी संख्या में लोग जाते थे परंतु अब भीड़ सालार मसूद की तरफ नहीं झांकती, बल्कि महाराज सुहेलदेव के स्मारक पर जाती है।

सालार मसूद भी अभी मिट्टी में मिले माफिया का रूप था। इसने न सिर्फ सोमनाथ मंदिर, बल्कि राम जन्मभूमि को पहली बार क्षतिग्रस्त किया। महाराजा सुहेलदेव ने उसे वह मौत मारा, जिसे इस्लाम में सबसे खराब मौत मानी जाती है। महाराज सुहेलदेव ने सालार मसूद को जहन्नुम में भेजने की गारंटी दी थी। जब तक अत्याचारी के साथ ऐसा व्यवहार नहीं करेंगे, तब तक वह भारत की संस्कृति पर प्रहार करता रहेगा।

अवधी-भोजपुरी में थोड़ा-बहुत छोड़ दें तो महाराज सुहेलदेव के नाम पर कोई गीत, संगीत व नाट्य प्रस्तुति नहीं होती।

देश के नायकों पर बनायें लघु नाटक

सीएम ने वीरांगना अवंतीबाई, झलकारी बाई, ऊदा देवी, महाराज बिजली पासी, पं. रामप्रसाद बिस्मिल, ठाकुर रोशन सिंह, चंद्रशेख? आजाद आदि नायकों के किस्से सुनाए और कहा कि नाट्य अकादमियों का दायित्व है कि इन पर लघु नाटक बनाएं। जब कोई समय आता है तो हम इन्हें स्मरण करते हैं, फिर भूल जाते हैं। जिन खलनायकों ने भारत की संस्कृति को रौंदने का कार्य किया, उन्हें कभी सम्मान नहीं मिलना चाहिए। बंगाल की त्रासदी को बंकिम चंद्र चटर्जी आनंद मठ के रूप में बताते हैं, लेकिन सुहेलदेव को सम्मान देने के लिए कोई बंकिम चंद्र यहां पैदा नहीं हो पाए। रानी लक्ष्मीबाई पर काव्यपाठ के माध्यम से प्रस्तुति हुई है, लेकिन रंगमंच से यह प्रस्तुति हो तो और भी प्रभावी हो सकती है। भारतेंदु नाट्य अकादमी को इस पर कार्य करने की आवश्यकता है।

कला की सभी विधाओं में उत्तर प्रदेश अत्यंत समृद्ध

सीएम ने कहा कि गोरखपुर में कलाकारों के लिए सरकार ने प्रेक्षागृह बनाया है। कहा कि कार्मल स्कूल के पास एक बरगद का पेड़ है। 1975 से 12-15 कलाकार लगातार उस पेड़े के नीचे सर्दी, गर्मी, बरसात हर मौसम में सप्ताह में एक दिन मंचन करते थे। मैं आज भी उन कलाकारों को कभी-कभी बुलाता हूं। सीएम ने कहा कि गायन, वादन, नाट्य, नृत्य आदि विधा में उत्तर प्रदेश बहुत समृद्ध रहा है। आजमगढ़ के हरिहरपुर गांव का जिक्र करते हुए सीएम ने कहा कि उस छोटे से गांव में बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक आज भी संगीत के साथ जुड़े हैं। हमारी सरकार ने वहां संगीत विद्यालय प्रारंभ किया। मगहर में कबीर एकेडमी में बनी, कबीर की साखी पर आधारित कार्यक्रम होने चाहिए। सीएम ने शोध पर भी जोर दिया। विभाग का काम ठेके पट्टे करना नहीं, बल्कि भावी पीढ़ी के लिए समृद्ध विरासत को बढ़ाने की आवश्यकता है।

24 से रामधारी सिंह दिनकर की कृतियों पर त्रिदिवसीय आयोजन होगा

सीएम ने कहा कि सदन में मैं रामधारी सिंह दिनकर की कविताओं की पंक्तियों को उठाने का प्रयास करता हूं। उनकी रचना ह्यसिंहासन खाली करो, जनता आती है ने आपातकाल के दौरान समाज की जनचेतना को जागरूक किया। सीएम ने बताया कि राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की कृतियों पर आधारित त्रिदिवसीय कार्यक्रम 24 से लखनऊ में होगा। एक दिन अटल जी की साहित्यिक कृतियों पर आधारित रंगमंच का कार्यक्रम होना चाहिए। हमारे पास बहुत कुछ है, हमें बस युवाओं व वर्तमान पीढ़ी को तैयार करने के लिए कार्य करना होगा।

मुख्यमंत्री ने इन्हें किया सम्मानित

- किरण बिसारिया, लखीमपुर खीरी
- पद्मश्री रामगोपाल बजाज, नई दिल्ली
- पद्मश्री डॉ. अनिल रस्तोगी, लखनऊ
- प्रो. अजय मलकानी, रांची
- रविशंकर खरे, गोरखपुर
- चित्रा मोहन, प्रयागराज
- मंजू ब्रजनंदन शर्मा सहारनपुर
- मुनीश सप्पल मुंबई
- डॉ. देवेंद्र कुमार त्रिपाठी प्रयागराज
- डॉ. अजीत सैगल, वाराणसी
- राकेश निगम, लखनऊ
- प्रमोद सिंह राणा, आगरा
- आलोक पांडेय, शाहजहांपुर
- कुशल दुबे, जौनपुर
- राकेश पांडेय, भदोही

मॉरीशस में भी घर-घर में पूजी जाती है रामचरित मानस

- सीएम ने भारतेंदु हरिश्चंद्र द्वारा निज भाषा-बोली के महत्व पर प्रकाश डाला। मातृभाषा हिंदी, खड़ी बोली के लिए उनका योगदान अविस्मरणीय है। तुलसीदास जी पर ईश्वरीय प्रेरणा हुई तो उन्होंने अवधी में रामचरित मानस रच डाली, जो घर-घर में पूजी जा रही है। सीएम ने मॉरीशस यात्रा का संस्मरण सुनाया और कहा कि वहां भारतीय मूल के लोगों ने विरासत में रामचरित मानस दिखाई। बताया कि रामायण की पूजा करते हैं।

राजनीतिक कारणों से महापुरुषों को भुला दिया गया

- सीएम ने कहा कि वंदे मातरम के साथ ही हमारा प्रयास होना चाहिए, जिन महापुरुषों को राजनीतिक कारणों से भुला दिया गया। वोटबैंक पर असर न पड़े, इसलिए महाराज सुहेलदेव, बिजली पासी, रानी लक्ष्माबाई का स्मरण नहीं किया जाता था। हमें नायकों व वीरांगनाओं को सम्मान देना चाहिए। स्थानीय स्तर पर स्कूलों, विद्यालयों में तय हो कि सप्ताह में एक दिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों, लोककलाओं को बढ़ाने का कार्यक्रम होना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने देखी आनंद मठ की नाट्य प्रस्तुति

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को भारतेंदु नाट्य अकादमी के संपूर्ण भवन व दो प्रेक्षागृहों के जीर्णोद्धार कार्य का लोकार्पण किया। उन्होंने यहां कलाविदों-पूर्व छात्रों का सम्मान, रंगवेद पत्रिका का विमोचन और प्रदर्शनी का अवलोकन किया।
- मुख्यमंत्री ने बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय रचित उपन्यास आनंदमठ की नाट्य प्रस्तुति भी देखी। इसके पहले भारतेंदु नाट्य अकादमी के अध्यक्ष डॉ. रतिशंकर त्रिपाठी ने मुख्यमंत्री का अंगवस्त्र व स्मृति चिह्न देकर स्वागत किया। मंच पर पहुंची एक बच्ची ने पैर छूकर मुख्यमंत्री का आशीर्वाद लिया। सीएम ने बच्ची का उत्साहवर्धन करते हुए चॉकलेट दी।

मंच पर पहुंची नन्ही बच्ची सीएम ने दी चॉकलेट

- इस दौरान पूर्व उपमुख्यमंत्री व राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा, पर्यटन-संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह, महापौर सुषमा खर्कवाल, विधायक योगेश शुक्ल, भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. मांडवी सिंह समेत अनेक रंगकर्मी, पूर्व छात्र आदि मौजूद रहे।

नकारात्मक वक्तव्य का मुंहतोड़ जवाब दें युवा कार्यकर्ता : सीएम

युवा संवाद कार्यक्रम में बोले मुख्यमंत्री, हताश विपक्ष के सोशल मीडिया पर हर वार का प्रतिवार करने के लिए मुस्तैद रहें कार्यकर्ता

विशेष संवाददाता (vol)

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा के युवा कार्यकताओं का आह्वान किया है कि लगातार सत्ता से दूर रहने से हताश और निराश हो चुके विपक्ष की तरफ से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर चलाए जाने वाले नकारात्मक नैरेटिव (वक्तव्य) का शब्दों की मयार्दा में रहकर मुंहतोड़ जवाब देने के लिए वे खुद को मुस्तैद रखें। मुख्यमंत्री ने कहा है कि आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर विपक्ष की तरफ से मनगढ़ंत आरोपों का एक नया वार शुरू होगा, उस पर प्रतिवार और उसका प्रतिवाद करने के लिए भाजपा की बूथ स्तर की टीम खुद को मजबूत रखे।

सीएम योगी, रविवार को भारतीय जनता पार्टी महानगर इकाई के मालवीय नगर मंडल की तरफ से आयोजित ह्ययुवा संवादह्न कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। सिंघड़िया स्थित एक मैरेज हाल में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कार्यकताओं का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि हमारे युवाओं को विकास भी करना है और विरासत का भी सम्मान करना है। देश की सीमाओं की सुरक्षा के लिए मुस्तैद जवानों को दुश्मन के मंसूबों का काम भी तमाम करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बूथ लेवल कार्यकताओं की जिम्मेदारी बनती है कि वे डबल इंजन सरकार के अच्छे कार्यों का प्रचार-प्रसार करते हुए अपने बूथ पर सजग और सतर्क रहें। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी सजग रहने की अपील करते हुए कहा कि जिन लोगों ने यूपी के नौजवानों के सामने पहचान का संकट खड़ा किया था, वे हर दृष्टि से फेल होकर आज सोशल मीडिया का सहारा लेंगे। झूठे, मनगढ़ंत आरोप लगाकर तमाम प्रकार के निगेटिव नैरेटिव सेट करने का वे प्रयास करेंगे। इसका जवाब देने के लिए बूथ स्तर के कार्यकताओं को तैयार रहना होगा। निगेटिव नैरेटिव सेट करने की मंशा वाले लोगों के शासन में माफिया की गुंडागर्दी, फिरौती वसूली, बहन-बेटियों और व्यापारियों की असुरक्षा, पर्व-त्योहारों पर दंगे के चलते मातम जैसे माहौल के सभी दृश्य निकालने पड़ेंगे। पेपर की कटिंग्स निकालनी पड़ेगी। उस समय के दृष्टांत निकालने पड़ेंगे और शब्दों की मयार्दा में पूरी आक्रामकता के साथ जवाब देने के लिए अपने आप को तैयार करना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें अपनी पॉजिटिव चीजों को आगे बढ़ाना है। अच्छे कंटेंट बनाकर हम सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग कर सकते हैं। हर एक क्षेत्र में कुछ न कुछ नया हुआ है और उसको हम आगे बढ़ने का काम करेंगे। इससे स्वाभाविक रूप से हम डबल इंजन की सरकार के अभियान को मजबूती के साथ आगे बढ़ाने का कार्य कर पाएंगे। सीएम योगी ने कहा कि भारत की युवा शक्ति सदैव सत्य और सनातन के साथ रही है। प्रभु श्रीराम, श्रीकृष्ण, वीर अभिमन्यु, गुरु गोविंद सिंह जी महाराज और उनके चार पुत्रों, स्वामी विवेकानंद, महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी महाराज, झांसी की रानी लक्ष्मीबाई, नेताजी सुभाषचंद्र बोस और वीर सावरकर के जीवन का उद्धरण देते हुए कहा कि ये सब उसी युवा ऊर्जा शक्ति के प्रतीक और प्रेरणा हैं जिन्होंने सब कुछ देश और धर्म के लिए किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश इस मामले में सबसे सौभाग्यशाली है कि देश की 56 से 60 फीसदी कार्यशील युवा आबादी यहां है।

यह युवा ऊर्जा अगर सकारात्मक कार्यों के साथ जुड़ जाए तो उत्तर प्रदेश को कहां से कहां पहुंचाया जा सकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जो युवा इस बार प्रथम बार मतदाता होंगे वे सभी इस बात को नहीं जानते होंगे की 2017 के पहले उत्तर प्रदेश में क्या कुछ होता था। कहा कि 2017 के पहले उत्तर प्रदेश में व्यापक तीसरे दिन दंगा होता था। पर्व और त्यौहार आने से पहले लोगों के मन में आशंका खड़ी हो जाती थी। गुंडागर्दी चरम पर थी, हर जिले में माफिया की समानांतर सरकार चलती थी। व्यापारी, उद्यमी, चिकित्सक, शिक्षक, गरीब, साहूकार सबको गुंडा टैक्स देना पड़ता था। हर जनपद में अपहरण होते थे, फिरौती वसूली जाती थी।

हर चौराहे पर टैक्सी स्टैंड के नाम पर वसूली होती थी। कुशीनगर और महाराजगंज का एक हिस्सा है, जहां जंगल पार्टी थी जो किसी का अपहरण कर लेती थी। बिजली बमुश्किल से तीन-चार घंटे आती थी। गांवों में तो एक सप्ताह आती थी और दूसरे सप्ताह नहीं आती थी। सड़कें तब गड्ढे जैसी थीं। तब यही उत्तर प्रदेश की सही पहचान थी। नौजवानों के लिए नौकरी, रोजगार नहीं था। किसान आत्महत्या करते थे। महिलाएं असुरक्षित थीं, भय से बेटियां स्कूल नहीं जा पाती थीं।

पर्व आने पर लोगों के मन में दंगों की आशंका होती थी कि पता नहीं कहां दंगा हो जाए और टारगेट करके हिंदुओं को जेल में बंद कर दिया जाए। आज डबल इंजन सरकार में ऐसा कुछ भी नहीं हो सकता है।

महिला आरक्षण बिल का तो आधार ही निराधार है

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि गिनती ही गलत होगी तो आरक्षण कैसे सही होगा। अगर किसी काम को करने की सही मंशा होती है, तो शंका नहीं होती है। अखिलेश यादव ने कहा कि दरअसल महिला आरक्षण बिल का तो आधार ही निराधार है।

आरक्षण का आधार अगर कुल सीटों का 1/3 (एक तिहाई) है तो इसका मतलब हुआ कि ये गणित का विषय है और गणित का आधार अंक होते हैं, संख्याएं होती हैं, कोई हवा हवाई बात नहीं और इस तरह के मामले में संख्या का आधार जनसंख्या होती है, जिसका आधार जनगणना होती है। जब महिलाओं की जनसंख्या के लिए 2011 के पुराने आँकड़ों को आधार बनाएंगे तो महिला आरक्षण की आधारभूमि ही गलत होगी, जब भूमि में ही दोष होगा तो सच्ची फसल कैसे उगेगी।

अखिलेश यादव ने कहा कि इसीलिए हमारी सबसे बड़ी आपत्ति यही है कि पहले जनगणना कराई जाए फिर महिला आरक्षण की बात उठाई जाए। जो सरकार महिलाओं को गिनना नहीं चाहती है, वो भला उन्हें आरक्षण क्या देगी। महिलाओं के साथ भाजपा और उनके संगी-साथी जो धोखा करना चाहते हैं, महिलाओं के साथ वो छलावा हम नहीं होने देंगे। अखिलेश यादव ने कहा कि कुल मिलाकर सरकार से हमारा ये कहना है कि जब तक जनगणना नहीं, तब तक महिला आरक्षण पर बहस करना नहीं।

'अस्मिता' पहल और मिशन एशियन गेम्स पर हुई अहम चर्चा

रोइंग एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से की भेंट

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। उत्तर प्रदेश रोइंग एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने राजभवन में उत्तर प्रदेश की माननीय राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से शिष्टाचार मुलाकात की। एसोसिएशन के सचिव सुधीर शर्मा के नेतृत्व में पहुंचे इस दल ने प्रदेश में रोइंग (नौकायन) की वर्तमान गतिविधियों और भविष्य की योजनाओं से राज्यपाल को अवगत कराया। इस मुलाकात के दौरान सचिव सुधीर शर्मा ने बताया कि गोरखपुर के रामगढ़ताल में '20वें एशियन गेम्स' के लिए भारतीय महिला रोइंग टीम का 51 दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस कैंप में चयनित महिला खिलाड़ियों को एनआईएस कोच राजेश कुमार यादव (स्वर्ण पदक विजेता, एशियन रोइंग चैंपियनशिप) द्वारा कड़ा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को जानकारी दी कि उत्तर प्रदेश रोइंग एसोसिएशन द्वारा भारत सरकार की 'खेलो इंडिया' योजना के अंतर्गत अस्मिता (अचीविंग स्पोर्ट्स माइलस्टोन थ्रू एक्शन) पहल पर तेजी से कार्य कर रहा है, ताकि अधिक से अधिक महिलाओं को इस खेल से जोड़कर उन्हें प्रोत्साहित किया जा सके। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने इस पहल की प्रशंसा की और उत्तर प्रदेश रोइंग एसोसिएशन के प्रयासों को प्रदेश के खेल जगत के लिए एक सराहनीय कदम बताया।

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश रोइंग एसोसिएशन की ओर से राज्यपाल को स्मृति चिन्ह भी भेंट किया गया। प्रतिनिधिमंडल में सचिव सुधीर शर्मा के साथ फाइनेंस कमीशन के चेयरमैन पीयूष सिंह चौहान, तकनीकी सचिव सर्व मित्र भट्ट, संयुक्त सचिव संदीप अरोड़ा, कंप्टीशन कमीशन के चेयरमैन पुनीत अग्रवाल, लीगल कमेटी के चेयरमैन राकेश शुक्ला, आईटी सलाहकार आलोक सोती व देवेन्द्र शुक्ला मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

इजराइल में पूरी तरह सुरक्षित हैं यूपी के 6000 श्रमिक

तनावपूर्ण हालात के बीच भी सभी श्रमिक सुरक्षित, जरूरत पड़ने पर की जा रही वापसी की व्यवस्था

दूतावास के अधिकारियों के माध्यम से योगी सरकार कर रही यूपी के श्रमिकों की चिंता

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। इजराइल में जारी तनावपूर्ण हालात के बीच उत्तर प्रदेश के 6000 से अधिक श्रमिक पूरी तरह सुरक्षित हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सभी श्रमिकों की नियमित निगरानी की जा रही है। प्रमुख सचिव, श्रम एवं सेवायोजन डॉ. शन्मुगा सुंदरम लगातार इजराइल में भारतीय दूतावास के संपर्क में हैं और वहां मौजूद भारतीय, विशेषकर यूपी के श्रमिकों की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। दूतावास से प्राप्त जानकारी के अनुसार, इजराइल में कार्यरत सभी भारतीय श्रमिक सुरक्षित हैं और फिलहाल किसी भी तरह की आपात स्थिति या बड़े खतरे की सूचना नहीं है।

इजराइल में भारत के राजदूत जेपी सिंह के साथ प्रमुख सचिव श्रम एवं सेवायोजन डॉ शन्मुगा सुंदरम लगातार यूपी के श्रमिकों के विषय में अपडेट ले रहे हैं। डॉ शन्मुगा सुंदरम ने बताया कि भारत के राजदूत जेपी सिंह के साथ टेलीफोन पर उनकी लगातार बातचीत हो रही है। 11, 17 और 28 मार्च को साझा किए गए अपने संदेशों में भारतीय राजदूत ने उन्हें स्पष्ट रूप से बताया है कि सभी भारतीय श्रमिक, जिनमें उत्तर प्रदेश के श्रमिक भी शामिल हैं, सुरक्षित हैं। उन्होंने बताया कि मौजूदा परिस्थितियों में स्वाभाविक रूप से कुछ चिंता का माहौल है, लेकिन किसी भी श्रमिक की ओर से भारत लौटने का कोई विशेष दबाव या मांग नहीं आई है। दूतावास सभी के साथ लगातार संपर्क में है और उनकी हर जरूरत का ध्यान रखा जा रहा है।

● किसी भी श्रमिक की ओर से भारत लौटने का कोई विशेष दबाव या मांग नहीं

राजदूत ने यह भी जानकारी दी कि कुछ यूपी के श्रमिकों ने हाल ही में भारत से गए पत्रकारों का आतिथ्य भी किया, जो इस बात का संकेत है कि स्थिति नियंत्रण में है और श्रमिक सामान्य जीवन जी रहे हैं। भारतीय दूतावास की प्रथम सचिव डॉ. गरिका तेजेश्वर ने भी प्रमुख सचिव के साथ वातालार्प में पुष्टि की है कि यूपी के सभी श्रमिक सुरक्षित हैं और अब तक किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली है। उन्होंने बताया कि कुछ भारतीय नागरिक, मुख्य रूप से व्यापारी और छात्र स्वेच्छा से वापस लौटे हैं, जिनकी जॉर्डन के रास्ते यात्रा में दूतावास ने सहायता की। यदि कोई श्रमिक लौटना चाहता है, तो उसके लिए भी यही व्यवस्था उपलब्ध कराई जा सकती है। उन्होंने बताया कि दूतावास के कंट्रोल रूम को अब तक कोई गंभीर या आपातकालीन संदेश प्राप्त नहीं हुआ है और सभी श्रमिक स्थानीय सुरक्षा दिशा-निर्देशों का पालन कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार इस पूरे मामले पर गंभीरता से नजर बनाए हुए है। प्रमुख सचिव श्रम डॉ. शन्मुगा सुंदरम नियमित रूप से दूतावास के संपर्क में रहकर श्रमिकों की स्थिति की समीक्षा कर रहे हैं। सरकार की प्राथमिकता है कि विदेशों में कार्यरत प्रदेश के सभी श्रमिक सुरक्षित रहें और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाए।

सहायता के लिए हेल्पलाइन भी सक्रिय

प्रमुख सचिव श्रम डॉ. शन्मुगा सुंदरम ने बताया कि इजराइल की पॉपुलेशन एंड इमिग्रेशन अथॉरिटी द्वारा संचालित कॉल सेंटर भी भारतीय श्रमिकों की सहायता के लिए सक्रिय है, जहां विभिन्न भाषाओं में सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने बताया कि इजराइल में समय-समय पर मिसाइल हमलों की घटनाएं सामने आ रही हैं, फिर भी वहां रह रहे भारतीयों, विशेषकर उत्तर प्रदेश के श्रमिकों की स्थिति सामान्य बनी हुई है। सरकार और दूतावास दोनों ही मिलकर हर स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई की जा सके।

जरूरतमंदों तक पहुंची 860 करोड़ की आर्थिक सहायता

बिना भेदभाव हर वर्ग, हर क्षेत्र और हर दल के अनुरोधों पर समान संवेदनशीलता से हुई कार्रवाई

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में संवेदनशील और जवाबदेह शासन का एक मजबूत उदाहरण सामने आया है, जहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष गरीबों, वंचितों और जरूरतमंदों के लिए एक बड़े सहारे के रूप में स्थापित हुआ है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, इस कोष के माध्यम से वित्तीय वर्ष 2025-26 (अप्रैल 2025 से मार्च 2026 तक) में लगभग 860 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है, जो विभिन्न दलों के जनप्रतिनिधियों के जरिए 50 हजार से अधिक लाभार्थियों तक पहुंची है। यह आंकड़ा न केवल सहायता के व्यापक दायरे को दर्शाता है, बल्कि सरकार के मानवीय पक्ष और उसकी प्राथमिकताओं को भी स्पष्ट करता है।

इस पूरी प्रक्रिया की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि सहायता वितरण में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया गया। चाहे सत्तापक्ष के जनप्रतिनिधि हों या विपक्ष के, शहरी क्षेत्र हो या ग्रामीण, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग हो या आकस्मिक संकट से जूझ रहा परिवार, हर जरूरतमंद तक समान संवेदनशीलता के साथ मदद पहुंचाई गई। यह स्पष्ट संकेत है कि सरकार का उद्देश्य केवल योजनाओं का संचालन नहीं, बल्कि मानवीय दृष्टिकोण के साथ अंतिम व्यक्ति तक राहत पहुंचाना है।

विवेकाधीन कोष के अंतर्गत 50,000 रुपए जैसी छोटी सहायता से लेकर कई मामलों में 3 करोड़ रुपए से अधिक की बड़ी स्वीकृतियां प्रदान की गईं हैं। यह दिखाता है कि सरकार ने हर स्तर की जरूरत को प्राथमिकता दी है, चाहे वह व्यक्तिगत चिकित्सा सहायता हो, आकस्मिक दुर्घटना हो या अन्य आपात स्थिति। विगत वित्तीय वर्ष में अयोध्या, अमेठी, बाराबंकी, आजमगढ़, बलिया और फिरोजाबाद जैसे जनपदों कुछ बड़े केस के कारण सर्वाधिक धनराशि स्वीकृत की गई। वहीं पार्टी की बात करें तो सत्तारूढ़ भाजपा का साथ साथ समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और अन्य दलों के जनप्रतिनिधियों ने भी समान रूप से इस योजना के तहत जरूरतमंदों की मदद करने में सरकार का सहयोग किया। इस योजना की सबसे उल्लेखनीय विशेषता यह रही कि सहायता वितरण पूरी तरह निष्पक्ष और संवेदनशील तरीके से किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यह सुनिश्चित किया गया कि किसी भी स्तर पर राजनीतिक भेदभाव की गुंजाइश न रहे। सभी दलों के जनप्रतिनिधियों, चाहे वे सत्तापक्ष से हों या विपक्ष से, उनके अनुरोधों पर समान गंभीरता और तत्परता से कार्रवाई की गई। विभिन्न दलों के जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी भी इस बात का मजबूत प्रमाण है कि सरकार ने स्थानीय स्तर पर जनप्रतिनिधियों को न केवल महत्व दिया, बल्कि उन्हें विश्वास और जिम्मेदारी के साथ जोड़ा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में विवेकाधीन कोष का संचालन एक बेहद व्यावहारिक और मानवीय सिद्धांत पर आधारित रहा है, जहां जरूरत, वहां सहायताह्न। इस व्यवस्था में किसी प्रकार का पूर्व निर्धारित कोटा या सीमित आवंटन प्रणाली लागू नहीं की गई, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि सहायता का वितरण केवल औपचारिकताओं तक सीमित न रहे, बल्कि वास्तविक जरूरत के अनुरूप हो। जहां जिस स्तर की आवश्यकता सामने आई, वहां उसी अनुपात में धनराशि स्वीकृत की गई। इस नीति का सबसे बड़ा लाभ यह रहा कि गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों, आकस्मिक दुर्घटनाओं या आपदा जैसी परिस्थितियों से प्रभावित परिवारों को न केवल समय पर, बल्कि पर्याप्त आर्थिक सहायता मिल सकी।

सरकार का मानवीय चेहरा

विवेकाधीन कोष के जरिए सरकार ने यह साबित किया है कि संवेदनशीलता और त्वरित निर्णय क्षमता के साथ जरूरतमंदों तक सीधे राहत पहुंचाई जा सकती है। गरीब, वंचित और जरूरतमंद वर्ग के लिए यह कोष आज एक प्रभावी तत्काल राहत तंत्र के रूप में स्थापित हो चुका है, जिसने हजारों परिवारों को कठिन परिस्थितियों में सहारा दिया है। चाहे गंभीर बीमारी हो, आकस्मिक संकट हो या आर्थिक विपदा, इस व्यवस्था ने समय पर मदद पहुंचाकर न सिर्फ आर्थिक बोझ कम किया, बल्कि लोगों में सरकार के प्रति भरोसा भी मजबूत किया है।

इस तरह विवेकाधीन कोष से पा सकते हैं सहायता

मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष एक ऐसी विशेष वित्तीय व्यवस्था है, जिसके माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जरूरतमंद व्यक्तियों, संस्थाओं या आपात स्थितियों में त्वरित आर्थिक सहायता प्रदान करते हैं। यह कोष मुख्यमंत्री के विवेक पर आधारित होता है, यानी किसे सहायता दी जाए, कितनी राशि दी जाए इसका निर्णय परिस्थितियों और जरूरत के आधार पर किया जाता है। इसका उद्देश्य ऐसे मामलों में तुरंत मदद पहुंचाना है, जहां नियमित सरकारी योजनाएं पर्याप्त या समय पर मदद नहीं दे पातीं। मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से आमतौर पर गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों (कैंसर, हार्ट सर्जरी, किडनी आदि), आर्थिक रूप से कमजोर परिवार, दुर्घटना या आकस्मिक संकट से प्रभावित लोग और कुछ मामलों में शिक्षा या विशेष परिस्थितियों में सहायता प्रदान की जाती है। सहायता पाने के लिए आमतौर पर जनप्रतिनिधि के माध्यम से आवेदन या सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय में प्रार्थना पत्र दिया जाता है।

रजिस्टर में दर्ज होगी बिजली जाने की सूचना

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। बिजली विभाग मे बिजली कटौती कितनी बार हो रही है इसकी जानकारी उपकेन्द्र से मिल सकेगी। इसके लिए विभाग के तरफ से उपकेन्द्र पर तैनात एसएसओ को एक रजिस्टर दिया गया है जिसमें बिजली कटौती की पल-पल की रिपोर्ट उस रजिस्टर में दर्ज करना होगा। जिसे कोई भी उपभोक्ता कभी भी देख सकता है। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड में उपभोक्ता को यह जानकारी मिल सकेगी कि किसी उपकेन्द्र पर कितनी बार बिजली कटौती हो रही है। लेसा के सभी बिजली उपकेन्द्रो पर यह सुविध शुरू हो गयी है। कुछ उपकेन्द्रों पर शिकायत आ रही है कि दो मिनट और 5 मिनट की बिजली कटौती को रजिस्टर में दर्ज नही किया जा रहा है। सूत्रो की माने तो कुछ समय के लिए जाने वाली बिजली को रजिस्टर में इसलिए दर्ज नही किया जाता है कि बड़े अधिकारी को बताना पड़ेगा कि इनती देर बिजली कटौती कैसे रही।

90 प्रतिशत बिजली मीटर का उपभोक्ता के सामने नही होती है जांच : बिजली मीटर तेज चलने की शिकायत ज्यादातर उपभोक्ता की होती है। लेकिन विङ्गाग में उपभोक्ता के शिकायत करने पर मीटर तो बदल दिया जाता है लेकिन मीटर कितना तेज चल रहा था और कैसे तेज चला यह उपभोक्ता के सामने नही दिखाया जाता है। जबकी नियमानुसार मीटर की जांच करने से पहले उपभोक्ता को लिखित सूचना देना होता है। मीटर तेज चलने की शिकायत उपभोक्ता के करते ही मीटर बदल दिया जाता है और बिल का भी संशोधन कर दिया जाता है। लेकिन उपभोक्ता को मीटर की जांच करते समय नहीं बुलाया जाता है। उपभोक्ता के बार-बार पूछने पर अधिकारी यह कह कर टरका देते है कि मीटर की एमआरआई रिपोर्ट देख लिजिए। ऐसे में अधिकारी उपभोक्ता को सही नही बताते है। वर्टिकलन व्यवस्था के अनुसार लेसा सिस गोमती के चीफ ने बताया कि मीटर की जांच करने से पहले उपभोक्ता को नोटिस के साथ समय भी दिया जाता लेकिन ज्यादातर उपभोक्ता नही आते है ऐसे में समय ज्यादा होने पर वीडियोंग्राफी कराकर मीटर की एमआरआई करा दिया जाता है। उपभोक्ता एमआरआई देखना चाहते है तो विभाग के कर्मचारी उसको दिखाते भी है।

आरटीओ से परमीशन लेकर विदेश में भी चला सकते है गाड़ी

समरेश पति त्रिपाठी

लखनऊ। सम्भवतः जानकारी का आभाव है या फिर आरटीओ के प्रचार-प्रसार में कमी। देश का कोई भी ड्राइविंग लाइसेंसधारी व्यक्ति विदेशों की सड़कों पर फर्राटा भर सकता है ! इसके लिए आरटीओ, विदेश में जाने वाले किसी भी यात्री को पासपोर्ट, वीजा और एक हजार रुपये जमा करने के बाद विदेशों में वाहन चलाने की अनुमति देता है।

आरटीओ संजय तिवारी ने बताया कि किसी भी व्यक्ति का डीएल पुराना बना हो या नया वह विदेश में गाड़ी चला सकता है। इसके लिए डीएलधारक को पासपोर्ट, वीजा और एक हजार फीस आरटीओ कार्यालय में जमा कर विदेश में गाड़ी चलाने की परमिशन ले सकता है।

परमिशन लेने के बाद विदेश में गाड़ी चलाने पर कोई अतिरिक्त शुल्क नही देना पड़ेगा। यहां तक की विदेश के अधिकारी गाड़ी चलाते समय डीएल के वजह से चलान नहीं कर सकते है। उन्होंने बताया कि विदेश जाने से पहले वीजा की कॉपी आनलाईन आरटीओ कार्यालय में जमा करने के बाद तीन दिन के अन्दर परमिशन की कापी डीएलधारक को दे दिया जायेगा। विदेश में गाड़ी चलाते समय डीएलधारक को स्थाई डीएल और परमिशन की कापी भी साथ रखना होगा। आरटीओ ने संजय तिवारी ने बताया कि कुछ देश ऐसे भी है जहां पर गाड़ी चलाने के लिए आरटीओ से परमिशन नही लेना होता है। ऐसे देशों में बिना वीजा के ही आरटीओ द्वारा जारी डीएल से गाड़ी चला सकते है।

विदेश में गाड़ी चलाने के लिए जो डीएल दिया जाता है उसको इन्टरनेशनल ड्राइविंग परमिट कहा जाता है। हालाकिं उन्होंने यह भी बताया कि पासपोर्ट के अनुसार ही डीएल की मान्यता दिया जाता है।

आधुनिक चिकित्सा सेवाओं में एआई की दस्तक : डॉ. राजीव

रोबोटिक सर्जरी एक प्रभावी और सुरक्षित विकल्प बनकर उभरी, रिकवरी जल्द

लखनऊ। गंभीर बीमारियों से जूझ रहे बच्चों के इलाज में रोबोटिक सर्जरी एक प्रभावी और सुरक्षित विकल्प बनकर उभर रही है। आधुनिक तकनीक की मदद से अब जटिल से जटिल सर्जरी भी छोटे-छोटे चीरे के माध्यम से की जा रही है। जिससे न केवल सर्जरी की सटीकता बढ़ी है। बल्कि मरीजों को होने वाली शारीरिक पीड़ा भी कम हुई है। यह जानकारी पीजीआई पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग के अध्यक्ष डा. बसंत कुमार ने रविवार को पीजीआई में रोबोकॉन्स 2026 को संबोधित कर रहे थे। डॉ. बसंत कुमार ने कहा कि रोबोटिक सर्जरी के दौरान अत्याधुनिक उपकरणों का उपयोग किया जाता है। लाभ यह है कि इसमें बड़े चीरे लगाने की आवश्यकता नहीं होती है। छोटे चीरे होने के कारण रक्तस्राव काफी कम होता है। ऑपरेशन के बाद दर्द भी कम रहता है। मरीजों की रिकवरी तेजी से होती है। उन्हें अस्पताल में लंबे समय तक भर्ती रहने की जरूरत नहीं पड़ती है।

लखनऊ। आधुनिक चिकित्सा सेवाओं में तेजी से बदलाव हो रहा है। एआई भी इस क्षेत्र में दस्तक देने को तैयार है। ऐसी स्थिति में चिकित्सकों को अपडेट रहना आवश्यक है। यह बातें आईएमए उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष डा. राजीव गोयल ने विश्व स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में रविवार को इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के तत्वावधान में आईएमए भवन में सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) को सम्बोधित करते हुए कही। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं के भविष्य, आधुनिक तकनीकों की भूमिका तथा चिकित्सा समुदाय और जनस्वास्थ्य को सशक्त बनाने पर जोर दिया।

आईएमए के अध्यक्ष डा. मनोज कुमार अस्थाना ने कहा कि इस रिफ्रेशर कोर्स एवं सीएमई का मुख्य उद्देश्य चिकित्सकों को क्लिनिकल प्रैक्टिस में नवीनतम प्रगति से अवगत कराना तथा विभिन्न चिकित्सा विशेषज्ञताओं में सतत अधिगम को बढ़ावा देना है। वैज्ञानिक सत्रों का संचालन वैज्ञानिक अध्यक्ष डॉ. संजय श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में किया गया, जबकि समन्वय की जिम्मेदारी वैज्ञानिक सचिव डॉ. अर्चिका गुप्ता ने निभाई। आईएमए लखनऊ की मानद सचिव डॉ. श्वेता श्रीवास्तव ने कार्यक्रम का संचालन किया। प्रमुख वक्ताओं में डॉ. निरुपमा पाण्डेय, डॉ. राजीव सक्सेना, डॉ. अरुण पाण्डेय, डॉ. शाश्वत सक्सेना, डॉ. अभिनव श्रीवास्तव, डॉ. अर्चिका गुप्ता, डॉ. आर.बी. सिंह, डॉ. नीरज टंडन, डॉ. शशांक निगम, डॉ. दीपक दीवान, डॉ. अचल गुप्ता, डॉ. इमरान अख्तर, डॉ. संजय श्रीवास्तव, डॉ. संतोष सिंह और डॉ. सूर्यकांत शामिल रहे। सत्रों में किशोरियों एवं महिलाओं में मासिक धर्म स्वच्छता और पोषण, बच्चों में पेट दर्द, चिकित्सा शिक्षा की प्रगति, सिर एवं गर्दन के कैंसर का प्रबंधन, सीकेडी की पहचान एवं स्टेजिंग तथा आरआरटी की विधियां, स्पाइन सर्जरी में प्रगति, जॉइंट रिप्लेसमेंट, मिस्ड इंजरीज, चिकित्सा अभ्यास में सॉफ्ट स्किल्स, पल्मोनरी एवं टीबी अपडेट्स, पल्मोनरी इनसाइट्स, पर्वतारोहण का चिकित्सीय दृष्टिकोण, मधुमेह में ओरल सेमाग्लूटाइड, यूरोलॉजी में रोबोटिक्स, कार्डियक सर्जरी में प्रगति, मधुमेह प्रबंधन, विटामिन-डी सप्लीमेंटेशन, बर्न्स एवं एलोपेसिया, डॉक्टरों और अस्पतालों के लिए समग्र बीमा योजना, बचपन में मायोपिया, डायबिटिक रेटिनोपैथी, सूचित सहमति, प्रसवोत्तर रक्तस्राव प्रबंधन, फैमिली मेडिसिन टीम कॉन्सेप्ट तथा बढ़ती प्रजनन संबंधी समस्याएं जैसे विषयों पर चर्चा हुई।

परिवहन निगम में ऑनलाइन होगी अनुबंधित बसो की जानकारी

लखनऊ। प्रदेश क विभिन्न रुटो पर ज्यादा बसे चले इसके लिए परिवहन विभाग प्राइवेट बसो को अनुबंधित कर लेता है जिसमें विभाग का परिचालक कार्य करता है। और चालक बसो के मालिक रखते है। लेकिन समय पर परिवहन निगम द्वारा पैसा नही मिलने पर बस मालिक मुख्यालय का चक्कर लगाते रहते है। ऐसे में बस मालिक न तो बस हटा पाते है और न ही विभाग से पैसा ले पाता है। जिसको लेकर परिवहन विभाग प्राइवेट अनुबंधित बसो को ब्यौरा आनलाइन करेगा। प्रदेश में सैकड़ो की संख्या में प्राइवेट बस परिवहन विभाग के अंदर में चल रही है। इन बसो को ऐसे रुट पर चलाया जाता है जहां पर बसो की संख्या कम है। प्राइवेट बसो को अनुबंधित कर रुट पर चलाने के वजह से बस सभी यात्रियों को समय पर मिल जाती है। इसमें सबसे ज्यादा लाभ ग्रामीण यात्रियों को मिल जाता है। लखनऊ से लगभग 175 एसी बस विभिन्न रुटो पर अनुबंधित बसे चलाई जाती है। एसी बस के चलने से विभाग को ज्यादा लाभ तो नही हो पाता है लेकिन रुट के यात्री समय पर यात्रा कर लेते है। सबसे ज्यादा ऐसे बसो को मांग तब बढ़ जाती है जब कोई त्यौहार पड़ता है। इस तरह के बसो से लाभ नही मिलने के वहज से ही बस मालिक के नाम सहित बस का सारा ब्यौरा आनलाइन किया जा रहा है। जिससे विभाग के साथ-साथ गाड़ी मालिक को भी जानकारी होती रहे।

गर्भधारण के लिए 22 से 30 की उम्र सबसे उपयुक्त : डा. गीता

लखनऊ। आईवीएफ तकनीक से जन्मे बच्चे अपने परिवारों के साथ रविवार को आलमबाग के अजंता अस्पताल में आयोजित टेस्ट ट्यूबयू बेबी मीट में आईवीएफ की डा. गीता खन्ना ने कहा कि गर्भधारण के लिए 22 से 30 वर्ष की आयु सबसे उपयुक्त मानी जाती है। आज के समय में बांझपन के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। इसके पीछे देर से शादी, शादी के बाद बच्चे की देर से मानसिक तनाव, अस्वस्थ जीवनशैली, मोटापा व थायरॉइड जैसी समस्याएं और पुरुषों में घटती शुक्राणु गुणवत्ता मुख्य कारण है।

गोमतीनगर जनकल्याण महासमिति का वार्षिकोत्सव 11 को

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। गोमती नगर जन कल्याण महा समिति की कार्यपालिका बैठक रविवार को विशाल खंड 3 में संपन्न हुई। महासचिव डॉक्टर राघवेंद्र शुक्ला ने महासमिति द्वारा कराए जा रहे कार्यों एवं प्रस्तावित कार्यों की विस्तार से जानकारी दी। बैठक में सभी समितियों का चुनाव 31 अगस्त तक कराने का निर्णय लिया गया।

समितियां की संख्या 100 के करीब होने के कारण महा समिति के संविधान में संशोधन करने का भी निर्णय लिया गया। महासचिव डॉक्टर राघवेंद्र शुक्ला ने गोमतीनगर जनकल्याण महासमिति के वार्षिकोत्सव 11 अप्रैल को 4 बजे होने की जानकारी दी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे।

इस संबंध में सभी समितियों को सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार एवं प्रसार करने के निर्देश दिए गए। विशाल खंड 3 में समुचित जलापूर्ति के लिए एक नलकूप लगवाने का आश्वासन महासचिव डॉक्टर राघवेंद्र शुक्ला ने दिया। विकास ने नगर निगम द्वारा मानक के विपरीत कराए जा रहे पैच वर्क की शिकायत की।

वी एन पांडे को विनम्र खंड का खंड प्रभारी सर्वसम्मति से मनोनीत किया गया। उक्त कार्यक्रम में महासमिति के अध्यक्ष डॉ बी एन सिंह, महासचिव डॉक्टर राघवेंद्र शुक्ला, कार्यकारी महासचिव कर्नल ए एन पांडे, सचिव सीजी नायर/ संजय निगम/ के के मौर्य, संगठन मंत्री अरुण कुमार गुप्ता/अभिनव शुक्ला, सांस्कृतिक सचिव आर डी मौर्य, प्रचार सचिव अजय तिवारी, मीडिया प्रभारी राजेश श्रीवास्तव एवं अभिषेक खन्ना, पी आर पांडे कोषाध्यक्ष, विशाल खंड 3 जन कल्याण समिति के अध्यक्ष नगीना प्रसाद, सचिव बी एल तिवारी, महिला प्रभारी नीलम सिंह, पुष्पा तिवारी डाक्टर सुषमा तिवारी सहित सभी खंडों के बाध्यक्ष, सचिव सहित समस्त पदाधिकारी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन में जुड़कर सशक्त हो रहीं महिला

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाएं जमीनी स्तर पर लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रही हैं। इन्हीं योजनाओं का लाभ उठाकर बागपत जनपद के छपरौली ब्लॉक के लुहारा गांव की रहने वाली गीता देवी ने आर्थिक तंगी से बाहर निकलकर आत्मनिर्भरता की नई मिसाल कायम की है।

एक समय सीमित आय और आर्थिक तंगी जैसी कठिन परिस्थितियों से जूझ रही गीता देवी आज न केवल अपने परिवार को सशक्त बना चुकी हैं, बल्कि गांव की अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन गई हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़कर उन्होंने अपने जीवन की दिशा बदली और आज पूरे गांव में एक आत्मनिर्भर व आर्थिक रूप से सशक्त महिला के रूप में पहचानी जाती हैं। वर्ष 2018 में कृष्णा स्वयं सहायता समूह से जुड़ने के बाद गीता देवी के जीवन में निर्णायक बदलाव आया। समूह की अध्यक्ष बनने के साथ ही उन्हें नेतृत्व का अवसर मिला और आर्थिक सशक्तिकरण की राह खुली। वर्तमान में वह 11 समूहों की महिलाओं का नेतृत्व कर रही हैं। योगी सरकार से उनके समूह को रिवॉल्विंग फंड और सामुदायिक निवेश निधि के रूप में सहायता प्राप्त हुई।

इस सहयोग के माध्यम से उन्होंने 25,000 का ऋण लेकर ह्यविद्युत सखी के रूप में प्रशिक्षण हासिल किया और घर-घर बिजली बिल संग्रह का कार्य शुरू किया। इतना ही नहीं, बीसी सखी के रूप में चयनित होकर उन्होंने अपनी आय के अतिरिक्त स्रोत भी विकसित किए। उनकी मेहनत और प्रतिबद्धता ने उन्हें गांव में एक आर्थिक रूप से सशक्त महिला के रूप में स्थापित कर दिया है। यह योगी सरकार की कुशल नीतियों का ही परिणाम है कि आज गीता देवी विद्युत सखी के रूप में कार्य करते हुए प्रति माह 40,000 से 45,000 रुपए तक की आय अर्जित कर रही हैं, जो पहले लगभग ?15,000 थी। उन्होंने लगभग 2 करोड़ रुपए के बिजली बिल का संग्रह कर 2 लाख रुपए का कमीशन प्राप्त किया है और जिले की शीर्ष विद्युत सखियों में अपना स्थान बनाया है। वहीं, वर्ष 2023 में लखपति दीदी योजना के अंतर्गत दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में उनकी भागीदारी उनकी उपलब्धियों का महत्वपूर्ण प्रमाण है। छपरौली ब्लॉक के लुहारा गांव में गीता देवी के उदाहरण से प्रभावित होकर अब 3500 महिलाएं एक साथ संगठित होकर कार्य कर रही हैं।

गीता देवी स्वयं भी अन्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित कर रही हैं। उनकी यह यात्रा दशार्ती है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में संचालित योजनाएं न केवल रोजगार के अवसर प्रदान कर रही हैं, बल्कि महिलाओं को सम्मान, आत्मविश्वास और सशक्त भविष्य की दिशा भी दे रही हैं।

जनता दर-दर भटकने पर मजबूर है : अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार के कहर की वजह से उत्तर प्रदेश में पीड़ित लोगों की एक नई श्रेणी बन गई है, जिसका नाम है प्रीपेड पीड़ित। प्रीपेड पीड़ित का मतलब ये है कि जो लोग बिजली के प्रीपेड मीटर लगाकर बैठे हैं वो स्मार्ट मीटर की खामियों की वजह से बिजली कट जाने पर अंधेरे और गर्मी का संकट झेलने को मजबूर हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि जब बिजली खाते में बिजली के इस्तेमाल करने से पहले ही पैसा जमा हो जाता है तो फिर सरकार और कंपनी जनता को क्यों परेशान कर रही है। बिजली कंपनियों को तो पैसा पहले ही मिल जाता है, फिर उन्हें आम जनता की चिंता करने की क्या पड़ी है। बेचारी जनता दर-दर भटकने पर मजबूर है लेकिन सरकार और कंपनियाँ के सामने कोई सुनवाई नहीं है क्योंकि वो पहले से ही मिलीभगत करके पैसे कमा के बैठी हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि सच तो ये है कि भाजपा राज में अब जनता उपभोक्ता नहीं रह गई है, उपभुगता हो गई है क्योंकि वो हेराफेरी से बनी भाजपा सरकार के दुष्परिणामों को ह्यभुगतनेह्न पर मजबूर है। इसी कारण पीडीए की संख्या भी लगातार बढ़ रही है क्योंकि हम हमेशा कहते हैं और आज भी कह रहे हैंः जो पीड़ित, वो पीडीए। अखिलेश यादव ने कहा कि अब पीडीए में जुड़े ये नये प्रीपेड पीड़ित कह रहे हैं कि चिंता न करें, बुरे दिन जानेवाले हैं। पीड़ित सरकार आएगी, सबको बिजली दिलवाएगी।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ताओं ने किया पथ संचलन

डॉ. राजेश्वर सिंह की उपस्थिति में सरोजनीनगर में संघ का भव्य पथ संचलन

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। आज सरोजनीनगर, लखनऊ स्थित सैनिक स्कूल मैदान में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्वावधान में एक भव्य पथ संचलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें 5000 से अधिक स्वयंसेवकों की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही।

इस अवसर पर सैंकड़ों पार्टी पदाधिकारियों एवं मातृशक्तियों द्वारा स्वयंसेवकों का भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर सरोजनीनगर के विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि विश्व के सबसे बड़े स्वयंसेवी संगठन के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा भारतीय संस्कृति के संरक्षण, संवर्धन तथा समाज जीवन में संगठन, सेवा एवं राष्ट्रनिष्ठा के संस्कारों को निरंतर सुदृढ़ करने का जो कार्य किया जा रहा है, यह पथ संचलन उसका सशक्त और प्रेरणादायक प्रतिबिंब है। उन्होंने कहा कि अनुशासन, समरसता और राष्ट्र प्रथम की भावना से ओत-प्रोत स्वयंसेवकों का यह सुव्यवस्थित संचलन हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। पथ संचलन के दौरान स्वयंसेवकों की एकजुटता, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुई।

कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र की मातृशक्ति ने भी बढ़-चढ़कर सहभागिता की तथा भारत माता की जय के उद्घोष के साथ स्वयंसेवकों पर पुष्पवर्षा कर उनका उत्साहवर्धन किया। यह दृश्य सामाजिक समरसता और राष्ट्रप्रेम का प्रेरणादायक उदाहरण रहा। इस अवसर पर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि विविधताओं से भरे हमारे राष्ट्र को एकसूत्र में पिरोकर अखंड बनाए रखने में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का योगदान अतुलनीय है।

संघ के स्वयंसेवक हर परिस्थिति में देश और समाज के लिए समर्पित रहते हैं तथा त्याग और सेवा की भावना से प्रेरित होकर राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रवासियों को संबोधित करते हुए विधायक ने बताया कि लंबे समय से चली आ रही जलभराव की समस्या के समाधान हेतु एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा किला मोहम्मदी ड्रेन रिमॉडलिंग परियोजना के लिए 176 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत किया गया है। इस परियोजना से आशियाना सहित आसपास के क्षेत्रों की लगभग ढाई लाख की आबादी को जलभराव की समस्या से राहत मिलेगी। इसके अतिरिक्त, वृंदावन योजना में 10 हजार करोड़ रुपये की लागत से एआई सिटी सेंटर परियोजना का कार्य भी प्रारंभ हो चुका है, जिससे सरोजनीनगर क्षेत्र आने वाले समय में डिजिटल क्रांति का प्रमुख केंद्र बनेगा। क्षेत्र के युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराने हेतु सरकार निरंतर प्रयासरत है, जिसका उदाहरण अशोक लीलैंड की फैक्ट्री है। शिक्षा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय कार्य किए जा रहे हैं। डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए विद्यालयों में डिजिटल लाइब्रेरी एवं स्मार्ट क्लास स्थापित किए जा रहे हैं। साथ ही, बालिकाओं की उच्च शिक्षा को प्रोत्साहित करने हेतु क्षेत्र में महिला डिग्री कॉलेज की स्थापना की गई है।

भाजपा स्थापना दिवस पर होंगे बूथ स्तर पर कार्यक्रम की तैयारियां पूरी

लखनऊ। भाजपा स्थापना दिवस पर 6 से 12 अप्रैल तक बूथ स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। इसको लेकर महानगर अध्यक्ष आनन्द द्विवेदी ने कैसरबाग स्थित महानगर कार्यालय पर 47 वे भारतीय जनता पार्टी स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम की तैयारी बैठक की। फिर वसंत कुंज स्थित राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल पर गौरव सम्मान कार्यक्रम का आयोजन को लेकर भाजपा वरिष्ठ नेता डॉ नीरज सिंह, अध्यक्ष आनंद द्विवेदी कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। अध्यक्ष आनन्द द्विवेदी ने बताया कि 47वे भारतीय जनता पार्टी स्थापना दिवस पर 6 अप्रैल से 12 अप्रैल तक हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। 6 अप्रैल को सुबह 9 बजे लखनऊ महानगर कार्यालय पर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी द्वारा पार्टी का ध्वजा फहराया जाएगा, वही 10 बजे प्रदेश कार्यालय पर प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह, भाजपा वरिष्ठ नेता नीरज सिंह वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्तागण की उपस्थिति में पार्टी का ध्वजा फहराया जाएगा, सायं 5 बजे भाजपा लखनऊ महानगर एवं जिला लखनऊ द्वारा बसंत कुंज स्थित राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल पर गौरव सम्मान समारोह आयोजन किया जाएगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह, वरिष्ठ नेता नीरज सिंह, अध्यक्ष आनंद द्विवेदी द्वारा जनसंघ के समय से पार्टी के तीन सौ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओ को सम्मानित किया जाएगा।

डॉ. रिचा गंगवार की पुस्तक का विमोचन

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. रिचा गंगवार की लिखित पुस्तक गर्भ संस्कार का विमोचन समारोह रविवार को एक निजी होटल में आयोजित किया गया।

यह पुस्तक गर्भावस्था के दौरान महिलाओं के अनुभवों, भावनाओं एवं आवश्यक देखभाल को सरल एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण से प्रस्तुत करती है। ह्लगर्भ संस्कारह्व न केवल मातृत्व की यात्रा को संजोने का माध्यम बनेगी, बल्कि गर्भवती महिलाओं के लिए एक मार्गदर्शक के रूप में भी अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। डॉ. रिचा गंगवार लखनऊ की एक सुप्रसिद्ध एवं अनुभवी महिला रोग विशेषज्ञ हैं। वे पूर्व में सहारा एवं मैक्स जैसे प्रतिष्ठित अस्पतालों में मुख्य विशेषज्ञ के रूप में सेवाएं दे चुकी हैं तथा वर्तमान में क्लाउड नाइन हॉस्पिटल, गोमती नगर में निदेशक के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने अब तक हजारों दंपत्तियों का सफल उपचार कर उन्हें सुखद मातृत्व एवं पितृत्व का अनुभव कराया है। इस पुस्तक के लेखन में डॉ. कृष्ण प्रताप मल्ल (प्रोफेसर, ऐरा मेडिकल कॉलेज), जो कि उनके पति हैं, का भी महत्वपूर्ण सहयोग रहा है। उन्होंने ही इस भव्य विमोचन कार्यक्रम का सफल आयोजन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महापौर सुषमा खर्कवाल उपस्थित रहीं। वहीं विशिष्ट अतिथियों के रूप में डॉ. सी.एम. सिंह (निदेशक, राम मनोहर लोहिया अस्पताल) एवं लखनऊ के विधायक अवनीश सिंह की भी उपस्थिति रही। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम में डॉ. सुचिता चतुवेर्दी, डॉ. ऋचा राजपूत, डॉ. कुमुद श्रीवास्तव, डीएम कटियार, सत्येंद्र पीएस, प्रो. मनीष हिन्दवी, आलोक वर्मा, दीपक मल्ल, रामानंद कटियार, अंजलि वर्मा, डॉ. शैलेष त्रिपाठी, धनंजय शुक्ला, अमरदीप त्रिपाठी सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम के अंत में अतिथियों ने पुस्तक की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए अत्यंत उपयोगी बताया और डॉ. रिचा गंगवार को इस महत्वपूर्ण रचना के लिए शुभकामनाएं दीं।

महत्वपूर्ण नंबर
वूमेन पावर लाइन 1090
पुलिस 100
2629999
पुलिस स्टेशन गंज 2622556

फायर स्टेशन
हजरतगंज- कंट्रोल रूम
9454418642
गोमती नगर-9454418657

एम्बुलेंस
मेडिकल सेवा- 102, 108

मेट्रो

मिक्सर ट्रक ने डॉक्टर को घर के पास रौंदा

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। मड़ियांव क्षेत्र में मिक्सर ट्रक ने एक डॉक्टर को रौंद दिया। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गयी है। पुलिस ने आरोपी ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया। दुर्घटना मड़ियांव थाना क्षेत्र में शनिवार शाम 6:15 बजे शालीमार गार्डन के गेट पर हुई। मृतक की पहचान शालीमार गार्डन निवासी डा. जय प्रकाश गुप्ता (58) के रूप में हुई। उनकी पोस्टिंग कानपुर में थी। हर वीकेंड पर जय प्रकाश अपने परिवार के पास आते थे। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराया है। बताते हैं कि सीमेंट मिक्स करने वाला ट्रक सड़क किनारे स्थित हाते से बाहर रॉन्ग साइड में मुड़ा। उसी दौरान डॉक्टर को रौंद दिया।

पुलिस के अनुसार शालीमार सिटी के विला में डा. जय प्रकाश वर्मा पत्नी डा. अर्चना रानी और दो बेटों देवांश और देवेंद्र के साथ रहते थे। उनकी कानपुर के कमलापत मेमोरियल हॉस्पिटल में तैनाती थी। शनिवार को वह कानपुर से मड़ियांव स्थित घर आ रहे थे। चारबाग तक वह रोडवेज बस से आए। चारबाग से ऑटो से सोसायटी के गेट पर पहुंचे। गेट से उनके घर की दूरी करीब 200 मीटर है। उनका बड़ा बेटा देवांश उन्हें रिसीव करने गेट पर आने वाला था। इस दौरान गेट के पास रॉन्ग साइड जा रहे मिक्सर ट्रक ने उन्हें रौंद दिया। मिक्सर ट्रक का पिछला पहिया उनके ऊपर से गुजर गया। इससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। गेट पर खड़े सुरक्षाकर्मी ने इसकी उनके परिजनों और पुलिस को सूचना दी। डा. जयप्रकाश वर्मा हर शनिवार शाम को लखनऊ स्थित घर आ जाते थे। सोमवार सुबह वापस कानपुर ड्यूटी पर जाते थे।

बेटे ने ट्रक ड्राइवर के खिलाफ शिकायत दी : पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू की। घटना स्थल पर लगे सीसी कैमरे में घटना कैद थी। पुलिस ने सीसीटी कैमरे की फुटेज के आधार पर मिक्सर ट्रक का नंबर पता किया। कुछ देर बाद मिक्सर ट्रक के ड्राइवर जीतू को गिरफ्तार कर लिया।

डा. जयप्रकाश वर्मा के बेटे देवांश ने मामले की मड़ियांव थाने में शिकायत दी। उन्होंने आरोप लगाया कि मिक्सर ट्रक के ड्राइवर जीतू की लापरवाही से उनके पिता की मौत हुई है। पुलिस ने उनकी शिकायत के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की है। डा. जयप्रकाश वर्मा की पत्नी अर्चना रानी एनाटॉमी विभाग में प्रोफेसर हैं। बड़ा बेटा देवांश पढ़ाई कर रहा है। पिता की मौत की सूचना पर वह बेंगलुरु से लखनऊ आया है।

दूसरी मंजिल से गिरकर मजदूर की गयी जान : गोमतीनगर में निमार्णाधीन इमारत से गिरकर मजदूर की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि बोरी उठाकर दूसरी मंजिल पर जाते वक्त यह हादसा हुआ। पुलिस ने उसके मोबाइल से घरवालों को सूचना दी।०

पुलिस के मुताबिक बहराइच स्थित नींव पुरवा निवासी रामदुलारे (30) के भाई देशराज ने बताया कि उनके भाई गोमती नगर स्थित छोटा भरवारा में रहकर मजदूरी करते थे। कुछ समय से गोमती नगर स्थित हनीमैन चौराहा के पास एक निमार्णाधीन मकान में मजदूरी कर रहे थे। शनिवार दोपहर दूसरे मंजिल पर मौरंग की बोरी ले जाते समय अचानक पैर फिसल गया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें राम मनोहर लोहिया अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। रामदुलारे अविवाहित थे।

तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से अधेड़ की मौत

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने के चलते एक दर्दनाक हादसे में 55 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया।

ग्राम हिंदुखेड़ा निवासी रामू (55) बीते 1 अप्रैल 2026 की रात करीब 8 बजे काम से घर लौट रहे थे। इसी दौरान अमौसी बाजार के पास वाहन चालक ने तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल रामू को तत्काल लोकबंधु अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक की पत्नी रज्जो की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी चालक के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। वहीं, क्षेत्र में बढ़ते सड़क हादसों को लेकर स्थानीय लोगों में आक्रोश भी देखने को मिल रहा है।

सड़क हादसे में पत्नी की मौत, पति घायल

रहीमाबाद थाना क्षेत्र में शनिवार को हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार दंपति गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा ग्राम भतोइया के पास ओवरब्रिज के निकट उस समय हुआ, जब दंपति हरदोई जनपद के माधवगंज स्थित अपने घर जा रहे थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अचानक बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर काफी दूर तक घिसटती चली गई, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में पति रोहित और उनकी पत्नी नीतू (40) निवासी माधवगंज, बुरी तरह घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने उनकी हालत नाजुक देखते हुए उन्हें ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। इलाज के दौरान शनिवार देर रात नीतू ने दम तोड़ दिया, जबकि उनके पति रोहित का इलाज जारी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

हिस्ट्रीशीटर की फायरिंग से मचा हड़कंप

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। गुडंबा थाने के हिस्ट्रीशीटर ने रंजिश के चलते विकासनगर क्षेत्र में रविवार तड़के साथियों के साथ दूसरे पक्ष पर हमला बोल दिया। आरोपियों ने करीब पांच राउंड फायरिंग कर दहशत फैलायी। उसके बाद कार में सवार होकर फरार हो गए। घटना से कॉलोनी में हड़कंप मच गया। डॉयल-112 पर सूचना मिलते ही विकासनगर पुलिस मौके पर पहुंची। छानबीन के दौरान पुलिस को मौके से दो खोखे व एक कारतूस मिला है। पुलिस ने कारतूस-खोखा अपने कब्जे में लेकर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। हिस्ट्रीशीटर व उसके साथियों की तलाश में चार टीमें लगायी गयी हैं।

विकासनगर निवासी हनी तिवारी और रोहित के बीच करीब छह माह से रंजिश चल रही है। रविवार तड़के करीब तीन बजे दोनों पक्ष आमने सामने आ गए। हनी का आरोप है कि रोहित और उसके साथी कार से उतरे और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर असलहा निकाला और ताबड़तोड़ पांच से ज्यादा राउंड फायरिंग करते हुए फरार हो गया। घटना से मोहल्ले में अफरा-तफरी मच गई। घटना की जानकारी पुलिस कंट्रोल रूम को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया।

एसओ विकासनगर आलोक कुमार सिंह ने बताया कि मौके से दो खोखे और एक कारतूस बरामद किया गया है। आरोपी कार सवारों की तलाश में पुलिस की चार टीमें दबिश दे रही हैं। हनी की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गयी है। घटनास्थल के कुछ वीडियो मिले हैं। साथ ही आसपास के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। छानबीन में पता चला कि रोहित गुडंबा थाने का हिस्ट्रीशीटर है। उसका ब्योरा खंगाला जा रहा है। घटना के वक्त उनके साथ कौन-कौन था, उसके बारे में पता लगाया जा रहा है।

हाल ही में जेल से जमानत पर छूटा है हनी : एसओ ने बताया कि दोनों पक्षों में पुरानी रंजिश है। करीब तीन माह पहले हनी और उसके साथी रजत का अलीगंज में रोहित से विवाद हुआ था। उसमें हनी पक्ष पर फायरिंग का आरोप था। दोनों पक्षों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई थी। जिसमें हनी और रजत को पुलिस ने जेल भेजा था। कुछ दिन पहले ही हनी जेल से जमानत पर बाहर आया था। हिस्ट्रीशीटर पर निगरानी का करने का दावा करने वाले लखनऊ पुलिस सिर्फ कागज तक सीमित है।

लापता युवक का गोमती में मिला शव

वरिष्ठ संवाददाता (vol

लखनऊ। महानगर थाना क्षेत्र में बीरबल साहनी मार्ग स्थित गोमती नदी में रविवार सुबह युवक का शव मिला है। परिजनों ने बताया की वह ऑनलाइन गेमिंग का लती था। खदरा के कदम रसूल निवासी कंचू का 22 वर्षीय बेटा हर्ष सोनकर पिता के साथ मोहिबुल्लापुर स्थित मंडी में आढ़त का काम करता था। शुक्रवार रात काम खत्म कर वह घर गया और बाइक लेकर कहीं चला गया। काफी देर तक हर्ष के न लौटने पर परिजनों ने फोन किया, लेकिन जवाब नहीं मिला। रविवार की सुबह युवक का शव बीरबल साहनी मार्ग स्थित गोमती नदी में मिला। शव की शिनाख्त हर्ष के रूप में हुई। परिजनों ने पुलिस को बताया कि हर्ष ऑनलाइन गेमिंग का लती था। हाल ही में वह गेम में कुछ रुपये भी हारा था। इंस्पेक्टर अंजनी कुमार सिंह ने बताया कि परिवार ने कोई आरोप नहीं लगाया है, हर्ष किस गेम में कितने रुपये हारा अभी यह स्पष्ट नहीं है। पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

पेड़ में लटकता मिला चौकीदार का शव : गोमतीनगर विस्तार में एक चौकीदार का शव पेड़ में फंदे से लटका मिला। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घरवालों का कहना है कि वह काफी तनाव में रहते थे। पुलिस का मुताबिक, हरदोई स्थित चंपापुर माधवगंज निवासी नन्हे गोमती नगर विस्तार स्थित खरगापुर में गोदाम में साथी पुरुषोत्तम के साथ रहकर चौकीदारी करते थे। पुरुषोत्तम ने बताया कि नन्हे मानसिक अवसाद में रहते थे। शनिवार रात खाना-पीना खाने के बाद सब सो गए। नन्हे चौकीदारी पर चले गए। सुबह जब वह नहीं लौटे तो खोजबीन की तो परिसर में पेड़ में गमछे के सहारे शव लटकता देख पुलिस को सूचना दी गई।

लिव इन में रह रही विवाहिता की संदिग्ध हालत में मौत

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लिवइन में रह रही युवती की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। युवती के भाई ने उसके लिवइन पार्टनर पर हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से ही पता चलेगा कि यह हत्या थी या आत्महत्या। वारदात मदेयगंज थाना क्षेत्र में रविवार की है। मृतका की पहचान अलिशा बानो (20) के रूप में हुई है। अलिशा के भाई के अनुसार, उसका लिवइन पार्टनर अयान कपड़े की दुकान में काम करता है। वह 5 महीने से किराये के कमरे में अलिशा को लेकर रह रहा था। वह चाकू और बेल्ट से मारता-पीटता था। अलिशा की डेढ़ साल पहले कानपुर में शादी की थी। वहां से अयान लखनऊ लाकर रह रहा था।

पारा थाना क्षेत्र के तेजीखेड़ा के रहने वाले नासिर खान का बेटा अयान खान मदेयगंज थाना क्षेत्र में रहता है। उस पर आरोप है कि वह दुबग्गा थाना क्षेत्र के अंधे की चौकी के मोबीन की बेटी अलिशा के साथ बिना निकाह के लिवइन में रहा रहा था। अलिशा का निकाह कानपुर में वसीम नाम के युवक के साथ हो चुका था। उसे अयान ससुराल से लाकर यहां किराये के कमरे में रहने लगा। रविवार सुबह 7:15 बजे अपनी मां के साथ मदेयगंज थाने पहुंचकर सूचना दी कि अलिशा ने आत्महत्या कर ली है।

पुलिस ने बहन की मौत की जानकारी दी: मृतका के भाई वसीम ने बताया- सुबह मदेयगंज थाने से दरोगा का फोन आया कि तुम्हारी बहन की मौत हो गई है। आकर डेडबॉडी देख लो। हम लोग जब पहुंचे तो देखा कि बहन के शरीर पर चोट के निशान थे। वहीं, अयान (बहन का प्रेमी) चौकी पहुंच चुका था। वसीम ने बताया कि यहां दोनों बिना निकाह के साथ रह रहे थे। अयान की मां ने कहा था कि अगर तुम्हारी बहन की शादी हुई तो उसे मार डालेंगे। आज उन लोगों ने बहन को मार डाला।

अलिशा की मां मुमताज ने पुलिस को लिखित शिकायत दी है। इसमें लिखा कि मेरी बेटी अलिशा, अयान के साथ खदरा के मशालची टोला में किराये के कमरे में रह रही थी। आज सुबह 8 बजे के करीब जानकारी हुई कि उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। थानाध्यक्ष मेरी बेटी के शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमॉर्टम कराने की कृपा करें, जिससे मौत का सही कारण पता चल सके।

संदिग्ध अवस्था में युवक की मौत, हत्या का आरोप

मड़ियांव में गल्ला की फेरी लगाने वाले सनी गिरि की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। उसका शव बिस्तर पर पड़ा मिला। इस मामले में घरवालों ने अवैध सम्बंधों में पड़ोसी ने उसकी हत्या कर दी है। हालांकि पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस के मुताबिक, मूलतः सीतापुर के बूड़ा पकरिया निवासी सनी गिरी(27) करीब डेढ़ साल से मडियांव स्थित रायपुर में किराए के मकान में रहकर बाजारों में अनाज की फेरी लगाते थे। चाचा भारद्वाज गिरि के मुताबिक, शनिवार सुबह उनका भतीजा सनी छठे मिल पर रह रहे भाई पंकज व भारद्धाज गिरि से चावल लेकर उन्नाव मंडी बचने के लिए गया था। इसके बाद वह करीब चार बजे लौट आया। सभी लोग अपने घर चले गए। रात करीब साढ़े आठ बजे पड़ोसी दिनेश मौर्या ने चाचा पंकज को फोन करके बताया कि उनके भतीजे का शव कमरे में बिस्तर पर पड़ा हुआ है।

युवक को सड़क पर दौड़ाकर पीटा

लखनऊ। पॉलिटेक्निक पुलिस चौकी के पार रविवार तड़के तीन-चार युवकों ने एक युवक को सड़क पर दौड़ाकर पीटा। बीच सड़क पर गुडंई देखकर लोगों की भीड़ लग गई। आरोप है कि मारपीट के दौरान दबंगों ने युवक के गले की चेन भी छीन ली। आरोपियों ने हिमांशु को सड़क पर दौड़ाकर पीटा। बवाल बढ़ता देख लोगों की भीड़ लग गई। आरोपियों ने कार का शीशा भी पत्थर मारकर फोड़ दिया। सोशल मीडिया पर मारपीट का वीडियो वायरल है। इंदिरानगर बी-ब्लॉक निवासी हिमांशु चौधरी ने बताया कि रविवार भोर करीब साढ़े तीन कार से पॉलिटेक्निक पुलिस चौकी के पास चाय पीने गया था। आरोप है कि इस दौरान बाइक से दो-तीन युवक वहां पहुंचे और गाली-गलौज करने लगे। हिमांशु ने विरोध किया तो दबंग मारपीट करने लगे। आरोपियों ने हिमांशु को सड़क पर दौड़ाकर पीटा। बवाल बढ़ता देख लोगों की भीड़ लग गई। इस सबंध में गाजीपुर इंस्पेक्टर राजेश मौर्य ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

खोये मोबाइल पाकर मालिकों के चेहरे खिले

लखनऊ। राजधानी की पुलिस ने 96 खोए हुए मोबाइल फोन बरामद कर उन्हें उनके वास्तविक मालिकों को वापस सौंप दिया। बरामद किए गए मोबाइल फोन की कुल कीमत लगभग 20 लाख रुपये आंकी गई है। मोबाइल फोन की बरामदगी के लिए पुलिस ने आधुनिक तकनीक का सहारा लिया। विशेष रूप से सीईआईआर पोर्टल का उपयोग कर मोबाइल के आईएमईआई नंबर के आधार पर उनकी लोकेशन ट्रेस की गई। अलग-अलग स्थानों पर मिले इन मोबाइल फोन को पुलिस टीम ने लगातार प्रयासों के जरिए रिकवर किया और कानूनी प्रक्रिया पूरी थाने पर मंगवाया गया। इसके बाद संबंधित मोबाइल स्वामियों को थाने बुलाकर उनके फोन सुपुर्द किए गए। अपना खोया हुआ मोबाइल वापस पाकर लोगों के चेहरे पर खुशी साफ झलक रही थी। कई लोगों ने कहा कि उन्हें उम्मीद नहीं थी कि उनका मोबाइल दोबारा मिल पाएगा। इस पहल के लिए उन्होंने हजरतगंज पुलिस और लखनऊ पुलिस की सराहना की। इस अभियान का संचालन पुलिस उपायुक्त (मध्य) के पर्यवेक्षण में किया गया, जबकि अपर पुलिस उपायुक्त (मध्य) और सहायक पुलिस आयुक्त हजरतगंज के निर्देशन में थाना हजरतगंज की टीम ने सक्रिय भूमिका निभाई। प्रभारी निरीक्षक विक्रम सिंह के नेतृत्व में साइबर हेल्पडेस्क टीम ने इस चुनौतीपूर्ण कार्य को सफलतापूर्वक पूरा किया। टीम के सभी सदस्यों ने समन्वय और सतर्कता के साथ काम करते हुए इस अभि सफलतापूर्वक अंजाम दिया।

महिला को डेढ़ लाख के नकली नोट थमाये

लखनऊ। कैसरबाग इलाके में टप्पेबाजों ने एक महिला को निशाना बनाया। डेढ़ लाख रुपये की नकली नोटों की गड्डी देकर उचक्के जेवर लेकर फुर्र हो गए। बैग में कागज की गड्डी देख पीड़िता को ठगी का एहसास हुआ। पीड़िता ने कैसरबाग कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज करायी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। उदयगंज के पुराना बर्फ खाना निवासी पिंकी शनिवार को निजी काम से बर्लिंगटन चौराहे गई थी। इस दौरान दो टप्पेबाजों ने उन्हें रोक लिया। बैग में नकली नोटों की गड्डी दिखाते हुए कहा कि ये डेढ़ लाख रुपये हैं। बैग पिंकी को पकड़ा दिया। उन्हें बातों में फंसाकर टप्पेबाज ने मंगलसूत्र और सोने के टॉप्स उतरवा लिए और साथ चलने को कहा। पिंकी ने जब बैग खोला तो उसमें 500 का एक नोट असली बाकी नीचे कागज लगे थे।

डाक्टर व महिलाओं से लूट करने वाला गिरफ्तार

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। शाहखर्ची व कर्ज उतारने के लिए डॉक्टर व दो महिलाओं से लूट करने वाले फॉस्ट फूड विक्रेता को पीजीआई पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के पास से टूटी हुई एक चेन, लॉकेट, दो मोबाइल व घटना में प्रयुक्त बाइक बरामद की है। तीसरी वारदात में आरोपी के साथ शामिल रहे लुटेरे की तलाश में पुलिस दबिशें दे रही है। पकड़े गए आरोपी पर लूट व गैंगेस्टर एक्ट के करीब 16 मामले दर्ज हैं।

डीसीपी साउथ अमित कुमार आनंद ने बताया कि 2 अप्रैल की देर शाम सपना एंक्वेव वृंदावन निवासी निजी अस्पताल की डॉ. सोनी सिंह से बाइक सवार बदमाश ने चेन लूट की थी। इसके साथ ही 30 मार्च को रायबरेली के हरचंदपुर निवासी रेखा उतरेठिया पर बस का इंतजार कर रही थी। तभी बाइक सवार बदमाश ने मंगलसूत्र लूट लिया था। दोनों वारदातों में 4 अप्रैल को रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस ने घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाली तो बाइक सवार लुटेरे की करतूत कैद मिली, जिसके बाद बदमाश को पकड़ने के लिए टीम गठित की गयी।

इंस्पेक्टर पीजीआई धीरेंद्र सिंह ने बताया कि शनिवार को सूचना मिली कि पीताम्बरा शक्तिपीठ के सामने बाइक सवार संदिग्ध मौजूद है। सूचना पर पुलिस ने दबिश दी। पुलिस को देखकर आरोपी मौके से भागने लगा। घेराबंदी कर पुलिस ने उसे दबोच लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम विशाल खत्री निवासी सेक्टर 06 तेलीबाग पीजीआई बताया। आरोपी मूल रूप से जेसीटी मिल के पास अमर चौक फगवाड़ा पंजाब का रहने वाला है।

इंस्पेक्टर ने बताया कि आरोपी विशाल ने साथी विपिन यादव निवासी रंजित खेड़ा मौरावां उन्नाव के साथ 28 मार्च को पंचमखेड़ा में शिक्षिका सरिता की चेन खींची थी। लूटी गयी चेन विपिन के पास है। आरोपी पर विभूतिखंड, विकासनगर, गुडंबा, गाजीपुर, इंदिरानगर, जानकीपुरम, चिनहट, आशियाना, अलीगंज व पीजीआई में लूट के 16 मामले दर्ज हैं। वर्ष 2023 में विकासनगर पुलिस ने आरोपी विशाल पर गैंगेस्टर एक्ट की कार्रवाई की थी।

पूछताछ में आरोपी ने कबूला कि वह जी-20 रोड पर फॉस्ट फूड का ठेला लगाता है। शाहखर्ची में काफी उधार होने के चलते वह साथी संग मिलकर या अकेले मौका पाकर लूट की घटनाएं करता है। पुलिस फरार विपित की तलाश में दबिशें दे रही है। पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया।

लोन दिलाने का झांसा देकर 4.12 लाख ठगे

लखनऊ। साइबर ठगों ने लोन दिलाने का झांसा देकर एक व्यक्ति से करीब 4.12 लाख रुपये ऐंठ लिए। आरोपी ने फाइल चार्ज, जीएसटी व बीमा समेत तमाम मदों के नाम पर रुपये ट्रांसफर कराए। आरोपी ने एजेंट व बैंक मैनेजर बनकर जाली चेक की फोटो व्हाट्सएप पर भेजकर और डिमांड की तो पीड़ित को शक हुआ।

शारदानगर स्थित रूचि खण्ड-1 निवासी सर्वेश कुमार वर्मा ने बताया कि वे लोन के लिए प्रयासरत थे। परिचित विशाल रस्तोगी के माध्यम से लोन प्राप्त करने के लिए अपनी फाइल दी थी। 20 मार्च को उनके मोबाइल पर अंकित मिश्रा नामक व्यक्ति का फोन आया। आरोपी ने लोन दिलाने का झांसा देकर प्रोसेसिंग के नाम पर 5,700 रुपये मांगे। पीडित का आरोप है कि आरोपी अंकित मिश्रा ने उससे रुपये झांसा देकर ठग लिये।

राइडर की एडवेंचर बाइक फिनिक्स मॉल के पास से चोरी

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। हिमांचल प्रदेश से नेपाल ट्रिप पर जा रहे राइडर की करीब तीन लाख की केटीएम एडवेंचर बाइक कृष्णानगर फिनिक्स मॉल के पास बंधन बैंक के सामने से चोरी हो गई। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली तो एक आरोपी बाइक ले जाते कैद हुआ है। केरल के राइडर ने कृष्णानगर कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज करायी है।

इंस्पेक्टर कृष्णानगर पीके सिंह ने बताया कि मूल रूप से केरल के त्रिवेंद्रम स्थित कान्फिडेंट फिनिक्स निवासी राइडर मार्टिन एग्नेशियस अकसर एक से दूसरे प्रदेश की बाइक रोड ट्रिप करते रहते हैं। वह हिमांचल प्रदेश से नेपाल की ट्रिप पर निकले थे। 29 मार्च की रात वह कृष्णानगर फिनिक्स मॉल के पास पहुंचे। यहां बंधन बैंक के सामने तीन लाख की केटीएम एडवेंचर बाइक पार्क की। 30 की सुबह नेपाल के लिए निकलना था।

सुबह नेपाल रवाना होने के लिए वह बंधन बैंक के पास पहुंचे तो बाइक नदारद थी। घटना की जानकारी पुलिस चौकी पर दी। पुलिस ने भी बाइक की खोजबीन की कोई जानकारी नहीं मिली। इसके बाद मार्टिन ने कृष्णानगर कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज करायी।

कार व स्कूटी भी चोरी : कृष्णानगर कोतवाली क्षेत्र स्थित गीतापल्ली निवासी बबिता राकेश पत्नी राकेश मोहन लाल ने बताया कि घर के बाहर से अल्टो कार संख्या (यूपी 32 एएल 9522) गायब होगयी। वहीं, सरोजनीनगर निवासी शशि भूषण सिंह ने बताया कि उनकी बेटी शुभ्रा सिंह 23 मार्च को स्कूटी (यूपी 32 एफडी 1602) से आशियाना स्थित एमराल्ड मॉल गई थीं जहां से स्कूटी चोरी हो गयी।

कारीगर लाखों के जेवर लेकर फरार

लखनऊ। गुडंबा थाना क्षेत्र स्थित जगदंबा ज्वैलरी शोरूम से कारीगर लाखों के जेवर व रत्न लेकर फरार हो गया। सराफ ने एसीपी गाजीपुर से शिकायत की। जांच के बाद गुडंबा पुलिस ने धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज कर ली है। आरोप है दबाव बनाने पर आरोपी ने इकरानामा लिखकर दिया कि एक माह से माल वापस कर देगा। तय तारीख से पहले आरोपी पत्नी संग फरार हो गया। इंस्पेक्टर गुडंबा प्रभातेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। कल्याणपुर स्थित बसेरा विहार कॉलोनी निवासी सराफ व्यवसायी अनु वर्मा का जगदंबा आभूषण केंद्र के नाम से शोरूम है। उनके शोरूम में प्रयागराज निवासी विकास सोनी कारीगर था। पीड़िता ने बताया कि दिसंबर 2025 में कारीगर दुकान से लाखों के जेवर व रत्न लेकर गायब हो गया। स्टॉक में माल कम होने पर पीड़िता ने छानबीन की तो कारीगर पर शक हुआ। पीड़िता ने गुडंबा थाने में शिकायत की लेकिन कार्रवाई नहीं हुई।

बैंक अधिकारी बनकर ठगों ने उड़ाये 1.94 लाख रुपये

लखनऊ। बिजनौर थाना क्षेत्र में ऑनलाइन ठगी का गंभीर मामला सामने आया है, जहां जालसाजों ने खुद को बैंक अधिकारी बताकर एक व्यक्ति के खाते और क्रेडिट कार्ड से कुल 1,94,246 रुपये पार कर दिए। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। करीम स्टेट कॉलोनी निवासी सुरेन्द्र कुमार अहिरवार को 3 फरवरी 2026 को एक अज्ञात व्यक्ति ने फोन कर स्वयं को बैंक ऑफ इंडिया का अधिकारी बताया। ठग ने केवाईसी अपडेट करने के नाम पर पीड़ित से खाते और क्रेडिट कार्ड की गोपनीय जानकारी हासिल कर ली। साथ ही एक लिंक भेजकर उस पर क्लिक भी करा लिया। इसके बाद ठगों ने अलग-अलग तिथियों में पीड़ित के खातों से 82,250 रुपये निकाल लिए। कुछ समय बाद एक अन्य नंबर से कॉल कर क्रेडिट कार्ड की जानकारी भी ले ली गई। इसके बाद 29 मार्च 2026 को खाते से 27,500 रुपये और क्रेडिट कार्ड के जरिए 89,496 रुपये की कई ट्रांजेक्शन कर ली गईं। मोबाइल पर लगातार मैसेज आने के बाद पीड़ित को ठगी का एहसास हुआ। उसने तुरंत बैंक जाकर अपने खाते और क्रेडिट कार्ड को ब्लॉक कराया। साथ ही एनसीआरपी पोर्टल और हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराई, जहां कुल ठगी की रकम 1,94,246 रुपये दर्ज की गई। पीड़ित ने थाना बिजनौर में तहरीर देकर मामले में एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। पुलिस का कहना है कि साइबर सेल की मदद से मामले की जांच कर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

सेवानिवृत्त शिक्षक सम्मानित विद्यार्थियों को किया पुरस्कृत

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। पीएम श्री विद्यालय, पहाड़नगर में जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ, गोसाईंगंज, लखनऊ में सेवानिवृत्त शिक्षक सम्मान समारोह 2026 और स्कूल चलो अभियान पुरस्कार वितरण पुस्तक वितरण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दिनेश कुमार सिंह व विशिष्ट अतिथियों में शेर बहादुर सिंह सेवानिवृत्त कर्नल राजेश त्रिवेदी एवं श्रीमती ममता त्रिवेदी, राम प्रवेश तथा विपिन कुमार रामराज मौजूद रहे।

इस अवसर पर सेवानिवृत्त शिक्षकों में संजय श्रीवास्तव, धीरेन्द्र श्रीवास्तव, श्रीमती नंदिनी पाण्डेय एवं श्रीमती शीला गौतम को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रत्येक कक्षा में अधिकतम उपस्थिति एवं प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं एवं उनके अभिभावकों को सम्मानित किया गया।

विशेष रूप से कक्षा 8 के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को साइकिल मेडल, डिक्शनरी और 6000 रुपया की धनराशि प्रदान की गई। साथ ही मुख्य अतिथि ने इन विद्यार्थियों को दो वर्षों तक प्रतिमाह 500/- प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा भी की गई। बीएसए ने भी बच्चों की प्रस्तुति को बहुत सराहा।

कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षकों में मोहिंदर पांडेय, प्रभात कुमार, रामदीन, सर्वजीत, एजाज अहमद, मनोज तिवारी, देवनारायण, बृजेश मौर्य, गोविंद नारायण सिंह, महेंद्र सिंह यादव, आदेश सिंह, सुमन राय, रुद्र नंदिनी सिंह, शाज़िया, प्रीतिबाला, लक्ष्मी सिंह, शिखा मिश्रा सहित अनेक शिक्षकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एवं आयोजन जिला मंत्री विनोद कुमार एवं समस्त कार्यकारिणी, जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ, गोसाईंगंज द्वारा किया गया।

सरोजनीनगर बनेगा विकास का मॉडल : डा. राजेश्वर

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

बंथरा/ लखनऊ। सरोजनीनगर के विधायक राजेश्वर सिंह ने क्षेत्र के सभी ग्राम प्रधानों से अपने-अपने गांवों को पर्यावरण अनुकूल एवं सतत विकास का मॉडल बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण और विकास के बीच संतुलन स्थापित करना अत्यंत आवश्यक है। विधायक ने निर्देश दिया कि क्षेत्र के सभी तालाबों की सफाई कराई जाए, अतिक्रमण हटाया जाए तथा उनकी जलधारण क्षमता बढ़ाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि भूजल स्तर में सुधार हो सके। उन्होंने बताया कि पिछले 20 वर्षों में लखनऊ का भूजल स्तर 20 मीटर से अधिक नीचे चला गया है, जो अत्यंत चिंताजनक स्थिति है। उन्होंने व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण अभियान चलाने तथा आमजन को सरकारी योजनाओं के माध्यम से सोलर पैनल लगाने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा अपनाने से पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ ऊर्जा आत्मनिर्भरता भी बढ़ेगी।

विधायक ने नगर पंचायत बंथरा के अध्यक्ष रणजीत रावत को निर्देश दिया कि बंथरा को उत्तर प्रदेश का पहला नेट जीरो नगर पंचायत बनाया जाए। इस दिशा में उन्होंने उरफएवं विधायक निधि से पूर्ण सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। विधायक ने चेतावनी देते हुए कहा कि भारत में हर वर्ष लगभग 21 लाख लोगों की मृत्यु प्रदूषण के कारण होती है। उन्होंने यह भी बताया कि गर्मियों में तापमान 50त्ड से अधिक तक पहुंच रहा है तथा जल संसाधन तेजी से घट रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाली पीढ़ियों को इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे। अपने संबोधन के अंत में विधायक राजेश्वर सिंह ने सभी जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों से पर्यावरण संरक्षण हेतु सामूहिक संकल्प लेने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान रामावती रावत, नगर पंचायत बंथरा चेयरमैन, रंजीत रावत, वीरेंद्र रावत, शिव कुमार तिवारी, राजेश सिंह चौहान, शिव शंकर सिंह शंकारी, रज्जन लाल रावत, राज किशोर पासी, राजेंद्र सिंह राजू, सरवन रावत, भगवती प्रसाद, राम गोपाल रावत, पीनू रावत, सुनील पटेल, राम खेलावन रावत, विशम्भर रावत, आशीष गौतम, प्रदीप रावत, राहुल रावत, हिमांशु रावत, बच्चू लाल पासी, सुभाष पासी, आकाश रावत, राजू रावत, संदीप रावत, अमित रावत, महेंद्र रावत, दीपु गौतम समेत अन्य लोग मौजूद थे।

निकला ईस्टर का जुलूस, प्रभु यीशु को किया याद

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। प्रभु यीशु मसीह के पुनः जी उठने की खुशी में रविवार को ईसाई धर्मावलंबियों ने श्रद्धा और उल्लास के साथ ईस्टर जुलूस निकाला। सेंट्रल मेथोडिस्ट चर्च से शाम को निकले जुलूस में मैथोडिस्ट, कैथोलिक, एसेम्बली ऑफ बिलीवर्स चर्च के बिशप, पादरी और बड़ी संख्या में ईसाई महिला, पुरुष, वृद्ध व बच्चे शामिल हुए। हाथों में प्रभु यीशु के संदेश के बैनर व जुबा पर प्रभु यीशु के पुनः जीवित होने के गीत गाते हुए निकले। सेंट जोसफ कैथिड्रल पर जुलूस के पहुंचने के बाद यहां प्रार्थना सभा हुई।

प्रभु यीशु के दोबारा अवतारित होने की खुशी में लालबाग स्थित सेंट्रल मेथोडिस्ट चर्च से यूनाइटेड क्रिस्चियन ईस्टर प्रोसेसन कमेटी के बैनर तले जुलूस निकाला गया। जुलूस में धार्मिक प्रतीक सलीब (क्रॉस) के पीछे विभिन्न चर्चो के विशप, पादरी पाराम्परिक वेषभूषा में चल रहे थे। इसके पीछे दो पंक्तियों में अन्य लोग अपने-अपने चर्चो के बैनर के साथ यीशु के फिर से जीवित होने के गीत गाओ-गाओ जय के गीत गायो..., जी उठा है मसीहा खुशी मनाओ..., गाते, ताली बजाते हुए श्रद्धा के साथ निकले। ईस्टर जुलूस कैसरबाग चौराहे होते हुए बीएन रोड, नूर मंज़िल के सामने से नॉवेल्टी टाकीज होते हुए हजारतगंज स्थित सेंट जोसफ कैथिड्रल चर्च पर समाप्त हुआ। यहां पर विभिन्न बिशपों द्वारा ईस्टर का संदेश और मुबारकबाद दी गई। कैथिड्रल में फादर एलियास द्वारा आराधना की गई। प्रारम्भिक प्रार्थना एजी चर्च से रेवनन लॉरेंस जोसेफ ने की। असेंबली ऑफ बिलीवर्स चर्च के बिशप ऑगस्टस एंथोनी ने ईस्टर संदेश दिया। पादरी डॉ. अरुण सिंह ने धर्मग्रंथ का पाठ किया। समापन प्रार्थना कैथोलिक चर्च के बिशप डॉ जेराल्ड जॉन मथायस द्वारा की गई। इस मौके पर ईस्टर जुलूस

समिति के अध्यक्ष व पैरिश पादरी सेंट जोसेफ कैथेड्रल फादर रॉबर्ट क्वाद्रस, फादर नरेश लोबो, फादर डोनाल्ड डिसूजा, बिशप शैलेंद्र दस, पादरी राजेश दयाल, पादरी मॉरिस कुमार समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। अंत में सभी ने एक दूसरे को ईस्टर की मुबारकबाद दी।

सेंट पीटर्स चर्च में हुई आराधना, निकला जुलूस: चारबाग, रेलवे स्टेशन के पीछे स्थित सेंट पीटर्स चर्च में सुबह पांच बजे पहली आराधना हुई। वहीं जुलूस निकाला गया। इसके बाद मुख्य आराधना हुई। जिसमें रेवरन हेनरी जॉनसन ने प्रभु यीशु मसीस के प्रेम और शांति का संदेश दिया। चर्च की क्वायर ने संगीत के बीच मधुर गीत प्रस्तुत किए। इसके साथ ही सेंट जोसफ कैथिड्रल में भी सुबह प्रभु के पुनरूथान पर आराधना हुई। शहर के अन्य चर्चों में भी प्रार्थना सभा हुई। घरों पर भी लोगों ने ईस्टर उत्सव मनाया।

एक-दूसरे को दी बधाई: जुलूस में लखनऊ की सभी कलीसियाओं एवं मसीही लोगों ने भाग लिया और एक-दूसरों को ईस्टर की मुबारकबाद दी। कमेटी की अध्यक्षता आरएफ बन्नी तथा फादर एलिएस द्वारा की गयी। ईस्टर जुलूस सेंट जोसेफ कैथेड्रल में आराधना के बाद समाप्त हुआ। जिसके बाद सेंट जोसेफ कैथेड्रल में एक छोटी आराधना फादर एलियास द्वारा आयोजित की गई। प्रारंभिक प्रार्थना रेव। डॉ। हर्बर्ट एबेल द्वारा की गई थी। रेव। आशीष मैक्सटन द्वारा धर्मग्रंथ का पाठ किया गया। ईस्टर संदेश बिशप ऑगस्टस एंथोनी द्वारा दिया गया। समापन प्रार्थना बिशप डॉ। जे मथायस द्वारा की गई और ई माकाइट द्वारा वोट ऑफ थैंक्स दिया गया।

यीशु दया का बहता सागर...: इस यात्रा में युनाइटेड क्रिश्चियन फोरम के पुरोहित, सेंट्रल मैथोडिस्ट चर्च के फादर, हजरतगंज स्थित क्राइस्ट चर्च कॉलेज के प्रिंसिपल, बेतहसदा फेलोशिप चर्च के बिशप सहित विभिन्न चर्च के फादर शामिल हुए। संयोजक मंडल ने बताया कि नूर मंजिल और हलवासिया चौराहे पर यात्रा थोड़ी देर रुकी और प्रभु ईसा को याद किया। यात्रा में सबसे आगे सेवियो जोजफ ने उद्धार का क्रॉस लेकर अगुआई की। दो पक्तियों में चल रहे अनुयायियों ने यीशु दया का बहता सागर गीत भी सुनाया। कैथेड्रल में बाइबल का पाठ कर लोगों को ईसा मसीह के संदेश दिए गए। बिशप ऑगस्टस अन्थोनी ने भी आशीष वचन दिए। इस मौके पर लाल नीली रोशनी की झालर से नहाया कैथेड्रल चर्च सेल्फी लेने वालों का मुख्य सेंटर बन गया। लोगों ने मां मरियम की प्रतिमा के पास कैंडल भी रोशन की।

'दया का घर' में ईस्टर (पुनरुत्थान दिवस) पर भव्य आयोजन

लखनऊ। बुद्धेश्वर, पिंक सिटी स्थित 'दया का घर' (बेतसैदा फैलोशिप ट्रस्ट) में आज प्रभु यीशु मसीह के जी उठने का पर्व 'ईस्टर' (पुनरुत्थान दिवस) बेहद हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर आयोजित विशेष प्रार्थना सभा और विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सैकड़ों की संख्या में मसीही समाज के लोग और अन्य श्रद्धालु शामिल हुए। चर्च के फाउंडर आर्च बिशप डॉ. आर. सी. शेत ने इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए ईस्टर का विशेष संदेश दिया। उन्होंने कहा कि प्रभु यीशु मसीह ने संपूर्ण मानवता के कल्याण और मानव जीवन की रक्षा के लिए क्रूस पर अपना बलिदान दिया। जो ईश्वर इस समस्त सृष्टि का रचयिता है, उसने मानव जाति को पापों की दासता से मुक्ति दिलाने और दुनिया में शांति स्थापित करने के लिए स्वयं मनुष्य रूप में अवतार लिया। उन्होंने अपना पूरा जीवन दूसरों की सेवा में समर्पित कर दिया और मृत्यु पर विजय प्राप्त कर तीसरे दिन मुर्दों में से जी उठे। इस विशेष आयोजन में बच्चों द्वारा प्रभु यीशु मसीह के पुनरुत्थान और उनके जीवन संदेश पर आधारित विभिन्न नाटक, मधुर गीत और सामूहिक नृत्य प्रस्तुत किए गए, जिसे उपस्थित लोगों ने खूब सराहा।

अतीक उल्लाह को मिला प्रो. शारिब रूदौलवी अवॉर्ड

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। प्रोफेसर शारिब रूदौलवी मेमोरियल कमेटी के तत्वावधान में ऑल इंडिया कैफी आजमी अकादमी, निशातगंज में आज प्रोफेसर शारिब रूदौलवी अवॉर्ड 2025 समारोह और प्रोफेसर शारिब रूदौलवी मेमोरियल लेक्चर का आयोजन किया गया। यह तीसरा अवॉर्ड सैयद कमर हसन रिजवी, जस्टिस इलाहाबाद हाई कोर्ट लखनऊ बेंच के हाथों प्रोफेसर अली अहमद फातमी को प्रदान किया गया। इससे पहले डॉ. मूसी रजा ने प्रोफेसर अली अहमद फातमी के संबंध में प्रशस्ति पत्र पढ़ा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. अम्मार रिजवी पूर्व कार्यवाहक मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफेसर कमर जहाँ पूर्व अध्यक्ष, उर्दू विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय समारोह में शामिल रहीं। संचालन का दायित्व प्रोफेसर अब्बास रजा नैयर (अध्यक्ष, उर्दू विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय) ने निभाया और अपने रोचक अंदाज, विशिष्ट शब्दावली, दिलचस्प वाक्यों और उपयुक्त टिप्पणियों से साहित्य प्रेमियों को आनंदित किया। अतिथियों के स्वागत के बाद प्रोफेसर रेशमां परवीन (अध्यक्ष, उर्दू विभाग, खुन-खुन जी गर्ल्स पीजी कॉलेज, लखनऊ) ने स्वागत भाषण देते हुए बताया कि शारिब रुदौलवी अवॉर्ड उनकी जीवनकाल में ही शुरू करने की इच्छा थी, लेकिन उन्होंने इसकी अनुमति नहीं दी थी। उन्होंने बताया कि पहला अवॉर्ड प्रोफेसर अतीक उल्लाह को, दूसरा प्रोफेसर सैयद मुजावर हुसैन रिजवी को दिया गया, और इस वर्ष तीसरा अवॉर्ड प्रख्यात प्रगतिशील आलोचक एवं शोधकर्ता प्रोफेसर अली अहमद फातमी (पूर्व अध्यक्ष, उर्दू विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय) को प्रदान किया गया। डॉ. मूसा रजा ने प्रोफेसर फातमी के सम्मान में प्रशस्ति पत्र पढ़ा साथ ही शोआ फातिमा एजुकेशनल एंड चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष शहीद हसनैन पत्र प्रस्तुत किया। इसके बाद इलाहाबाद हाईकोर्ट, लखनऊ बेंच के जस्टिस सैयद कमर हसन रिजवी के हाथों प्रोफेसर अली अहमद फातमी को सम्मानित किया गया। अपने वक्तव्य में प्रोफेसर फातमी ने कहा कि इस अवॉर्ड को प्राप्त कर उन्हें जितनी खुशी मिली है, उतनी किसी अन्य सम्मान से नहीं मिली। उन्होंने कहा कि उनका और शारिब रुदौलवी का साथ लगभग पचास वर्षों पर फैला रहा है। उन्होंने कहा कि शारिब रुदौलवी ने हाली, आजाद और शिबली की तार्किक एवं आलोचनात्मक परंपरा को आगे बढ़ाया। उन्होंने यह भी कहा कि आधुनिकता और उत्तर-आधुनिकता के जटिल प्रभावों ने उर्दू आलोचना को उस मार्ग से भटका दिया, जिसे हाली से लेकर एहतिशाम हुसैन तक ने निर्मित किया था। नई पीढ़ी की आलोचना में इन धाराओं की ही प्रतिध्वनि सुनाई देती है। जस्टिस सैयद कमर हसन रिजवी ने अपने संबोधन में शारिब रुदौलवी को एक प्रभावशाली व्यक्तित्व बताते हुए कहा कि उनकी आलोचना में वही संतुलन है।

रामायण नृत्य-नाटिका देख दर्शक हुए मंत्रमुग्ध

लखनऊ। आर्ट्स एण्ड कल्चरल सोसाइटी रंगमंडल ग्रुप, कल्याणपुर, लखनऊ द्वारा भगवान श्रीराम की पावन गाथा पर आधारित संक्षिप्त रामायण नृत्य-नाटिका का भव्य एवं गरिमामयी आयोजन मोहन सिंह बिष्ट प्रेक्षागृह कुर्मांचल नगर लखनऊ में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत दीप प्रज्वलन एवं अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। इस अवसर पर उपस्थित मुख्य एवं विशिष्ट अतिथि कर्नल श्री आशुतोष श्रीवास्तव और वैज्ञानिक डॉ चंद्रमोहन नौटियाल, उमेश सवाल, पार्षद का अध्यक्ष भरत सिंह बिष्ट द्वारा हार्दिक अभिनंदन और स्वागत किया गया। कविवर पूरन सिंह जीना द्वारा स्वरचित संवाद पर कलाकारों ने सूंदर अभिनय किया। लगभग एक घंटा बीस मिनट की इस प्रस्तुति में रामायण के प्रमुख प्रसंगों—राम जन्म, सीता स्वयंवर, परशुराम-लक्ष्मण संवाद, केवट प्रसंग, शबरी भेंट, सीता हरण, हनुमान-सीता मिलन, अंगद-रावण संवाद, राम-रावण युद्ध तथा अयोध्या आगमन—का अत्यंत भावपूर्ण एवं जीवंत मंचन किया गया, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। परशुराम-लक्ष्मण संवाद एवं अंगद-रावण संवाद की विशेष प्रस्तुति कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षण रहे। निर्देशन एवं तकनीकी सहयोग- संवाद-डायलॉगः श्री पूरन सिंह जीना, निर्देशन कामना बिष्ट, सहायक निर्देशनः श्रीमती शोभा पटवाल, संगीतः लक्ष्मण सिंह मर्तोलिया, एडीटरः श्री महेन्द्र सिंह नेगी, रूप सज्जाः रोहित, प्रकाश तकनीशियनः धर्मेन्द्र, वीडियोग्राफीः आर्यन फिल्म्स, मंच संचालनः भरत सिंह बिष्ट। पात्र कलाकार- राम एन्द्री बिष्ट, लक्ष्मण कामना बिष्ट, सीता कृतिका रावत, हनुमान सचिन, अंगद महेन्द्र सिंह नेगी, परशुराम वेदांत बिष्ट, जनक सुरेश पाण्डेय, राजा दशरथ पूरन जोशी, राजा विजय, लाल सिंह बिष्ट एवं शेर सिंह भाकुनी, कौशल्या एवं शबरी शोभा पटवाल, ज्योति जोशी, शोभा पटवाल, गीता बिष्ट।

विशाल नगर कीर्तन में गतका दल ने दिखाये हैरतअंगेज करतब

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी यहियागंज द्वारा श्री गुरु तेग बहादुर जी के प्रकाश पर्व के अवसर पर 5 अप्रैल को विशाल नगर कीर्तन का आयोजन किया गया।

ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी द्वारा आज श्री गुरु तेग बहादुर जी के प्रकाश पर्व के अवसर पर विशाल नगर कीर्तन का आयोजन किया गया। नगर कीर्तन प्रातः 7:00 बजे गुरुद्वारा नाका से निकलकर दुगावा पांडेगंज रकाबगंज नादान महल रोड होते हुए 10:30 बजे गुरुद्वारा यहियागंज पहुंचा। बाबा दीप सिंह जी फाउंडेशन के द्वारा रकाबगंज चौराहे पर संपूर्ण नगर कीर्तन पर फूलों की वर्षा की गई। इस अवसर पर लखनऊ के सभी गुरुद्वारा साहब और धार्मिक संस्थाएं शामिल हुई। जगह-जगह संगतो द्वारा चाय नाश्ते के लंगर की सेवा की गई। गुरुद्वारा सचिव मनमोहन सिंह हैप्पी ने बताया कि 7 अप्रैल को प्रातः 5:00 बजे से लेकर देर रात्रि तक श्री गुरु तेग बहादुर साहब जी का प्रकाश पर्व बहुत ही श्रद्धा एवं सत्कार के साथ मनाया जाएगा। श्री गुरु तेग बहादुर साहब जी 1670 में इस स्थान पर आए थे एवं तीन दिन रुके थे। इस आयोजन में मुख्य रूप से श्री दरबार साहिब श्री अमृतसर के मुख्य ग्रंथि सिंह साहब ज्ञानी अमरजीत सिंह जी एवं भाई जगतार सिंह जी व भाई गुरदेव सिंह कोहाड़का जी विशेष रूप से पधार रहे हैं मनमोहन सिंह ने बताया कि बाबा दीप सिंह जी फाउंडेशन के द्वारा श्री गुरु ग्रंथ साहब जी की पालकी के ऊपर गुलाब के फूलों से फूलों की वर्षा की गई। गुलशन जोहर ने बताया कि नगर कीर्तन में विशेष रूप से गुरु गोबिंद सिंह जी स्टडी सर्किल, सुखमनी सेवा सोसायटी, यंग मैन एसोसिएशन, सिख सेवक जत्था, बाबा दीप सिंह जी फाउंडेशन, यूथ खालसा एसोसिएशन, दशमेश सेवा सोसायटी, अमृत सेवक जत्था, माता गुजरी सत्संग सभा, पंजाबी यूथ एसोसिएशन, अमीनाबाद गुरु पर्व कमेटी ने भाग लिया। कपिल सिंह अरोड़ा ने बताया नगर कीर्तन के रास्ते में जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा मिष्ठान प्रसाद चाय एवं शीतल पेय के स्टाल लगाए गए। 11 अप्रैल को श्री गुरु तेग बहादुर साहब जी का प्रकाश पर्व बड़ी श्रद्धा के साथ मनाया जाएगा।

शास्त्रीय नृत्य व नाटक से सजा स्वर्ण जयंती नाट्य समारोह

- शिक्षा प्रणाली पर करारा प्रहार करता है नाटक 'रिफंड'

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

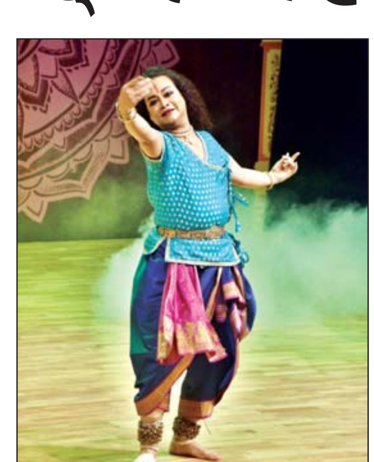

लखनऊ। स्वर्ण जयंती नाट्य समारोह में पहले दिन रविवार को विशाल कृष्ण एवं दल की ओर से शास्त्रीय नृत्य की प्रस्तुति हुई। इसके साथ ही अवनीश मिश्रा के निर्देशन में नाटक रिफंड का मंचन किया गया।

फ्रिट्ज कारिन्थी द्वारा लिखित 'रिफंड' एक प्रसिद्ध हास्य-व्यंग्य नाटक है, जो शिक्षा प्रणाली पर करारा प्रहार करता है। इसमें वासरकोफ नामक पूर्व छात्र 18 साल बाद स्कूल लौटकर अपनी ट्यूशन फीस वापस मांगता है, क्योंकि उसे लगता है कि उसकी शिक्षा बेकार थी। यह नाटक शिक्षा की गुणवत्ता और व्यावहारिक जीवन के बीच के अंतर को दशार्ता है। वासरकोफ प्रधानाचार्य से कहता है कि उसे जो शिक्षा मिली, वह बेकार थी और अब वह कोई नौकरी नहीं कर पा रहा है, इसलिए उसे फीस रिफंड की जाए।

शिक्षक उसे फेल नहीं करना चाहते क्योंकि इससे अन्य छात्र भी ऐसी मांग कर सकते हैं, इसलिए वे उसकी गलत परीक्षा में भी उसे पास करने की योजना बनाते हैं। नाटक ने दर्शकों को जमकर गुदगुदाया। इस दौरान दर्शकों ने नाटक की जमकर प्रशंसा की। नाटक एक छात्र पर आधारित है। जिसमें एक छात्र स्कूल में खराब प्रदर्शन करता है। जब वह युवा के रूप में वापस आता है। और स्कूल की फीस को रिफंड करने की मांग करता है। क्योंकि पढ़ाई से उसके जीवन में कोई काम नहीं आई। उसके सारे प्रमाणपत्र भी उसे नौकरी नहीं दिला पाए। इसके अतिरिक्त शुरू होता है प्रश्न-उत्तर का खेल। जिनको सुनकर दर्शक अपनी हंसी नही रोक पाए।

15 विभूतियों को मिला सम्मानः अकादमी अध्यक्ष डा. रतिशंकर त्रिपाठी ने बताया कि स्वर्ण जयंती समारोह में रंगमंच और कला क्षेत्र से जुड़ी 15 विभूतियों को भी सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाले मुम्बई से मुनीश सप्पल, सहारपुर से मंजू ब्रजनन्दन, प्रयागराज से डा. देवेन्द्र कुमार त्रिपाठी, वाराणसी से डा. अजीत सैगल, प्रयागराज से चित्रा मोहन, भदोही के राकेश पाण्डेय, स्वर्गीय राज बिसारिया की पत्नी किरण बिसारिया, लखनऊ से राकेश निगम, दिल्ली से पद्मश्री रामगोपाल बजाज, शाहजहांपुर से आलोक पाण्डेय, रांची से डा. अजय मलकानी, लखनऊ से पद्मश्री डा. अनिल रस्तोगी, गोरखपुर से रविशंकर खेर, जौनपुर से कुशल दुबे एवं आगरा के प्रमोण राणा का नाम शामिल है।

बीएनए : फिल्म धुरंधर के अभिनेता राकेश बेदी करेंगे अभिनय

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। स्वर्ण जयंती समारोह में प्रतिदिन दो कार्यक्रम होंगे। जिनमें नाट्य मंचन के साथ नृत्य और गायन प्रस्तुति भी होंगी। फिल्म धुरंधर पहली और दूसरी में जमील जमाली का किरदार निभाने वाले अभिनेता राकेश बेदी भी समारोह में अभिनय करते दिखेंगे। राकेश बेदी नौ अप्रैल को मंचित होने वाले नाटक मसाज में केन्द्रीय भूमिका निभा रहे हैं। इस नाटक का निर्देशन हरबंश सिंह बिष्ट ने किया है। इसके साथ ही स्वर्ण जयंती नाट्य समारोह में पहले दिन पांच अप्रैल को विशाल कृष्ण एवं दल की ओर से शास्त्रीय नृत्य की प्रस्तुति होगी। इसके साथ ही अवनीश मिश्रा के निर्देशन में नाटक रिफंड का मंचन होगा। छह अप्रैल को भारती शर्मा के निर्देशन में नाटक पूर्णावतार एवं सूर्य मोहल कुलश्रेष्ठ के निर्देशन में नाटक डैडी का मंचन होगा। सात अप्रैल को अतुल सत्य कौशिक के निर्देशन में बालिगंज 1990 एवं आतमजीत सिंह के निर्देशन में ये कैसा इंसाफ का मंचन, आठ अप्रैल को बिपिन कुमार के निर्देशन में निर्माण से निर्वाण तक, चन्द्रभूषण सिंह के निर्देशन में मेरी यात्रा अटल यात्रा, नौ अप्रैल को अभिषेक पंडित के निर्देशन में बूढ़ी काकी, 10 अप्रैल को पद्मश्री मालिनी अवस्थी का एकल गायन एवं रश्मिरथी नाटक का मंचन होगा। 11 अप्रैल को आदि शक्ति राम शक्ति और 12 अप्रैल को दूतवाक्यम एवं अब न बनेगी देहरी नाटक का मंचन होगा।

विदेशी छात्रों के प्रशिक्षण की हो रही तैयारी

बीएनए में अभिनय, वॉइस एवं स्पीच, माइम, इम्प्रोवाइजेशन, स्टेज क्राफ्ट, लाइट डिजाइन, निर्देशन और प्रोडक्शन जैसे विभिन्न पहलुओं में उच्च स्तरीय प्रशिक्षण दिया जाता है। यहां भारतीय और पाश्चात्य रंगमंच का समग्र अध्ययन कराया जाता है। अकादमी में आधुनिक स्टूडियो थिएटर, दो सुसज्जित ऑडिटोरियम, पुस्तकालय, ऑडियो-विजुअल संसाधन, कंप्यूटर और इंटरनेट जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। साथ ही विद्यार्थियों को फिल्म और टीवी प्रोडक्शन का प्रारंभिक प्रशिक्षण और इंटर्नशिप के अवसर भी दिए जाते हैं। बीएनए को नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा के बाद देश का दूसरा प्रमुख नाट्य प्रशिक्षण संस्थान माना जाता है। यहां के विद्यार्थी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। उन्होंने बताया कि संस्थान में सीटे बढ़ाने, विदेशी छात्रों के प्रशिक्षण के लिए तैयारी की जा रही है। निदेशक बिपिन कुमार ने बताया कि समारोह में प्रतिदिन दो शिफ्ट में मंचन मंचन होगा। जिसमें रंगमंच के विविध आयाम देखने को मिलेंगे। समारोह के क्रम में 10 अप्रैल को राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल उपस्थित रहेंगी।

भातखंडे : आज बिरज में होली रे रसिया...

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ के समर्पण वृद्धजन परिसर में एक भव्य होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें गणमान्य लोगों की गरिमामयी उपस्थिति रही। जिसमें समर्पण वृद्धजन परिसर के संस्थापक एवं ट्रस्टी मेजर वी.के.खरे, प्रबंधक मि.यू. सी बाजपेई, सह- प्रबंधक पी. के. श्रीवास्तव जी उपस्थित रहे तथा कार्यक्रम का पूर्ण संचालन डॉ.सीमा वर्मा के नेतृत्व में किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की वंदना से हुआ, जिसका उद्देश्य वृद्धजनों का मनोरंजन और सम्मान था।

डॉ. रुचि खरे जी के निर्देशन में, भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय के गायन विभाग, एम.पी.ए द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने होली के रंग में रंगी सांगीतिक प्रस्तुतियाँ दीं। हर्षित सक्सेना ने सरस्वती वंदना से शुरूआत की, जिसके बाद कल्याणी श्रीवास्तव, जहान्वी वर्मा, सुकृति श्रीवास्तव और याशी पाण्डेय ने आज बिरज में होली रे रसिया और राम को देखकर जनक नन्दनी जैसे गीत प्रस्तुत किए। कल्याणी श्रीवास्तव ने होली ठुमरी मोरे कन्हा जो आये और होली आयी रे कन्हाई रंग छलके से सबको भावविभोर किया। मोहित कपूर जी के निर्देशन में, विश्वविद्यालय के छात्रों ने लोक नृत्य की रंगीन प्रस्तुतियाँ दीं। महाराष्ट्र का कोली नृत्य (द्वारा), पंजाब का गिद्दा (पिंकि, शिलपा, उदिशा, दिव्या, अंजली) तथा राधाकृष्ण पर आधारित नृत्य ने वृद्धजनों का दिल जीत लिया। वृद्धजनों ने अपने बच्चों और पोते-पोतियों की याद में भावुक होते हुए, नृत्य की खूब सराहना की।

भक्ति और गंगावतरण की कथा सुन भावविभोर हुए श्रद्धालु

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ हरिश्चंद्र वंशीय समाज महिला समिति 'सुहासिनी' के तत्वावधान में राजाबाजार स्थित 'गीता भवन' में चल रही श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के तीसरे दिन रविवार को कथा वाचक आचार्य श्री उमेश कुमार मिश्रा जी ने प्रहलाद चरित्र और गंगावतरण की दिव्य कथा सुनाई।

कथा व्यास ने भक्त प्रहलाद के चरित्र पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भक्ति में अपार शक्ति होती है। हिरण्यकश्यप के तमाम अत्याचारों के बाद भी बालक प्रहलाद का विश्वास भगवान विष्णु के प्रति कभी कम नहीं हुआ। आचार्य जी ने भावपूर्ण शब्दों में कहा परमात्मा हर जगह व्याप्त हैं, बस उन्हें प्रहलाद जैसे सच्चे और निश्छल प्रेम से पुकारने की जरूरत है। जब हिरण्यकश्यप ने पूछा कि क्या तेरा भगवान इस खंभे में भी है, तो प्रहलाद के अटूट विश्वास ने खंभे से भगवान नरसिंह को प्रकट कर दिया। यह प्रसंग हमें सिखाता है कि विषम परिस्थितियों में भी अपने धर्म और ईश्वर पर अटूट विश्वास बनाए रखना चाहिए। इसके उपरांत आचार्य जी ने गंगावतरण की कथा सुनाते हुए बताया कि किस तरह राजा भगीरथ की कठोर तपस्या के बाद मां गंगा का पृथ्वी पर अवतरण हुआ और उन्होंने राजा सगर के 60 हजार पुत्रों का उद्धार किया। इस पावन अवसर पर लखनऊ हरिश्चंद्र वंशीय महिला समिति 'सुहासिनी' की अध्यक्ष श्रीमती रागिनी रस्तोगी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमती सीमा रस्तोगी, मंत्री श्रीमती शालिनी रस्तोगी, कोषाध्यक्ष श्रीमती ऋचा रस्तोगी, संगठन मंत्री श्रीमती क्षमा रस्तोगी, समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

संक्षेप

खड़ी गेहूं की फसल जलकर राख

अमेठी। जनपद के तहसील तिलोई अंतर्गत सिंहपुर ब्लॉक के ग्राम पेडारियां में उस समय हड़कंप मच गया, जब गाटा संख्या 1357/0.164 में खड़ी गेहूं की फसल में अचानक अज्ञात कारणों से आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरी फसल को अपनी चपेट में ले लिया और गरीब किसान की मेहनत पल भर में राख हो गई। सूत्रों के मुताबिक, पीड़ित किसान इसी फसल के सहारे अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। आग लगने से उसे भारी आर्थिक नुकसान हुआ है, जिससे परिवार के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। आग की सूचना मिलते ही राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। ग्रामीणों ने घटना को लेकर दहशत और आक्रोश है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से पीड़ित किसान को तत्काल मुआवजा देने और घटना की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।

रास्ते के विवाद में युवक को बेरहमी से पीटा, केस दर्ज

फिरोजाबाद। थाना नसीरपुर के गांव चंदा में रास्ते के विवाद को लेकर पड़ोसियों ने एक युवक के ऊपर लाठी डंडे से हमला कर दिया। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पीड़ित पक्ष की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हिमांशु पुत्र शैलेन्द्र निवासी नगला चंदा थाना नसीरपुर का मार्ग को लेकर 3 अप्रैल को पड़ोसियों से विवाद हो गया। जिससे गुस्साए राधाकिशन पुत्र रामचन्द्र बृजमोहन पुत्र राधाकिशन नवनीत पुत्र बृजमोहन एक अज्ञात व्यक्ति ने आकर पीड़ित के साथ गाली गलौज करने लगे। जब पीड़ित हिमांशु ने गाली गलौज का विरोध किया तो आरोपियों ने लाठी डंडे से पीड़ित हिमांशु को जमीन पर गिराकर उसके साथ बेरहमी से मारने पीटने लगे। युवक के साथ मारपीट की घटना को देखकर लोगों की भीड़ जमा हो गई। किसी तरह से लोगों ने युवक को हमलावरों से बचाया। इस संबंध में जगमोहन ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

ओलावृष्टि से फसलें पूरी तरह बर्बाद

आगरा। लोकसभा क्षेत्र फतेहपुर सीकरी के गांवों में हाल ही में हुई ओलावृष्टि और तेज बारिश ने भारी तबाही मचाई है। खेतों में खड़ी गेहूं और सब्जियों की फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई है, जिससे किसानों के सामने आजीविका का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। ओलावृष्टि के दौरान ग्राम मई बुर्ज में दो मकान गिरने से 9 लोग घायल हो गए, जबकि नगला धीरू में टीन गिरने से एक महिला घायल हो गई। वहीं सिकरौदा में भी एक किसान परिवार के मकान की दीवार गिर गई, जिससे नुकसान हुआ है। घटना की जानकारी मिलते ही फतेहपुर सीकरी के सांसद राजकुमार चाहर शनिवार को आगरा स्थित एस.एन. मेडिकल कॉलेज में पहुंचे। उन्होंने घायलों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना, आर्थिक सहयोग किया और चिकित्सकों को बेहतर इलाज के निर्देश दिए। वही सांसद चाहर ने किसानों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए आगरा के मंडलायुक्त नागेंद्र कुमार से भी मुलाकात की। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में किसानों की फसल का लगभग 100 प्रतिशत नुकसान हुआ है, ऐसे में प्रभावित किसानों को शीघ्र मुआवजा दिया जाए। मंडलायुक्त नागेंद्र कुमार ने बताया प्रभावित किसानों के आकलन के लिए टीमें गई हुई।

कार की टक्कर में बुजुर्ग की मौत, नाती घायल

कूरेभार, सुल्तानपुर। कूरेभार-फुलौना सड़क मार्ग पर रविवार दोपहर एक सड़क हादसे में तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार एक बुजुर्ग की मौत हो गई और उनका नाती घायल हो गया। घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कूरेभार ले जाया गया, जहां से उन्हें सुल्तानपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया था। यह हादसा कूरेभार-फुलौना मार्ग पर बनरहा गोदाम के पास हुआ। एक अनियंत्रित स्विफ्ट डिजायर कार ने सामने से आ रही बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार दोनों व्यक्ति सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत एंबुलेंस को सूचना दी। घायलों को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कूरेभार ले जाया गया, जहां डॉ. प्रवेश दीक्षित ने प्राथमिक उपचार किया। उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें मेडिकल कॉलेज सुल्तानपुर रेफर कर दिया गया। घायलों की पहचान मोतिगरपुर थाना क्षेत्र के मीरपुर सरैया गांव निवासी उदयराज (60) पुत्र स्वर्गीय रामकृष्ण पांडेय और उनके नाती अभिषेक पांडेय (24) पुत्र अशोक कुमार पांडेय के रूप में हुई। उदयराज की सुल्तानपुर जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। अभिषेक पांडेय का पैर फ्रैक्चर हो गया है और उनका इलाज चल रहा है। परिजनों ने बताया कि बाबा और नाती कूरेभार बाजार जा रहे थे, तभी बनरहा गांव के पास यह हादसा हुआ। घटना की सूचना मिलने के बाद परिवार में मातम छा गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, घटना स्थल पर सड़क में गड्ढे होने के कारण अक्सर हादसे होते रहते हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से सड़क सुरक्षा के लिए उचित कदम उठाने की मांग की है। कूरेभार के एसओ संदीप त्रिपाठी ने बताया कि उन्हें घटना के संबंध में कोई सूचना नहीं मिली है।

अज्ञात वाहन की टक्कर में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

जयसिंहपुर, सुल्तानपुर। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक शनिवार रात सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे इलाज के लिए लखनऊ मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जयसिंहपुर कोतवाली क्षेत्र के साटा गांव निवासी हिमांशु वर्मा पुत्र सियाराम वर्मा शनिवार की रात सैती गांव में बाइक से मजदूर को छोड़कर घर लौट रहा था। जैसे ही वह सैती गांव मोड़ की ट्यूबवेल के पास पहुंचा तभी अज्ञात वाहन की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने गम्भीर रूप से घायल युवक हिमांशु वर्मा (20) वर्ष को इलाज के लिए सुल्तानपुर जिला मेडिकल कालेज में भर्ती कराया। जहां मौजूद चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी नाजुक हालत को देखते हुए लखनऊ मेडिकल कालेज रेफर कर दिया। रविवार को लखनऊ में इलाज के दौरान हिमांशु (20) की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

रायबरेली में आंधी-पानी ने ली दो लोगों की जान

रायबरेली। रायबरेली में शनिवार को अचानक आंधी पानी में जहां दो लोगों की मौत हो गई, वहीं पेड़ों और मकानों के गिरने से जन- जीवन अस्त -व्यस्त हो गया। हरचंदपुर थाना क्षेत्र के किशनपुर मजरे जोहवा शर्की गांव में एक दुखद घटना हुई। नीम का पेड़ गिरने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान नेपाल कुशवाहा के रूप में हुई है। वह अपने जानवरों को खोल रहा था। इसी दौरान अचानक एक नीम का पेड़ उस पर गिर गया। पेड़ के नीचे दबने से नेपाल गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे। अस्पताल में डॉक्टरों ने नेपाल कुशवाहा को मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, बिजली कापोल गिरने से एक मजदूर की मौत हो गई। इस घटना के बाद गांव में कोहराम मच गया।

तेज आंधी, ओलों व हल्की बारिश से विद्युत व्यवस्था चरमरायी

सलोन, रायबरेली। शनिवार देर शाम आई तेज आंधी, ओलों और हल्की बारिश के चलते क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। कई स्थानों पर पेड़ों की डालें टूटकर बिजली के तारों पर गिरने से आपूर्ति बाधित हो गई। करीब 12 घंटे बाद विद्युत आपूर्ति बहाल हो सकी, जबकि कुछ स्थानों पर लगभग 14 घंटे तक बिजली गुल रही। इसी दौरान रतासों गांव में बुद्धिमान सिंह पुत्र स्व. रामदेव सिंह के घर पर आकाशीय बिजली गिर गई, जिससे मकान को नुकसान पहुंचा और घर में रखे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण क्षतिग्रस्त हो गए।

पीएचसी शाहमऊ में पानी का संकट, मरीज बेहाल

अमेठी। जनपद के तिलोई सीएचसी अंतर्गत पीएचसी शाहमऊ में इन दिनों पानी की गंभीर समस्या सामने आ रही है। भीषण गर्मी के बीच मरीजों और तीमारदारों को पीने तक का पानी नसीब नहीं हो रहा, जिससे भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बताया जा रहा है कई महीनों पहले केंद्र का समरसेबल पंप जल गया था, लेकिन आज तक उसे ठीक नहीं कराया गया। समरसेबल कक्ष के तार और बोर्ड जले हुए पड़े हैं और पूरा कमरा कूड़ेदान में तब्दील हो चुका है। वहीं, शौचालय और बाथरूम केवल शोपीस बनकर रह गए हैं, जहां पानी के अभाव में उपयोग संभव नहीं है। स्थानीय लोगों और वहां जाने वाले मरीजों का आरोप है कि जिम्मेदार अधिकारी इस गंभीर समस्या को नजरअंदाज कर रहे हैं और शासन के निदेशों की खुलेआम अनदेखी हो रही है।

चिकित्सा शिविर का आयोजन

अमेठी। एसपी सरवणन टी. के कुशल निर्देशन एवं एएसपी ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में व उप्र पुलिस फैमिली वेलफेयर एसो. वामा सारथी के नेतृत्व में टाटा एमजी के सहयोग से पुलिसकर्मियों की कार्यकुशलता और उनके परिवारों की खुशहाली के लिए आज रिजर्व पुलिस लाइन्स अमेठी में एक वृहद चिकित्सा शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस चिकित्सा शिविर का उद्देश्य पुलिसकर्मियों व उनके परिवारीजनों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना था। शिविर में विशेषज्ञों की टीम द्वारा मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा आवश्यकतानुसार परामर्श एवं दवाइयां प्रदान की गई। शिविर के दौरान सामान्य रोगों जैसे बुखार, सर्दी-जुकाम, ब्लड प्रेशर, शुगर, थायराइड, आदि की जांच की गई। शिविर में उपस्थित चिकित्सा विशेषज्ञों ने पुलिसकर्मियों को तनावमुक्त रहने और संतुलित जीवनशैली अपनाने पर जोर दिया। चिकित्सकों द्वारा बताया गया कि ड्यूटी की व्यस्तता के बीच नियमित स्वास्थ्य जांच अत्यंत आवश्यक है।

सीएमओ ने किया आरोग्य मेले का निरीक्षण

अमेठी। जनपद में आयोजित मुख्यमंत्री आरोग्य मेले में भारी संख्या में मरीज ने केंद्र पर पहुंचकर अपना स्वास्थ्य जांच कराया एवं दवाइयां ली। जनपद के सीएचसी अलाई पुर और पीएचसी सरे सर का निरीक्षण सीएमओ अंशुमान सिंह ने किया जहां सभी स्टाफ उपस्थित मिले। मुख्य चिकित्सा अधिकारी अंशुमान सिंह ने बताया कि जनपद में आयोजित मुख्यमंत्री आरोग्य मेले में जनपद के स्वास्थ्य कर्मियों ने जिम्मेदारी पूर्वक अपनी ड्यूटी का निर्वहन किया जिससे दूर दराज से आने वाले मरीज को अच्छा स्वास्थ्य लाभ मिल सका। मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का जनपद के भेंटुआ, संग्रामपुर अमेठी, भादर, मुसाफिरखाना, जगदीशपुर, बाजार शुकुल, तिलोई, सिंहपुर, जायस में संपन्न हुआ।

भाजपा एक दल नहीं राष्ट्रवाद पर आधारित विचारधारा वाली पार्टी है : सुशील शुक्ला

लालगंज, रायबरेली। पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के तहत भाजपा कार्यकताओं के लिए रविवार को पहरे मऊ मंडल में आयोजित कार्यशाला में बोलते हुए भारतीय जनता पार्टी के प्रांतीय परिषद सदस्य सुशील शुक्ला ने कहा कि भाजपा एक दल नहीं वरन राष्ट्रवाद रुपी विचारधारा की पार्टी है। कार्यशाला में पार्टी के इतिहास और विकास पर चर्चा करते हुए सुशील शुक्ला ने कहा कि 1951 में जनसंघ की स्थापना से लेकर 1980 में भाजपा के गठन तक की यात्रा संघर्षपूर्ण रही। उन्होंने कहा कि 1984 में दो सीटों से शुरू कर 2014 में पूर्ण बहुमत तक पहुँचने में कार्यकताओं का असीम योगदान रहा। सुशील शुक्ला ने दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद सिद्धांत को भाजपा की वैचारिक नींव बताया। कार्यशाला में अटल युग की गठबंधन राजनीति और मोदी युग के विस्तार पर भी प्रकाश डाला गया। प्रांतीय परिषद सदस्य ने कहा कि इतिहास जानने वाला कार्यकर्ता ही भविष्य गढ़ सकता है। प्रशिक्षण में मंडल के अधिकांश कार्यकर्ता शामिल हुए। वहीं सरकार की उपलब्धियो से संबंधित विषय पर पूर्व विधायक रामलाल अकेला ने कार्यकताओं को संबोधित किया। अध्यक्षता पूर्व मंडल अध्यक्ष राजेंद्र मौर्य के द्वारा किया गया। वहीं कार्यक्रम का संचालन सुरेश मौर्य और व्यवस्था मंडल अध्यक्ष सुशील सिंह ने की। किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष उमेश सिंह भी मौजूद रहे।

अपने-अपने क्षेत्रों में सतत भ्रमणशील रहकर स्थिति पर नजर रखें: डीएम

रायबरेली। डीएम हर्षिता माथुर ने एसपी रवि कुमार के साथ जनपद में वर्तमान में हो रहे खराब मौसम अत्यधिक वर्षा के दृष्टिगत तहसील सदर क्षेत्र के अंतर्गत राजस्व ग्राम गढ़ी मुतवल्ली का स्थलीय निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति का जायजा लेते हुए जनसुरक्षा एवं राहत कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुवे कहा कि वर्तमान स्थिति में जनहानि, पशुहानि एवं फसल क्षति की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। साथ ही, प्रभावित व्यक्तियों को तत्काल राहत उपलब्ध कराई जाए तथा सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर कार्य करें। उक्त के क्रम में समस्त एसडीएम एवं तहसीलदारों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में सतत भ्रमणशील रहकर स्थिति पर नजर बनाए रखें तथा राजस्व एवं अन्य संबंधित टीमों को सक्रिय रखें। सभी लेखपालों को भी अपने क्षेत्र में भ्रमण कर क्षति का आंकलन कर आवश्यक कार्रवाई करना सुनिश्चित करें, इसके अतिरिक्त, सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे जनहानि, पशुहानि व फसल क्षति से संबंधित सूचनाओं का समयबद्ध संकलन कर तत्काल उच्चाधिकारियों को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें, जिससे राहत एवं सहायता कार्यों में किसी प्रकार का विलंब न हो। निरीक्षण के समय एडीएम अमृता सिंह, ज्वॉइंट मजिस्ट्रेट एसडीएम सदर प्रफुल्ल कुमार शर्मा, उप निदेशक कृषि विनोद कुमार, जिला कृषि अधिकारी अखिलेश पाण्डेय सहित संबंधित अधिकारी व राजस्व कर्मी उपस्थित रहे।

महिला सुरक्षा और सशक्तीकरण विषयक भव्य सांस्कृतिक व जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

रायबरेली। डीएम हर्षिता माथुर, एसपी रवि कुमार, एएसपी संजीव कुमार सिन्हा, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट प्रफुल कुमार तथा क्षेत्राधिकारी नगर अरुण कुमार नौहवार की उपस्थिति में फिरोज गांधी कॉलेज के ऑडिटोरियम हॉल में मिशन शक्ति फेज-5 अभियान के द्वितीय चरण के अंतर्गत महिला सुरक्षा वसशक्तीकरण विषयक एक सांस्कृतिक व जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसका मुख्य उद्देश्य महिलाओं व बालिकाओं को सुरक्षा, स्वावलंबन, आत्मनिर्भरता तथा सरकार द्वारा संचालित विभिन्न महिला कल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराना रहा। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न स्कूलों एवं कॉलेजों की छात्र-छात्राओं ने महिला सुरक्षा एवं जागरूकता से सम्बंधित नाटक, समूह गान, नृत्य तथा अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं, जिनके माध्यम से महिलाओं के अधिकार, सम्मान, सुरक्षा एवं आत्मनिर्भरता के संदेश को प्रमुखता से प्रस्तुत किया गया। अधिकारियों द्वारा महिलाओं की सुरक्षा संबंधी विभिन्न पहल, त्वरित पुलिस सहायता, महिला हेल्पलाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112. साइबर सुरक्षा, आत्मरक्षा तथा महिलाओं के लिए संचालित सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई तथा साथ ही महिलाओं एवं छात्राओं को किसी प्रकार की हिंसा, उत्पीड़न या संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के अंत में मिशन शक्ति के माध्यम से महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा व सशक्तिकरण के प्रति शासन प्रशासन की प्रतिबद्धता दोहराई गई और कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले शिक्षकों, प्रतिभागियों एवं प्रशासनिक टीम को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

नवविवाहिता की संदिग्ध मौत में पति समेत पांच पर दहेज हत्या का केस दर्ज

मोतिगरपुर, सुल्तानपुर। थाना क्षेत्र के बेलहरी गांव में नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में चौकी प्रभारी की शिकायत पर पुलिस ने पति समेत पांच लोगों के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। जौनपुर जिले के रामपुर थाना अंतर्गत गोपालापुर निवासी साहबलाल की पुत्री काजल उर्फ स्वाती (25) की शादी मोतिगरपुर थाने के बेलहरी निवासी अभिषेक पुत्र राधेश्याम के साथ करीब पांच माह पहले हुई थी। 2 अप्रैल की शाम काजल का शव घर के अंदर छत में लगे हुक से दुपट्टे के सहारे लटका मिला। परिजन उसे तुरंत जिला अस्पताल सुल्तानपुर ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण गला दबने से (एंटेमॉर्टम स्ट्रैंगुलेशन) बताया गया है। पुलिस को दी गई तहरीर में बेलहरी चौकी प्रभारी शिव बहादुर सिंह ने आरोप लगाया है कि जांच के दौरान पता चला कि शादी के बाद से ही ससुराल वाले कम दहेज और गौने में कार न मिलने को लेकर उसे प्रताड़ित करते थे। पुलिस के अनुसार मृतका की शादी सात वर्ष से कम समय पहले हुई थी और दहेज उत्पीड़न के आरोप सामने आए हैं। इस आधार पर पति अभिषेक, सास माधुरी, ससुर राधेश्याम तथा देवर आशीष व अजीत के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 80(2), 85, 61(2) तथा दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3/4 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

विश्व कल्याण के लिए जिले में प्रवेश किया शक्ति कलश

- श्रद्धालुओं ने किया स्वागत और पूजन

अमेठी। आत्म कल्याण के साथ विश्व कल्याण की भावना को समाहित किए अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार से चले शक्ति कलश के अमेठी जनपद में प्रवेश पर श्रद्धालुओं ने जगह जगह पुष्प वर्षा, पूजन, आरती के साथ भव्य स्वागत किया। इस मौके पर क्षेत्र के बड़ी संख्या में गायत्री परिजनों के साथ तमाम श्रद्धालुओं की भी मौजूदगी रही।

रविवार सुबह गायत्री परिवार के पवित्र शक्ति कलश का अमेठी जनपद में प्रवेश हुआ। अखंड दीप के सौ वर्ष एवं वंदनीया माता जी की जन्म शताब्दी पर समूचे देश में शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में विविध आयोजन किए जा रहे हैं। रविवार को सुल्तानपुर जनपद के विविध हिस्सों में शक्ति कलश के पूजन के उपरान्त समिति जनपद में प्रवेश पर पहला स्वागत परतोष तिराहा स्थित शिव मंदिर पर गायत्री परिजन राज बहादुर शर्मा ने सबके साथ किया। इसके उपरान्त सनहा गांव में गायत्री परिजन राम राज यादव, श्याम करन, राजकुमार दूबे, अवधेश यादव के साथ तमाम श्रद्धालुओं ने किया। पूरे राम मिश्र में हरिशंकर मिश्र, डी पी मिश्र के साथ सरुवावा गेट पर समाजसेवी उदयभान सिंह पिंटू ने दर्जनों लोगों के साथ कलश का पूजन किया। मंडेरिका गांव में श्रद्धालु दिवाकर शुक्ल, अमरनाथ शुक्ल एवं अश्विनी शुक्ल के साथ अनेकों श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना की। सेमरा गांव में पंडित बाबूलाल तिवारी, सेवानिवृत दारोगा श्याम करन सिंह ने तमाम लोगों के साथ पूजन किया। नीलकंठ पुर में नौनिहाल शिव पाण्डेय ने पूजन किया। पूरब दुआरा में पूर्व प्रधान राज बहादुर सिंह, भूपेंद्र सिंह एवं टिकरी चौराहे पर विवेक तिवारी, आलोक तिवारी, दिनेश सिंह, अवधेश यादव के साथ तमाम लोगों ने स्वागत किया। नौगिरवा में डॉ अजीत सिंह के पुत्र कार्तिक सिंह, बंदोइया में प्रधान प्रतिनिधि शीतला प्रसाद तिवारी, एवं वरिष्ठ कार्यकर्ता पंडित राधेश्याम तिवारी ने कलश पूजन किया। टिकरी गांव में शौर्य तिवारी, अवधेश तिवारी, अनिल तिवारी, सुमित साहू, श्याम जी अग्रहरि, ओम प्रकाश सिंह, फूल सिंह के साथ तमाम लोगों ने पूजन किया। भीमी गांव में स्वामी प्रसाद सिंह, दिलवंत सिंह, टी पी सिंह के साथ बड़ी संख्या में लोगों ने कलश पूजन किया। रविवार देर शाम कलश भादर ब्लॉक के लिए रवाना हुआ। अमेठी के समन्वयक डॉ त्रिवेणी सिंह ने बताया कि इसी तरह प्रतिदिन जनपद के सभी तेरह विकास खंडों में शक्ति कलश निकलेगा। बताया कि इसका उद्देश्य शताब्दी वर्ष पर जन जागरण, नशा उन्मूलन, पर्यावरण संवर्द्धन सहित अनेकों विशिष्ट कार्यों के लिए है। इस मौके पर शांतिकुंज प्रतिनिधि के रूप में धर्मेश्वर, जय सिंह वर्मा, सत्य नारायण पांडेय, विशाल यादव के साथ वरिष्ठ कार्यकर्ता पंडित राधेश्याम तिवारी, युवा समन्वयक डॉ धर्मेंद्र कुमार तिवारी आदि मौजूद रहे।

पर्यावरण विद् अनिल शर्मा का निधन

आगरा। सिविल सोसायटी आफ आगरा के सचिव और वरिष्ठ पर्यावरणविद् अनिल शर्मा का निधन हो गया है। उन्हें उटंगन, खारी और यमुना नदी को पुनर्जीवित करने के प्रयासों के लिए जाना जाता था और वे नदियों के संरक्षण के लिए सक्रिय थे। 2025 में उन्हें उनके कार्यों के लिए 'नदी प्रहरी सम्मान' से भी सम्मानित किया गया था। उन्होंने आगरा में उटंगन, खारी और यमुना नदियों को बचाने और पुनर्जीवित करने के लिए काम किया। वर्तमान में वह तेरहमोरी बांध के गेटो की मरम्मत कर बांध को पुनःसुचारू करने के प्रयासों को लेकर सक्रिय थ। उनका मानना था कि आगरा की एयरक्वालिटी में सुधार के लिये तेरहमोरी बांध में पुनःजलसंचय अति आवश्यक है। वह बांध में मानसून कालीन पानी का ठहराव फतेहपुर सीकरी विकास खंड के जलस्तर और पानी की गुणवत्ता के लिये भी आवश्यक मानते थे।

पीसीएस परीक्षा उत्तीर्ण कर नायब तहसीलदार बनने पर संजीव वाजपेई का जोरदार स्वागत

लालगंज, रायबरेली। लालगंज विकासखंड के गोविंद्पुर वलौली गांव के संजीव वाजपेई का पीसीएस के तहत नायब तहसीलदार के पद पर चयन हुआ है। संजीव वाजपेई के नायब तहसीलदार बनने पर लालगंज के लोगों ने जोरदार प्रसन्नता व्यक्त कीहै। वास्तव में संजीव बाजपेई एयरफोर्स से रिटायर होकर बैंक में नौकरी कर रहे थे और लखनऊ में रहते थे। वहीं उन्होंने पीसीएस की तैयारी की और नायब तहसीलदार का पद हासिल करने में कामयाबी प्राप्त कीहै। रविवार को लालगंज पहुंचने पर शिव पुस्तक भंडार के प्रोपराइटर शिवकुमार सतीश त्रिवेदी और मनीष राजन त्रिवेदी ने उनका जोरदार स्वागत किया,

वहीं जब संजीव बाजपेई अपने गांव गोविंदपुर वलौली पहुंचे तो संदीप मिश्रा ने भी उनका स्वागत सत्कारकिया। वही इस खुशी के अवसर पर संदीप मिश्रा ने संजीव के पिता दुर्गा शंकर वाजपेई को लड्डू खिलाकर खुशी का इजहार भी किया। संजीव वाजपेई की इस कामयाबी पर भाजपा प्रांतीय परिषद सदस्य सुशील शुक्ला, भाजपा नेता अनूप पांडे, भाजपा नेता दीप प्रकाश शुक्ला, श्री नारायण शुक्ला, सतीश शुक्ला, आलोक बाजपेई, ग्राम प्रधान मनोज त्रिवेदी, अंजनी त्रिवेदी, रवि शंकर वाजपेई, देवेशअग्निहोत्री, कैलाश बाजपेई, अशोक शुक्ला, मंटूवाजपेई, अंकित त्रिवेदी, धीरू त्रिवेदी सहित अन्य लोगों ने भी प्रसन्नता जाहिरकी है।

क्षेत्रीय मानव संसाधन प्रमुख (एनआर व एसआर) ने किया टी पी सी का दौरा

रायबरेली। एस एन पाणिग्रही मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) एवं क्षेत्रीय मानव संसाधन प्रमुख एनआर एवं एसआर ने आज एनटीपीसी ऊंचाहार का दौरा किया। अपने दौरे के दौरान उन्होंने सर्वप्रथम जेम बालिकाओं से मुलाकात की, उनसे संवाद किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। इसके पश्चात उन्होंने एनटीपीसी ऊंचाहार के मानव संसाधन अधिकारियों, यूनियन एवं एसो.के प्रतिनिधियों तथा युवा अधिकारियों के साथ बैठकें कीं। सभा को संबोधित करते हुए श्री पाणिग्रही ने संगठन की प्रगति में मानव संसाधन की बहुआयामी भूमिका पर बल दिया। उन्होंने कहा कि संगठनात्मक परिवर्तन सबसे महत्वपूर्ण पहलू है, जिसे स्वामित्व की भावना, टीम भावना तथा कंपनी-फर्स्ट दृष्टिकोण के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने सभी कर्मचारियों को प्रत्येक परिवर्तन एवं चुनौती को सीखने और आगे बढ़ने के अवसर के रूप में लेने की सलाह दी, न कि उसे समस्या या बाधा के रूप में देखने की। इस अवसर पर उन्होंने सतत विकास के प्रतीक स्वरूप एक पौधरोपण भी किया तथा तत्पश्चात लखनऊ के लिए प्रस्थान किया। इस अवसर पर परियोजना प्रमुख वीएम सिंह, महाप्रबंधक (ऑपरेशन एवं ईंधन प्रबंधन) दिलीप कुमार प्रबंधक (अनुरक्षण एवं ऐश डाइक प्रबंधन) एसयू हरिदास मानव संसाधन प्रमुख पंकज कुमार सहित यूनियन एवं एसो.के सदस्य उपस्थित रहे।

महिलाओं को मिला आत्मविश्वास व सुरक्षा का भरोसा

- सरवन में मिशन शक्ति की पहल

गोसाईगंज, सुलतानपुर। मिशन शक्ति फेज-5 के द्वितीय चरण के तहत रविवार को थाना गोसाईगंज क्षेत्र के ग्राम सरवन में महिला सशक्तिकरण को लेकर जोरदार जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान गांव में उत्साहपूर्ण माहौल देखने को मिला और बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। मिशन शक्ति टीम ने महिलाओं को सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं—मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना—की विस्तार से जानकारी दी। साथ ही महिला सुरक्षा को लेकर हेल्पलाइन नंबर 1090, 1076, 102, 108, 1098, 181, 112 और साइबर हेल्पलाइन 1930 की उपयोगिता पर जोर देते हुए कहा कि किसी भी आपात स्थिति में महिलाएं बिना झिझक इन सेवाओं का लाभ उठाएं। टीम ने महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करते हुए आत्मनिर्भर और सजग बनने का संदेश दिया। जागरूकता कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने भी सक्रिय भागीदारी दिखाते हुए जानकारी हासिल की। इस मौके पर उप निरीक्षक दयाराम मिश्रा, कांस्टेबल दीपक कुमार, महिला कांस्टेबल रिंकू यादव एवं महिला पीआरडी रीता मौजूद रहीं।

गैस उपभोक्ताओं की बढ़ी मुसीबत

अमेठी। कस्बे में संचालित होने वाली प्रकाश गैस एजेंसी पर सप्लाई विभाग ने कड़ी कार्रवाई की है जांच के दौरान विभाग को 1200 से अधिक खाली और भरे सिलेंडरों में बड़ा अंतर मिला है जिसके बाद विभाग ने अमेठी कोतवाली में केस दर्ज करने के लिए तहरीर दी गई है। विभाग द्वारा एजेंसी को बंद करवा कर मौके पर मिले सभी गैस सिलेंडर को दूसरे एजेंसी पर शिफ्ट कर दिया गया है। फिलहाल एजेंसी बंद होने से उपभोक्ताओं के मुसीबत और बढ़ने जा रही है क्योंकि इस एजेंसी के जिले में सबसे ज्यादा उपभोक्ता हैं।

एलपीजी गैस एजेंसी कार्यालय बंद मिलने से नाराज उपभोक्ताओं ने लगाया जाम

सलोन, रायबरेली। सलोन मुख्यालय पर एलपीजी गैस एजेंसी कार्यालय बंद मिलने से नाराज उपभोक्ताओं ने कस्बे की पुलिस चैकी से चंद कदम दूर मुख्य मार्ग पर लगभग आधे घंटे तक जाम लगा दिया। जाम के चलते थोड़ी ही देर में दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। सूचना मिलते ही कोतवाली प्रभारी बालेंदु गौतम ने सिपाहियों को मौके पर भेजकर किसी तरह मार्ग बहाल कराया। उपभोक्ताओं का कहना है कि पहले से ही गैस की किल्लत के कारण परेशानी झेलनी पड़ रही है। इसके बाद एजेंसी कार्यालय में बुकिंग के बाद पर्ची लेने और केवाईसी कराने की प्रक्रिया भी टेढ़ी खीर साबित हो रही है। लोगों ने आरोप लगाया कि बुकिंग के बावजूद कुछ उपभोक्ता एजेंसी गोदाम से सीधे सिलेंडर ले जा रहे हैं, जिससे सलोन क्षेत्र में गैस वितरण व्यवस्था बाधित हो रही है। इस संबंध में पूर्ति निरीक्षक अमर सिंह ने बताया कि एजेंसी कार्यालय का स्थान छोटा होने के कारण अव्यवस्था की स्थिति बन रही है। एजेंसी संचालक को बड़ी जगह पर व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए गए हैं।

संक्षेप

चंबल नहर में फिसला किशोर, डूबने से मौत

आगरा। पिनाहट ब्लॉक क्षेत्र के गांव पडुआपूरा के पास नहर बंबा में गिरने से 15 वर्षीय किशोर की डूबकर मौत हो गई। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार मध्य प्रदेश के जिला गुना, तहसील आरोन के गांव बमरौइया निवासी अनिकेत (15) पुत्र बबलू अपने परिवार के साथ मजदूरी करने के लिए पडुआपूरा आया हुआ था। शनिवार सुबह वह शौच के लिए नहर किनारे गया था। इसी दौरान पैर फिसलने से वह चंबल नहर में जा गिरा और डूब गया। परिजनों एवं आसपास मौजूद लोगों ने किसी तरह किशोर को नहर से बाहर निकाला और आनन-फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पिनाहट लेकर पहुंचे, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अचानक हुई इस घटना से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

एयर सिलेंडर फटने से युवक की मौत

टूंडला। ट्रैक्टर वर्कशॉप पर काम कर रहे, 20 वर्षीय युवक की मौत हो गई, सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। रविवार को फिरोजाबाद रोड़ स्थित ट्रैक्टर वर्कशॉप पर 20 वर्षीय युवक रोहित पुत्र राकेश कुशवाह निवासी अनामिका टॉकीज के पास काम कर रहा था, तभी दोपहर को काम करते समय एयर सिलेंडर फट गया जो युवक की छाती पर लगा। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए फिरोजाबाद जिला अस्पताल भेज आवश्यक कार्यवाही में जुट गई। घटना की जानकारी मिलने पर मृतक के परिजन भी मौके पर पहुंच गए जहां उनका रो रो कर बुरा हाल था। थाना प्रभारी अनिल कुमार ने बताया कि घटना में मृतक युवक को पोस्टमार्टम के लिए भेज जांच पड़ताल कर अन्य आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

जातिगत जनगणना की मांग पर सांसद सक्रिय

मथुरा। अखिल भारतीय मैथिल ब्राह्मण महासभा दिल्ली द्वारा मैथिल ब्राह्मण समाज की जातिगत जनगणना कराए जाने की मांग को लेकर किए जा रहे प्रयासों को अब प्रशासनिक स्तर पर गति मिलती दिखाई दे रही है। महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. रामदेव भारद्वाज के नेतृत्व में अगस्त 2025 में भाजपा के जिला संयोजक आइटी प्रकोष्ठ सतेंद्र मैथिल बेरीवाल के नेतृत्व में राज्यसभा सांसद तेजवीर सिंह को ज्ञापन सौंपकर समाज की मांग उठाई थी। ज्ञापन पर संज्ञान लेते हुए संबंधित विषय पर ई-मेल के माध्यम से कार्रवाई प्रारंभ की गई थी। इसी क्रम में संयोजक सतेंद्र मैथिल ने रविवार को पुनः राज्यसभा सांसद तेजवीर सिंह से भेंट कर मांगों से अवगत कराया। भेंट के दौरान सांसद तेजवीर सिंह ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी मथुरा को मैथिल शब्द जातिगत जनगणना से जोड़ने हेतु आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। महासभा पदाधिकारियों ने इसे समाज के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि यह पं. रामदेव भारद्वाज एवं सतेंद्र मैथिल के निरंतर प्रयासों और संगठन की सक्रिय भूमिका का परिणाम है। समाज के लोगों ने उम्मीद जताई है कि इस पहल से मैथिल ब्राह्मण समाज की जनगणना संबंधी मांग को जल्द सकारात्मक दिशा मिलेगी। यह जानकारी भारत शर्मा ने दी।

संस्कृति स्पार्क में तीसरे दिन चेहरों पर चित्रकारी बनी आकर्षण का केंद्र

मथुरा। संस्कृति विवि में तीन दिवसीय स्पार्क 2026 के समापन समारोह में जहां एक ओर विद्यार्थियों के जबर्दस्त रैंप वाक में उनके आत्मविश्वास और सूझबूझ भरे जवाबों की चर्चा रही तो वहीं दूसरी ओर चेहरों पर चित्रकारी ने जजों को प्रभावित किया। तीसरे और अंतिम दिन संस्कृति फैशन डिपार्टमेंट के विद्यार्थियों की प्रतिस्पर्धा हुई। इसके अलावा फेस पेंटिंग, नेल पेंटिंग, मोबाइल गेम बीजीएम के दूसरे चरण, मेहंदी आर्ट और गायन प्रतियोगिताएं हुईं।

टेक्निकल पेपर प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता के कोर्डिनेटर डा. उमेश शर्मा, सह कोर्डिनेटर विक्रम रॉय ने बताया कि इस प्रतियोगिता में 26 विद्यार्थियों ने कुल 17 पेपर प्रजेंट किए। तीसरा स्थान तानिया गुप्ता ने हासिल किया। नेल पेंटिंग प्रतियोगिता की कोर्डिनेटर डा. प्रियांशी सारस्वत, नीतू शर्मा ने बताया कि इस प्रतियोगिता में कुल सात विद्यार्थियों ने भाग लिया। पहला स्थान छात्र कुमारी श्रवंथ, दूसरा वर्गला श्रीशा और तीसरा स्थान हेमलता सिंह को मिला। निर्णायकों में डा. गंगाधर हूगर, डा. कामिनी साहू शामिल थी। फेस पेंटिंग प्रतियोगिता की कोर्डिनेटर शिवानी श्रीवास्तव, तितिक्षा छोंकर ने बताया कि कुल आठ विद्यार्थियों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया। पहला स्थान छात्र श्रवंथ कुमारी, दूसरा स्थान गुंजन राजपूत तथा तीसरा स्थान जिज्ञासा ने हासिल किया। प्रतियोगिता की निर्णायकों में संस्कृति विवि की सीईओ श्रीमती डा. मीनाक्षी शर्मा और डा. कामिनी साहू थीं। स्टार्टअप पिच कंपटीशन के कोर्डिनेटर डा. शिव नरायण शर्मा और डा. हितेश ने बताया इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सीरम निखिल साई, द्वितीय स्थान मार्था वानशी कृष्णा और तीसरा स्थान गगन वर्मा ने हासिल किया। प्रतियोगिता के निर्णायकों में डा.गंगाधर और डा. कामिनी थीं। गायन प्रतियोगिता की कोर्डिनेटर डा. प्रियंका गौतम ने बताया कि गायन प्रतियोगिता तीन श्रेणियों में हुई, एकल, युगल और समूह गायन। इन तीनों प्रतियोगिताओं में कुल 48 विद्यार्थियों ने भाग लिया। एकल गायन में प्रथम स्थान छात्र हर्ष, द्वितीय स्थान संतोष्ठी और तीसरा स्थान निधि ने हासिल किया। वहीं युगल गायन में ओमकार एवं प्रनवीर, दूसरा स्थान निधि एवं हर्ष तथा तीसरा स्थान करिश्मा एंड क्रिति ने हासिल किया। समूह गायन में प्रवीर और प्रद्युम्न के समूह ने पहला स्थान जीता, दूसरा स्थान संतोष्ठी एंड ग्रुप ने और तीसरा स्थान नवीन एंड ग्रुप ने जीता। संस्कृति स्कूल आफ फैशन डिजाइनिंग विभाग के विद्यार्थियों की प्रतियोगिता सभी के आकर्षण का केंद्र बनी।

दुष्कर्म का आरोपी मुठभेड़ में पुलिस की गोली से घायल

जिला संवाददाता (vol)

मथुरा। थाना जैंत पुलिस और मिशन शक्ति टीम ने शनिवार रात एक मुठभेड़ के दौरान एक ऐसे शातिर अपराधी को गिरफ्तार किया है, जिसने खुद को अभय फौजी बताकर हरियाणा की एक महिला के साथ न केवल दुष्कर्म किया, बल्कि उसके गहने और नकदी भी लूट ली थी। मुठभेड़ के दौरान पैर में गोली लगने से आरोपी घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जैंत प्रभारी निरीक्षक उमेश चंद्र त्रिपाठी की टीम शनिवार रात सनसिटी के पास चेकिंग कर रही थी। रात करीब 09:53 बजे एक संदिग्ध बाइक सवार को रुकने का इशारा किया गया। पुलिस को देख आरोपी ने बाइक मोड़कर भागने का प्रयास किया और टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली आरोपी के पैर में लगी और वह गिर पड़ा। ?पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी पवन कुमार (29) पुत्र रमेश चंद्र, निवासी गांव माल फरह (मथुरा) ने सोशल मीडिया पर अभय फौजी नाम से फर्जी आईडी बना रखी थी। उसने पलवल (हरियाणा) की रहने वाली एक महिला को जान से मारने की धमकी देकर छटीकरा बुलाया। वहां से उसे अपनी बाइक पर राज गेस्ट हाउस ले गया, जहां उसके साथ बलात्कार किया। आरोपी ने महिला के फोन से 15,000 ऑनलाइन ट्रांसफर किए और 4,000 नकद व कुंडल भी लूट लिए थे। पुलिस ने आरोपी के पास से एक अवैध तमंचा, 2 खोखा, 1 जिंदा कारतूस, ?घटना में प्रयुक्त सीडी डीलक्स बाइकबरामद की है। सीओ सदर पीतमपाल सिंह ने बताया पवन कुमार का लंबा आपराधिक इतिहास है। उसके विरुद्ध मथुरा और राजस्थान के भरतपुर (कोतवाली, चिकसाना, कुम्हेर) में बलात्कार, हत्या के प्रयास, लूट और एनडीपीएस एक्ट जैसे कुल 11 गंभीर मामले दर्ज हैं।

● राजस्थान और यूपी में दर्ज हैं 11 से ज्यादा मुकदमे

गिरफ्तार करने वाली टीम में जैंत थाना प्रभारी उमेश चंद्र त्रिपाठी, निरीक्षक विवेक कुमार, महिला उपनिरीक्षक काजल भारद्वाज, प्रिया सिवाच, और सर्विलांस टीम का मुख्य योगदान रहा। घायल आरोपी को उपचार के लिए सौ सैय्या अस्पताल, वृन्दावन भेजा गया है।

धूमधाम से निकली महाराजा गुहराज निषाद शोभायात्रा

टूंडला। निषाद समाज ने रविवार को महाराजा गुहराज के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में भव्य शोभायात्रा निकाली। शोभायात्रा में एक दर्जन से अधिक झांकियां लोगों का मनमोह रही थीं। शोभायात्रा का शुभारंभ भाजपा जिलाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह व भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष बीएल वर्मा व सपा नेता मीना राजपूत ने संयुक्त रूप से महाराज गुहराज की आरती व फीता काटकर किया। शहर के तहसील स्थित बेकूठी मैरिज होम से पूजा-अर्चना कर शोभायात्रा का शुभारंभ किया गया। शोभायात्रा में सबसे आगे समाज के लोग केसरिया ध्वज लेकर चल रहे थे। उसके पीछे भगवान गुहराज निषाद से जुड़े शासको की झाँकियां शोभायमान थी। टूंडला में निकाली गई शोभायात्रा में शामिल झांकियां गणेशजी, श्रीराम, कश्यप ऋषि, सत्यवती, वीर एकलव्य, वेद व्यास, केवट की झांकियां आकर्षण का केंद्र बनी रहीं। इसके साथ महाराजा गुहराज निषाद का डोला चल रहा था। संस्थापक महेंद्र सिंह निषाद ने महाराज गुहराज के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला। इस मौके पर विधायक प्रेमपाल सिंह धनगर, पूर्व विधायक शिव सिंह चक, पूर्व जिलाध्यक्ष वृंदावन लाल गुप्ता, महाराज सिंह धनगर, रामधन गुर्जर, कपूर चंद निषाद, ममता वर्मा, पूर्व जिला पंचायत सदस्य राजन सिंह निषाद, ब्रजेश कुमार निषाद आदि के अलावा बड़ी संख्या में निषाद समाज के लोग मौजूद रहे।

तोहफा देने 7 को सीएम योगी आयेंगे आगरा ग्रेटर आगरा योजना का करेंगे शिलान्यास

आगरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 7 अप्रैल को संभावित आगमन को लेकर आगरा प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गया है। सीएम के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर शनिवार को मंडलायुक्त नगेंद्र प्रताप ने एडीए उपाध्यक्ष एम. अरुणमोझी सहित संबंधित अधिकारियों के साथ कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर तैयारियों की गहन समीक्षा की। इस दौरान हेलीपैड से लेकर मुख्य मंच, भूमिपूजन स्थल, वीआईपी व्यवस्था, मीडिया गैलरी व पार्किंग तक हर बिंदु पर विस्तार से मंथन किया गया। सीएम के हाथों आगरा के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही ग्रेटर आगरा योजना का शिलान्यास प्रस्तावित है। यह परियोजना शहरी विस्तारीकरण एवं नए शहर प्रोत्साहन योजना के तहत विकसित की जा रही है, जिसे आगरा के भविष्य के शहरी ढांचे में एक बड़े बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। आगरा विकास प्राधिकरण द्वारा ग्राम रायपुर और रहनकलां क्षेत्र में लगभग 449.65 हेक्टेयर भूमि पर इस महत्वाकांक्षी योजना को विकसित किया जाएगा। परियोजना की संभावित लागत 5142 करोड़ बताई गई है। इस योजना के तहत 10 आवासीय टाउनशिप विकसित की जाएंगी, जो आगरा के शहरी विस्तार को नई दिशा देंगी। यह योजना न केवल शहर की बढ़ती आबादी के लिए आधुनिक आवासीय विकल्प उपलब्ध कराएगी, बल्कि आगरा को एक सुनियोजित, आधुनिक और भविष्य उन्मुख शहरी स्वरूप देने की दिशा में भी बड़ा कदम साबित होगी। प्रशासनिक सूत्रों के मुताबिक, यह परियोजना आने वाले वर्षों में आगरा के रियल एस्टेट, इंफ्रास्ट्रक्चर और निवेश परिदृश्य को नई रफ्तार दे सकती है। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शिलान्यास से पहले कार्यक्रम स्थल पर विधिवत भूमिपूजन करेंगे। इसके बाद वे ग्रेटर आगरा योजना के टाउनशिप मॉडल का अवलोकन करेंगे, जिसमें परियोजना के स्वरूप, लेआउट और विकास की रूपरेखा को प्रस्तुत किया जाएगा। इसके बाद मुख्यमंत्री विभिन्न विभागों की अन्य विकास योजनाओं और परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास भी करेंगे। कार्यक्रम के अंत में वे एक विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे, जिसमें सरकार की विकास योजनाओं और प्रदेश में हो रहे इंफ्रास्ट्रक्चर विस्तार को लेकर संदेश दिया जा सकता है।

भैंस चोर गिरोह के 7 अभियुक्त मुठभेड़ में गिरफ्तार

फिरोजाबाद। थाना एका पुलिस एवं एसओजी सर्विलांस टीम ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए अन्तर्जनपदीय भैंस चोरी करने वाले गिरोह के 7 अभियुक्तों को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया गया है। पुलिस मुठभेड़ के दौरान अन्तर्जनपदीय भैंस चोरी करने वाले गिरोह के 3 अभियुक्तगण सलीम उर्फ धूमी उर्फ भूमि कल्लू उर्फ करुआ उर्फ फिरोज जुम्मन शाह उर्फ जुम्मन खां उर्फ जुम्मा पैर में गोली लगने से घायल हो गए व 4 अन्य अभियुक्त शहजाद, अफसर फैजल एवं राहुल को कॉम्बिंग के दौरान गिरफ्तार किया गया है। जिनके कब्जे से 3 अवैध तमंचा मय 6 जिन्दा, 4 खोखा कारतूस, 14,000 रुपये एक भैंस एक भैंस का बच्चा एवं घटना में प्रयुक्त मैक्स पिक अप गाड़ी बरामद की गई। घायल अभियुक्त को पुलिस अभिरक्षा में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। 3-04-2026 को वादी ने रात्रि में अपने घर के बाहर रोड किनारे बंध रही भैस को अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर लेने के सम्बन्ध में थाना एका पर तहरीर दी थी। जिसके आधार पर थाना एका पर मुकदमा पंजीकृत किया गया था। रविवार को थाना एका पुलिस टीम व एसओजी सर्विलांस टीम को मुखबिर खास ने सूचना दी कि भैंस चोरी करने वाले अभियुक्त फिर से आज घटना करने की फिराक में नगला धारू के पास मैक्स पिक अप में घूम रहे हैं। उक्त सूचना पर कार्यवाही करते हुए थाना एका पुलिस व एसओजी सर्विलांस टीम द्वारा नगला धारू पुल व झालगोपालपुर पुल के पास चैकिंग की जा रही थी इसी दौरान नगला धारू से झालगोपालपुर की तरफ एक संदिग्ध मैक्स पिकअप आती हुई दिखाई दी जिसे पुलिस टीम ने रुकने का इशारा किया तो उक्त मैक्स को वापस मोड़कर भागने का प्रयास करने लगे जिससे हड़बड़ाहट में पटरी के किनारे कच्ची मिट्टी में मैक्स पिक अप का टायर फंस गया। पुलिस टीम को अपनी तरफ आता देख खुद को घिरता हुआ देख संदिग्ध व्यक्तियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस टीम ने आत्मरक्षार्थ की जबावी फायरिंग में 3 अभियुक्त के पैर गोली लगने से घायल हो गये तथा शेष अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया। जिन्हें विधिक कार्यवाही कर न्यायालय भेजा गया है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थाना प्रभारी संजुल कुमार, प्रभारी एसओजी प्रेम शंकर मय टीम फिरोजाबाद, प्रभारी सर्विलांस मुकेश कुमार मय टीम फिरोजाबाद, उ.नि. कृष्णपाल सिंह जितेंद्र कुमार, मु.आ. विक्रमआरक्षी योगेंद्र आरक्षी मनीष तोमर धर्मेंद्र गौरव अनुराग शामिल रहे।

पत्नी ने प्रेमी और मकान मालिक संग मिलकर काटा घरवाले का गुप्तांग, अस्पताल में भर्ती

आगरा। पीड़ित ने बताया कि वह मूल रूप से एटा के थाना सकीट क्षेत्र का निवासी है। सिकंदरा के रुनकता क्षेत्र में किराए के मकान में रहकर जूते की फैक्टरी में काम करता है। उसे काफी समय से मकान मालिक के परिचित मथुरा के फरह क्षेत्र निवासी टिंकू से पत्नी के संबंध होने का शक था। जब उसने विरोध किया तो उसके साथ ऐसी वारदात की गई। यूपी के आगरा स्थित सिकंदरा थाना क्षेत्र में किराए पर रहने वाले युवक ने पत्नी, उसके प्रेमी और मकान मालिक पर पिटाई करने और चाकू से प्राइवेट पार्ट (गुप्तांग) काटने का आरोप लगाया है। पुलिस ने उसे एसएन मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया है। हालांकि सर्जरी के बाद उसकी हालत खतरे से बाहर है। पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर आरोपों की जांच कर रही है। पीड़ित ने बताया कि वह मूल रूप से एटा के थाना सकीट क्षेत्र का निवासी है। सिकंदरा के रुनकता क्षेत्र में किराए के मकान में रहकर जूते की फैक्टरी में काम करता है। उसे काफी समय से मकान मालिक के परिचित मथुरा के फरह क्षेत्र निवासी टिंकू से पत्नी के संबंध होने का शक था। उसने इसका विरोध भी किया। लेकिन पत्नी के न मानने के कारण उसने कुछ दिन पहले कमरा खाली कर अन्यत्र रहना शुरू कर दिया। आरोप है कि 2 अप्रैल की रात 11 बजे सब्जी मंडी के पास तीनों आरोपियों ने उन्हें रोका और गाली-गलौज करते हुए पिटाई करने लगे। आरोपियों ने उनके प्राइवेट पार्ट को चाकू से काटा। लहूलुहान अवस्था में पुलिस ने उसे एसएन मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। थाना प्रभारी ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर आरोपों की जांच की जा रही है। विवेचक ने बताया कि पुलिस मामले को संदिग्ध मान रही है। सर्जरी के बाद पुलिस ने जब पूछताछ की तो वह अपने कमरे का पता नहीं बता पाया। पुराने मकान का भी पता उसने नहीं बताया। आरोपियों के बाइक से आने और पत्नी को साथ नहीं देखने का बयान पीड़ित ने दिया है। पुलिस सीसीटीवी और अन्य माध्यमों से आरोपों की जांच कर रही है।

90 किमी तक कमर से गाड़ी खींचकर आगरा से वृंदावन पहुंचे गौरव चाहर

मथुरा। वृन्दावन नगर में आज भक्ति के मार्ग पर समर्पण की कई तस्वीरें सामने आई, आगरा के अकोला चाहर वाटी के गौरव चाहर ने अपनी अटूट श्रद्धा से सबको हैरान कर दिया है। गौरव चाहर रविवार को आगरा से करीब 90 किलोमीटर की कठिन पदयात्रा पूरी कर कान्हा की नगरी वृन्दावन पहुँचे। विशेष बात यह है कि गौरव ने यह दूरी सामान्य रूप से नहीं, बल्कि अपनी कमर से भारी गाड़ी को खींचते हुए तय की। गौरव चाहर ने अपनी यह अनूठी पदयात्रा 02 अप्रैल को आगरा से प्रारंभ की थी। तपती धूप और शारीरिक चुनौतियों को मात देते हुए वे रविवार को वृन्दावन की पावन धरा पर पहुँचे। इस चुनौतीपूर्ण सफर में उनके पिता, परिजन और मित्रगण पूरे समय उनके साथ रहे और उनका उत्साहवर्धन करते रहे। वृन्दावन पहुँचने के बाद गौरव चाहर का मुख्य उद्देश्य प्रसिद्ध संत प्रेमानंद महाराज के दर्शन करना और उनसे वार्ता कर आशीर्वाद प्राप्त करना है। गौरव के अनुसार संत प्रेमानंद जी के प्रति उनकी गहरी आस्था ही उन्हें इस कठिन साधना को पूरा करने की शक्ति प्रदान कर रही है। 90 किलोमीटर तक गाड़ी खींचकर वृन्दावन पहुँचने के इस साहसिक कार्य की स्थानीय लोग और श्रद्धालु जमकर सराहना कर रहे हैं।

श्रीराम कथा 10 अप्रैल से, जिला पंचायत अध्यक्ष ने किया गौ-पूजन हवन यज्ञ

मथुरा। धर्म नगरी मथुरा के फरह क्षेत्र के परखम स्थित दीनदयाल कामधेनु गौशाला समिति (गऊ ग्राम) के प्रांगण में आज आस्था, संस्कृति व भक्ति का एक अनुपम संगम देखने को मिला। मयार्दा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम की असीम अनुकंपा और निरंजन पीठाधीश्वर श्री श्री 1008 आचार्य महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी कैलाशानंद गिरी महाराज के पावन सानिध्य में आयोजित होने वाली सात दिवसीय श्रीराम कथा के उपलक्ष्य में आज भव्य भूमि पूजन का कार्यक्रम अत्यंत विधि-विधान के साथ संपन्न हुआ।

इस पावन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चैधरी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच हुआ, जहाँ जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चैधरी ने पूर्ण श्रद्धाभाव के साथ गौ-पूजन किया और यज्ञशाला में आहुतियां देकर विश्व कल्याण की कामना की। पूजन के उपरांत उन्होंने गौ माता की आरती उतारी और इस पुनीत कार्य का हिस्सा बनकर पुण्य लाभ अर्जित किया। जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा गऊ ग्राम परखम में आयोजित होने वाली यह श्रीराम कथा न केवल आध्यात्मिक चेतना जागृत करेगी, बल्कि गौ सेवा के संकल्प को भी सुदृढ़ करेगी। परम पूज्य स्वामी कैलाशानंद गिरी जी महाराज के श्रीमुख से कथा श्रवण करना क्षेत्रवासियों के लिए एक दुर्लभ अवसर होगा। 10 अप्रैल से श्रीराम कथा का आयोजन होगा एवं 17 अप्रैल को विशाल भंडारे के साथ श्रीराम कथा का समापन होगा। 10 अप्रैल से शुरू होने वाली सात दिवसीय श्रीराम कथा को लेकर समूचे क्षेत्र में हर्ष का माहौल

बारिश ने बिगाड़ी खेतों की तस्वीर

मथुरा। डीएम चंद्र प्रकाश सिंह ने जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में क्षतिग्रस्त फसलों का निरीक्षण किया। जनपद में हाल ही में आई तेज आंधी, बारिश एवं ओलावृष्टि के कारण किसानों की फसलों को हुए नुकसान के दृष्टिगत जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने प्रभावित ग्रामों का स्थलीय निरीक्षण किया। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने तहसील छाता के ग्राम चैमुंहा एवं पसौली तथा तहसील सदर के ग्राम देवी आटस का निरीक्षण किया। निरीक्षण में जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने उप जिलाधिकारी छाता वैभव गुप्ता को निर्देश दिए कि सभी किसानों के फसलों का सर्वे का कार्य सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि उक्त कार्य को प्राथमिकता के आधार पर करते हुए किसानों को मुआवजा देने की कार्यवाही को समयबद्धता के साथ किया जाए। उन्होंने कहा कि सर्वे के कार्यों को पूर्ण पारदर्शिता से करे तथा किसानों को किसी भी प्रकार की समस्या नहीं आनी चाहिए।

एनसीआरएमयू ने सेवानिवृत्त महिला पदाधिकारियों को बधाई दी

टूंडला। सेवानिवृत्त हुई नॉर्थ सेंट्रल रेलवे मेंस यूनियन की महिला पदाधिकारी एवं टेक्नीशियन प्रथम को नॉर्थ सेंट्रल रेलवे मेंस यूनियन, टूंडला के पदाधिकारियों एवं सीएंड डब्ल्यू विभाग के समस्त रेलकर्मियों द्वारा भावभीनी विदाई दी गई तथा उनके उज्वल भविष्य की कामना की गई। यूनियन के शाखा मंत्री जय किशन अजवानी एवं शाखा अध्यक्ष अरविंद कुमार मीना डिपो इंचार्ज द्वारा उन्हें माला पहनाकर सम्मानित किया। शाखा मंत्री सरदार सिंह ने कहा कि सेवानिवृत्ति के उपरांत विभागीय किसी भी प्रकार की समस्या होने पर यूनियन के सभी साथी सदैव उनके साथ खड़े रहेंगे। शाखा अध्यक्ष सतेंद्र यादव ने अपने संबोधन में कहा कि मीना देवी अत्यंत सरल एवं सौम्य स्वभाव की महिला हैं, जिन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान समिति एवं विभाग के साथ सदैव सौहार्दपूर्ण एवं भाईचारे का व्यवहार बनाए रखा। इस मौके पर जयकिशन अजवानी सरदार सिंह अरविंद मीना कैलाश चंद्र, अजीत यादव.सतेंद्र यादव विनोद बघेल वाशी अहमद विनोद मीना आशा राम करन सिंह नरेंद्र कुमार शुभम कुमार अचिंत्य कुमार, प्रीतम सिंह सुनील कुमार दिनेश कुमार देवेश गौतम, सुशील शान मोहम्मद आदि के अलावा रेलकर्मी शामिल रहे।

हजारों लोगों ने ली गर्भगृह स्थल पर मंदिर निर्माण की शपथ

● दक्षिण भारत में विस्तार लेने लगा श्री कृष्ण जन्मभूमि की मुक्ति का आंदोलन

मथुरा। वृंदावन धाम में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के दौरान रविवार को श्रीकृष्ण जन्मभूमि प्रकरण को लेकर माहौल भावनात्मक हो गया। कथा स्थल पर दक्षिण भारत से आए हजारों श्रद्धालुओं ने मूल गर्भगृह स्थल पर भगवान श्रीकृष्ण का मंदिर निर्माण कराने की शपथ ली।

हैदराबाद स्थित स्टैच्यू ऑफ इक्वेल्टी आश्रम के आध्यात्मिक गुरु श्रीमन्नारायण रामानुज चिन्ना जीयर स्वामी के सान्निध्य में एक होटल में आयोजित कथा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। इस दौरान श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास के अध्यक्ष एवं हिंदू पक्षकार महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट ने दक्षिण भारत से आए भक्तों को मथुरा स्थित शाही ईदगाह मस्जिद के विवादित स्थल को मुक्त कर वहां मंदिर निर्माण में सहयोग की शपथ दिलाई। इससे पहले उन्होंने श्री कृष्ण जन्मभूमि मंदिर को तोड़ने के इतिहास पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। महेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि उनके पास इस मामले में ठोस साक्ष्य हैं और उन्हें पूरा विश्वास है कि न्यायालय में विजय मिलेगी। उन्होंने कहा कि हिंदुओं का जागा हुआ संकल्प ही श्रीकृष्ण जन्मभूमि को कब्जा मुक्त कराएगा। कार्यक्रम के दौरान दक्षिण भारत से आए श्रद्धालुओं ने महेंद्र प्रताप सिंह को अपने यहां आमंत्रित भी किया। भक्तों ने कहा कि वह दक्षिण भारत में भी श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति के आंदोलन को बढ़ाने का कार्य तेजी करेंगे। साथ श्री कृष्ण जन्मभूमि मंदिर को बार बार तोड़े जाने की जानकारी अपने क्षेत्र के लोगों के साथ में साझा करेंगे। टी. रमेश गुप्ता, मोहन शर्मा, विठ्ठल और पुन्ना गोपाल राव ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के बाद अब दक्षिण भारत के लोग श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर भी भव्य मंदिर निर्माण की उम्मीद लगाए हुए हैं। कहा कि जल्द हैदराबाद में एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित करेंगे, जिसमें मुख्य अतिथि भी हिंदू पक्षकार महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट होंगे। इस अवसर पर स्वामी जी महाराज ने कहा कि यह विषय हिंदुओं की आस्था और अस्मिता से जुड़ा है। जिस स्थान पर भगवान श्रीकृष्ण का प्राकट्य हुआ, वहां मंदिर बनना चाहिए। उन्होंने इस आंदोलन में महेंद्र प्रताप सिंह के साथ खड़े रहने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम से पूर्व अतिथियों का स्वागत किया गया। इस मौके पर गोपी स्वामी, मोहन शर्मा, टी. रमेश गुप्ता, एम. एसएसआर वर्मा, बी. रघुनंदन राव, विठ्ठल, पुनगोर्पाल राव, सत्यनारायण राव, मनोज, मनोहर व श्रीमती देवी समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

कार्यालय नगर पंचायत महोली - सीतापुर

पत्रांक :08/न०पं०महोली/अल्प. ई - निविदा सूचना / 2026-27 दिनांकः 04/04/2026

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना

नगर पंचायत महोली में कार्य करने के इच्छुक समस्त अनुभवी ठेकेदारो / फर्मों को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में 15वीं वित्त टाइड एवं अनटाइड ग्रान्ट की द्वितीय किश्त के अन्तर्गत प्राप्त होने वाली धनराशि से कराये जाने वाले कार्यों हेतु ई-निविदायें दिनांक 20.04.2026 अपरान्ह 04:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है निविदा मूल्य तथा 10 प्रतिशत धरोहर धनराशि (FDR) अथवा नकद नगर पंचायत महोली के खाता सं0 0776000100285550 IFSC CODE PUNB0077600 में जमा कर जमा रसीद निविदा के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा। निविदा से सम्बन्धित नियम/शर्तें तथा विवरण http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

क्र. सं.	विवरण	प्रारम्भ दिनांक एवं समय	अन्तिम दिनांक एवं समय
01	Tender Release	06/04/2026 (02:00 PM)	-
02	Tender Download	06/04/2026 (02:00 PM)	-
03	Bid Submission	06/04/2026 (02:00 PM)	20/04/2026 (04:00 PM)
04	Bid Opening	20/04/2026 (02:00 PM)	-
	Bid Opening Place	Nagar Panchayat Maholi, Distt. Sitapur	

(राम कृष्ण वर्मा)
अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत महोली सीतापुर

(केतुका)
अध्यक्ष
नगर पंचायत महोली सीतापुर

ट्रंप की युद्ध नीति

अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप जिस तरह ईरान के साथ युद्ध को लेकर हर दिन अपने बयान बदलते हैं, कभी होर्मुज खुलवाने की बात करते हैं कहीं पल्ला झाड़ लेते हैं। बार-बार धमकी के साथ बैक टू बैक अल्टीमेटम देते हैं लेकिन साथ ही जल्द युद्ध समाप्त होने की बात भी करते हैं। इससे लगता है कि यह ट्रंप की रणनीति है। वह दुश्मन को भ्रमित कर अमरीका के सामरिक लक्ष्यों को हासिल करना चाहते हैं। वैसे भी अगर ईरान से अमरीका हारकर या बिना लक्ष्य हासिल किये लौटेगा तो इससे ब्रॉड अमरीका को गहरा झटका लगेगा। इसलिए भले ही अमरीका ईरान में फंस गया हो, लेकिन हार मानकर लौटेगा इसकी संभावना बहुत कम है। ट्रंप के बयानों और उनके बहु प्रचारित संबोधन में भी यही संकेत मिला। राष्ट्रपति ट्रंप ने अमरीका को संबोधित करते हुए यह निष्कर्ष दिया है कि अभी ईरान के खिलाफ जंग जारी रहेगी। आगामी 2-3 हफ्ते में ईरान पर भीषण हमला किया जाएगा और जल्द ही अमरीका अपने लक्ष्य हासिल कर लेगा। ट्रंप ने फिर वहीं पुराना और बार-बार कहा जा चुका बयान दोहराया कि हमने ईरान की वायुसेना, नौसेना, मिसाइल-ड्रोन क्षमताएं नष्ट कर दी हैं। यहां तक कि उसके परमाणु ठिकाने भी तबाह कर दिए हैं। अब ईरान परमाणु बम नहीं बना सकता। ईरान के सभी बड़े नेता मार दिए गए हैं। यदि ईरान परमाणु बम बना लेता, तो वह अमरीका-इजरायल के लिए मौत साबित होता। दरअसल जो गलतियां पुराने राष्ट्रपतियों ने की थीं, मैं उन्हें ठीक कर रहा हूं। इस संदर्भ में राष्ट्रपति ट्रंप ने खुलासा किया कि द्वितीय विश्व युद्ध 3 साल 8 माह से अधिक और वियतनाम युद्ध 19 साल से अधिक समय तक लड़े गये। ईरान युद्ध को अभी 32-33 दिन ही बीते हैं और हमने लगभग सभी लक्ष्य पूरे कर लिए हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने

यह भी दोहराया कि अमरीका युद्ध खत्म करने के बेहद करीब है। हमारी अर्थव्यवस्था बेहतर स्थिति में है। गैस उत्पादन में अमरीका नंबर वन है। हमें तेल के लिए होर्मुज स्ट्रेट की जरूरत नहीं है। जिन्हें तेल-गैस की किल्लत है, जरूरत है, वे खुद होर्मुज जाएं। अलबत्ता हमसे तेल खरीदें, क्योंकि अमरीका के पास बहुत कच्चा तेल है। ट्रंप ने अपने राष्ट्रीय संबोधन का सारांश यह दिया है कि ईरान के खिलाफ जंग जारी रहेगी। गौरतलब यह है कि अमरीका-ईरान युद्ध पर अभी तक करीब 30 अरब डॉलर खर्च हो चुके हैं। ट्रँप ने 200 अरब डॉलर (करीब 19 लाख करोड़ रुपये) का अतिरिक्त बजट मांगा है, लेकिन अमरीकी कांग्रेस फिलहाल उसे पारित करने के मूड में नहीं है। अमरीका का युद्ध पर हर रोज का औसतन खर्च 9400 करोड़ रुपये का है। अमरीका में पेट्रोल के दाम 4.06 डॉलर प्रति गैलन के स्तर को छू चुके हैं। इस पर ही हाहाकार मचा है, क्योंकि यह बढ़ोतरी अभूतपूर्व है। ईरान में महंगाई दर 50.6 फीसदी है। यह अकल्पनीय है। अनाज की कीमतें 140 फीसदी और डेयरी उत्पादों की कीमतें 117 फीसदी बढ़ गई हैं। रोजमर्रा की सभी वस्तुओं की कीमतें आसमान छू रही हैं। वस्तुओं की उपलब्धता पर ही सवालिया निशान है। क्या राष्ट्रपति ट्रंप का कोई वैश्विक सरोकार नहीं है? इजरायल की अर्थव्यवस्था का तो कचूमर निकल चुका है। वह तो 1.20 करोड़ की आबादी का छोटा-सा देश है। इजरायल को हर हफ्ते 1.6 अरब डॉलर खर्च करने पड़ रहे हैं। प्रधानमंत्री नेतन्याहू के खिलाफ भी जनता सड़कों पर उतरती रहती है। यदि की बात की जाये, तो लाखों भारतीयों को खाड़ी देश छोड़ कर भारत लौटना पड़ा है। दुबई की अति सुरक्षित वाली छवि भी खंडित हुई है। खाड़ी देशों से लाखों भारतीय लौट आये हैं। इससे नया आर्थिक संकट सामने होगा। खाड़ी में युद्ध के कारण देश में महंगाई बढ़ेगी, विकास धीमा पड़ जायेगा, बेरोजगारी बेताहाशा बढ़ेगी। रेमिटेंस घटेगा इससे विदेशी मुद्रा भंडार गिरेगा और इसका प्रतिकूल असर रुपये की स्थिरता पर पड़ेगा। कुल मिलाकर ट्रंप के युद्धोन्माद की कीमत पूरी दुनिया को चुकानी पड़ रही है।

विचार

जब कोई प्रतिभाशाली हस्ती इस दुनिया में आती है तो उसे इस लक्षण से पहचाना जा सकता है कि सभी मूर्ख लोग उसके विरुद्ध खड़े होते हैं।

-स्विफ्ट.

प्रभुता पाते ही लोगों की निगाहें बदल जाती हैं, किसी को पहचानते तक नहीं, जमीन पर पांच तक नहीं रखते।

-प्रेमचंद.

लक्ष्य को पूरा करने के लिए अपनी समस्त शक्तियों द्वारा परिश्रम करना ही पुरुषार्थ है।

-पतंजलि.

मृत्यु से नया जीवन मिलता है। जो व्यक्ति और राष्ट्र मरना नहीं जानते, वे जीना भी नहीं जानते।

-पं. नेहरू.

जो मनुष्य सचमुच में विद्वान हैं वे अपनी असफलताओं से कभी भी घबराते नहीं हैं।

-शेक्सपियर.

उम्मीदों से भरी दोस्ती की नयी शुरुआत

मनोज बाजपेयी

भारत दुनिया में सबसे अधिक आबादी वाला देश है और इस कारण भारत से बड़ी संख्या में कामगार, प्रोफेशनल्स, इंजीनियर, चिकित्सक दुनिया भर में जाते हैं। इससे उनको उच्च क्वालिटी का रोजगार मिलता है और भारत को बड़ी मात्रा में या कहें दुनिया में सबसे अधिक रेमिटेंस। इसके साथ ही भारत की संस्कृति, विचार, भाषा और परंपराओं का प्रसार भी दुनिया भर में होता है। लेकिन कई बार दूसरे देशों के साथ नेताओं की कूटनीतिक नादानी के कारण रिश्ते भी खराब हो जाते हैं। जैसे पिछले साल कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री ट्रूडो की बचकानी सियासत के कारण भारत के रिश्ते बहुत खराब हो गये थे। कनाडा भारत के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। कनाडा हर दृष्टि से बहुत ही सम्पन्न देश है और इस कारण भारत के संबंध अगर मधुर रहते हैं तो भारत को कई तरह के फायदे कनाडा से होते हैं।

पिछले वर्ष 2025 के आखिर तक कनाडा में लगभग 20 लाख (2 मिलियन) से अधिक भारतीय मूल के निवासियों के होने का अनुमान था। कनाडा में भारतीयों का इतिहास 19वीं सदी के अंत में शुरू हुआ, जब मुख्य रूप से पंजाब से सिख अप्रवासी ब्रिटिश कोलंबिया में काम करने गये। नस्लीय भेदभाव जैसे कामागाटा मारू कांड 1914 का सामना करने के बावजूद, भारतीय समुदाय ने खुद को वहां स्थापित किया और आज भारतीय मूल के नागरिक कनाडा की आबादी का एक प्रमुख, शिक्षित और प्रभावशाली हिस्सा बन गये। पिछले कुछ वर्षों में भारत और कनाडा के संबंध उथल-पुथल के दौर से गुजरे हैं। अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में यह असाधारण नहीं है कि राष्ट्रों के बीच मतभेद उत्पन्न न हों, परंतु परिपक्व नेतृत्व की कसौटी इस बात से तय होती है कि वे मतभेदों को स्थायी दरार बनने से कैसे रोकते हैं। हाल के घटनाक्रमों ने संकेत दिया है कि दोनों देश अब अतीत की कटुता से आगे बढ़कर एक संतुलित, व्यावहारिक और परिणामोन्मुख साझेदारी की दिशा में कदम बढ़ाना चाहते हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की फरवरी में भारत यात्रा और नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी विस्तृत वार्ता ने संबंधों में सुधारों का संदेश दिया है। यदि थोड़ा पीछे की ओर जाएं तो वर्ष 2023 में उपजे विवादों ने द्विपक्षीय संबंधों को स्पष्ट रूप से प्रभावित किया था। सार्वजनिक आरोप-प्रत्यारोप, राजनयिक स्तर पर सख्ती और वीजा प्रक्रियाओं में आई जटिलताओं ने दोनों देशों के बीच विश्वास की लय को बाधित किया था।

> व्यापक आर्थिक साझेदारी जैसे समझौते भविष्य में भारत-कनाडा के मध्य स्थिर, संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी आर्थिक साझेदारी की मजबूत नींव बनायेंगे। यदि दोनों देशों के नेतृत्व इस दिशा में दृढ़ रहते हैं, तो भारत-कनाडा संबंधों की यह नई पारी उम्मीदों से भरी होगी।

भारत-कनाडा संबंध

इसका प्रत्यक्ष प्रभाव उन लाखों भारतीय मूल के लोगों, विद्यार्थियों, पर्यटकों और पेशेवरों पर पड़ा, जिनके लिए कनाडा शिक्षा, रोजगार और उद्यमिता के अवसरों की भूमि रहा है। पिछले तीन वर्षों में पर्यटन वीजा के आवेदनों पर अस्वीकृतियों और प्रशासनिक विलंब ने भारत के हजारों कनाडा जाने वाले भारतीयों की उम्मीदों पर पानी फेरा है। हालांकि 2024 में, 3.74 लाख व्यक्तियों को कनाडाई नागरिकता प्रदान की गई, जिनमें से 23 फीसदी भारतीय नागरिक थे, जिनकी कुल संख्या 87812 थी। ऐसे परिदृश्य में उच्च स्तरीय संवाद की शुरूआत केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि विश्वास-निर्माण की आवश्यकता बन गई थी। इसी पृष्ठभूमि में दोनों प्रधानमंत्रियों की वार्ता ने यह स्पष्ट किया कि अतीत की असहमतियों को भविष्य की संभावनाओं पर हावी नहीं होने दिया जाएगा। 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य इसी नई सोच का द्योतक है।

भारत आज विश्व की तीव्र गति से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में अग्रणी है, जबकि कनाडा संसाधन-संपन्न, तकनीकी दक्ष और स्थिर संस्थागत ढांचे वाला देश है। यदि व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) को समयबद्ध रूप से अंतिम रूप दिया जाता है, तो कृषि, वस्त्र, फार्मास्यूटिकल्स, सूचना प्रौद्योगिकी और स्वच्छ ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में नए अवसरों का विस्तार संभव है। इसलिए यह आवश्यक है कि व्यापारिक अवरोधों में कमी लाकर और निवेश को बढ़ावा देकर दोनों देशों के उद्योग जगत को दीर्घकालिक भरोसा प्रदान किया जाए। इस नई साझेदारी में ऊर्जा सहयोग सबसे ठोस और दूरगामी आयाम बनकर उभरा है। ऐसे में कनाडा की अग्रणी कंपनी कैमको के साथ 2.6 अरब डॉलर का यूरेनियम आपूर्ति समझौता भारत की असैन्य परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं के लिए महत्वपूर्ण आधार तैयार करेगा।

2027 से 2035 तक प्रस्तावित आपूर्ति भारत की ऊर्जा सुरक्षा को स्थिरता प्रदान करेगी और स्वच्छ ऊर्जा को गति देगी। अमरीका-इजराइल बनाम ईरान युद्ध के दृष्टिगत ऊर्जा सुरक्षा आज किसी भी राष्ट्र के विकास के लिए प्राथमिक गारंटी बन चुकी है और इस संदर्भ में यह करार दीर्घकालिक महत्व रखता है। महत्वपूर्ण खनिजों और रेयर अर्थ तत्वों के क्षेत्र में सहयोग भी समान रूप से रणनीतिक है। सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रिक वाहन, ऊर्जा भंडारण और नवीकरणीय ऊर्जा उपकरणों की वैश्विक मांग से इन संसाधनों को नई ऊंचाइयां प्रदान की हैं। कनाडा के विशाल खनिज भंडार और भारत की बढ़ती विनिर्माण क्षमता एक दूसरे की पूरक बन सकते हैं। हालांकि इन सकारात्मक संकेतों के साथ कुछ यथार्थपरक चुनौतियां भी विद्यमान हैं। वीजा नीतियों में पारदर्शिता और संवेदनशीलता सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक बन चुका है। आव्रजन नीतियों में संतुलन, प्रशासनिक प्रक्रियाओं में स्पष्टता और मानवीय दृष्टिकोण इस रिश्ते की सामाजिक धुरी को सुदृढ़ करेंगे। इसी बीच कनाडा में बसने का सपना देखने वाले लोगों के लिए एक अच्छी खबर है। मार्क कार्नी की सरकार ने एक नया इमिग्रेशन का दरवाजा खोला है जिससे देश में पहले से मौजूद 33000 अस्थायी कर्मचारियों को स्थायी सदस्यता मिल सकती है। यह जानकारी इमिग्रेशन, रिफ्यूजीज एंड सिटिजनशिप कनाडा की इमिग्रेशन पर संसद को 2025 की एनुअल रिपोर्ट में दी गई है। इसी तरह कनाडा ने भारतीय छात्रों के लिए उच्च शिक्षा के मौकों को बढ़ाने के लिए 100 मिलियन डॉलर का स्कॉलरशिप प्रोग्राम शुरू किया है। इसका मकसद दोनों देशों के बीच शैक्षणिक सहयोग और रिसर्च में साझेदारी को मजबूत करना है।

आज जब वैश्विक परिदृश्य आर्थिक अनिश्चितताओं, आपूर्ति श्रृंखला व्यवधानों और भू-राजनीतिक तनावों से घिरा है, तब भारत और कनाडा जैसे लोकतांत्रिक राष्ट्रों के लिए सहयोग का मार्ग अधिक सार्थक प्रतीत होता है। व्यापार, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, शिक्षा और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के बहुआयामी आयाम इस संबंध को व्यापक आधार प्रदान करते हैं। यदि घोषित लक्ष्यों को समयबद्ध और पारदर्शी ढंग से लागू किया जाता है, तो 50 अरब डॉलर का व्यापारिक लक्ष्य और ऊर्जा, रणनीतिक साझेदारी ठोस उपलब्धियों में परिवर्तित हो सकती है। अंततः सीईपीए जैसे समझौते भविष्य में भारत-कनाडा के मध्य स्थिर, संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी आर्थिक साझेदारी की मजबूत नींव स्थापित करेंगे। यदि दोनों नेतृत्व इस दिशा में दृढ़ रहते हैं, तो भारत-कनाडा संबंधों की यह नई पारी उम्मीदों से भरी है।

(लेखक कार्यकारी संपादक हैं)

सोशल मीडिया

बिजली कंपनियों को पहले से भुगतान करने के बावजूद बिजली के लिए भटक रहे लोग प्री पेड पीड़ित कहे जाते हैं। इनमें भी सबसे अधिक दिक्कतें किरायेदारों को होती है। अखिलेश यादव.

बदलता हुआ गोरखपुर आज स्मार्ट सिटी के रूप में अपनी एक नयी पहचान स्थापित कर रहा है, माफिया मुक्त यूपी में व्यापारी सुरक्षित हैं, बेटियां स्वावलंबन की ओर बढ़ रही। सीएम योगी.

जब आदमी ईमानदारी से काम करता तो उसके परिणाम भी बेहतर आते हैं, इसलिए आप लोगों को मेरी राय है कि आप लोग भी अपना समय व्यर्थ न व्यर्थ न गवायें, काम करें। मायावती.

कालजयी विचार

विचार कालजयी होते हैं और यह समाज और मस्तिष्क को गहरे से प्रभावित करते हैं। व्यक्ति के मनोमस्तिष्क में विद्यमान विचार और चिंतन ही भविष्य के उसका व्यक्तित्व निर्धारित करते हैं। ठीक उसी तरह जैसे एक बीज आगे चलकर वट वृक्ष बनता है। उल्लसित वर्तमान और उज्जवल भविष्य का निर्धारण पूर्णतया सत् श्रद्धा के हाथ में है। उसी का महत्व, मर्म, उपार्जन, अभिवर्द्धन सिखाने के लिए भूतकाल की कथा-गाथाओं को पुरातन उपाख्यानों में पुराण के नाम से जाना और जनाया जाता है। भूत भविष्य और वर्तामन की सुखद संभावनओं का निर्माण अंतःकरण के जिस क्षेत्र से विनिर्मित होता है, उसका स्वरूप समझना हो तो एक श्रद्धा शब्द का उपयोग करने से वह प्रयोजन पूरा हो सकता है। बीज ही वृक्ष बनता है और श्रद्धा ही व्यक्तित्व का रूप धारण करती है। मनुष्य जो कुछ बनता है- जो कुछ पाता है वह समूचा निर्माण श्रद्धा शक्ति के चमत्कार के अतिरिक्त और कुछ नहीं है। यदि इस ब्रह्म विज्ञान के, आत्मविज्ञान के गूढ़ रहस्य को समझा जा सके तो प्रतीत होगा कि तत्वदर्शियों के वेदान्त प्रतिपादन सनातन सत्य की अयमात्मा ब्रह्म प्रज्ञानं ब्रह्म, तत्वमसि, सोहम, शिवोहम, सच्चिदानन्दोहम, आदि सूत्र में घोषित किया है। पतन से बचने और उत्थान अपनाने का सुनिश्चित उपाय बताते हुए शस्त्रकार इस उत्तरदायित्व को मनुष्य के अपने कंधों पर ही लाद देते हैं, वे कहते हैं- उद्धरेत् आत्मनात्मानं अवसादयेत् अर्थात अपना उद्धार आप करो- अपने को गिराओ मत। उसका सुनिश्चित मत है कि उत्थान पतन की मुहिम हर मनुष्य स्वतः संभालता है। परिस्थितियां तो उसका अनुगमन भर करती हैं।

दिशा निर्धारण और प्रगति प्रयास अपना होता है। साधन और सहयोग तो उसी चुम्बकत्व के सहारे खिंचते भर चले आते हैं। उत्थान या पतन में से जो भी अपना मन्तव्य हो-व्यक्तियों, साधनों एवं परिस्थितियों का सरंजाम भी उसी स्तर का होता चला जाता है। श्रद्धा की इसी गरिमा को देखते हुए अध्यात्म शास्त्र ने मानवी सत्ता में विद्यमान साक्षात् ईश्वरीय शक्ति के रूप में अभिवन्दन किया है। श्रद्धा वह प्रकाश है जो आत्मा की, सत्य की प्राप्ति के लिए बनाये गये मार्ग को दिखाता रहता है। जब भी मनुष्य एक क्षण के लिए लौकिक चमक-दमक, कामिनी और कंचन के लिए मोहग्रस्त होता है तो माता की तरह ठण्डे जल से मुंह धोकर जगा देने वाली शक्ति यह श्रद्धा ही होती है। सत्य के सद्गुण ऐश्वर्य स्वरूप एवं ज्ञान की चाह अपनी बुद्धि से नहीं मिलती, उसके प्रति सविनय प्रेम भावना विकसित होती है। उसी को श्रद्धा कहते हैं। श्रद्धा सत्य की सीमा तक साधक को साधे रहती है, संभाले रहती है। श्रद्धा के बल पर ही मलिन चित्त अशुद्ध चिंतन का परित्याग करके बार-बार परमात्मा के चिंतन में लगा रहता है।

अंतर्दृष्टि

सरकार गिराने की चाल

व्यंग्यलोक

मैंने अपने मित्रों से बात की या तो सरकार गिराने की चालें चलो अथवा दल बदलो, मेरा तो इस दलदल में अब दम घुटने लगा है। पूरी तरह सूखा मरूस्थल है। कण्ठ सूखे जा रहे हैं। दबे स्वर में सभी मित्रों-सहयोगियों ने स्वीकार किया कि स्थिति बड़ी विकट है। उनकी हालत भी बड़ी खराब थी, वे भी आत्म-मंथन में यही कैवल्य प्राप्त कर सके थे। सभी सत्ता के लिए लालायित थे और गलत भी नहीं था। लम्बे समय तक निर्विघ्न सरकार चलती रहे, यह हमारे मिजाज के प्रतिकूल था। एक दिन मैंने हिम्मत करके हाईकमान से ही कहा- आत्म-मंथन के इस लम्बे दौर से तो पार्टी के संगठन पर कुप्रभाव पड़ सकता है और पार्टी टूट सकती है। इसलिए हमें आत्म-मंथन के कीचड़ से बाहर निकालिये। वे बोले- घबराओ नहीं, कीचड़ में कमल खिलता है। मैंने कहा- वह तो खिला हुआ है। गठबंधन के लोग गुलछर्रें उड़ा रहे हैं और हम मरूस्थल में पानी की चाहना में भटक रहे हैं। पार्टी हाईकमान ने मुझसे कहा- यह अनुशासनहीनता है। तुम्हारे खिलाफ कार्यवाही हो सकती है। अपनी जबान को लगाम दो और चुपचाप आत्म-मंथन में तल्लीन हो जाओ। मैं बोला- मेरा धैर्य जवाब दे रहा है और अब मैं ज्यादा आत्म-मंथन नहीं कर सकता। वे बोले-तुम सत्तालोलुप हो-सत्तारूढ़ दल से मिल गये हो। पार्टी से बाहर जाना चाहते हो। मैं जोरों से चिल्लाया- हाँ-हाँ मैं बाहर जाना चाहता हूँ। मुझे सत्ता चाहिए। ऐसे तो मैं डूब जाऊँगा। मैं जनसेवा करने नहीं, अपनी सेवा के लिए आया हूँ राजनीति में। इतना सुनना था कि उन्होंने मुझे पार्टी से छः वर्ष के लिए निकाल दिया तथा मेरे साथ मेरे आठ साथियों को भी। अब तो मजे हो गये। मैं नेता बन गया था। गठबंधन में कुछ दल, दलदल पैदा कर रहे थे। उनको मेरी सख्त आवश्यकता थी। मैंने भी सोचा-आत्म-मंथन किया और पाया कि समर्थन देकर यदि मंत्री पद मिलता है तो मनचाहे कार्य पूरे हो जायेंगे। मैंने समर्थन दे दिया। सरकार गिरते-गिरते बच गयी। मैं भी गिरा, लेकिन सँभल गया। वे लोग अभी भी आत्म-मंथन कर रहे हैं। लेकिन आत्म-मंथन जो मैंने किया और उससे जो निकला, वह लाभदायी था और मैं प्रसन्न था। मेरे साथ जो लोग आत्म-चिंतन कर आये थे, वे भी सुखी थे। आत्म-मंथन के दलदल से निकलकर सत्ता की मलाई क्या चाटने लगा मेरी सारी मनोकामना पूरी हो गयी। इति आत्म-चिंतन पुराण।

पूरन सरमा

गायब होने के कगार पर है 'शाही कठफोड़वा' पक्षी

वन्य जीवन

एक समय था, जब ये हरीभरी धरती रंग-बिरंगे पक्षियों से गुलजार थी। लेकिन पिछली एक शताब्दी में शिकारियों ने, तस्करों ने, बदले हुए पारिस्थितिकी ने, ग्लोबल वार्मिंग ने और ग्रीन हाउस गैसों ने पक्षियों का जीना हराम कर दिया है। पिछले सौ सालों में धरती से अगर सबसे ज्यादा कोई जीव प्रजाति गायब हुई है, तो वे पक्षी हैं। अब तक पूरी दुनिया से 10 लाख से ज्यादा वन्यजीव प्रजातियां या तो गायब हो चुकी हैं या इसके कगार पर पहुंच गई हैं। 'स्टेट ऑफ इंडियाज बर्ड्स' रिपोर्ट के मुताबिक सबसे ज्यादा खतरे की तलवार रैप्टर और बत्तखों की विभिन्न प्रजातियों पर लटक रही है। लेकिन हाल के दिनों में तेजी से गायब होती गौरैय्या और कठफोड़वा खासकर शाही कठफोड़वा भी इसी संकट से जूझते पाए गए हैं। भारत में पिछले एक दशक में जो करीब 1400 पक्षी प्रजातियां गायब हो गई हैं या गंभीर स्थिति में पहुंच गई हैं, उनमें सबसे ज्यादा मैदानी इलाकों में अपनी उपस्थिति से वातावरण को गुलजार करने वाले रंग-बिरंगे पक्षी हैं। कठफोड़वा भी इनमें से ही एक है। एक जमाना था जब हम अपने आसपास कभी न कभी इस विशेष योद्धा पक्षी को कठोर पेड़ों के तनों से मुठभेड़ करते हुए देख लेते थे, उसकी रंग-बिरंगे शाही चोंच और एक खास खनकभरी आवाज से इलाका गूंजता रहता था, लेकिन अब ये कठफोड़वा शायद ही किसी भाग्यशाली को दिखता हो। भारत में 32 कठफोड़वा प्रजातियां हैं, लेकिन इनमें सबसे खास और दुर्लभ प्रजाति शाही कठफोड़वा की है, जो मैक्सिको के कैम्पेफिलस इम्पीरियलिस प्रजाति का ही विस्तार है। मगर अब बहुत मुश्किल से ही देखने को मिलता है। वास्तव में यह शाही कठफोड़वा बेखौफ अंदाज में पेड़ों के कठोर से कठोर तनों पर चोंच मारने, उसमें छेद कर देने और फिर एक गहरी लय के साथ अपनी निकाली गई आवाज के लिए जाना जाता है। सभी कठफोड़वा ज्यादातर समय पेड़ के तनों पर ही रहते हैं और कीड़ों को खोजने के लिए पेड़ों-पेड़ों का चक्कर लगाते हैं। ये कठफोड़वा आराम से अपने रहने के लिए शानदार घोंसला बनाते हैं। इनका घोंसला पेड़ों के तनों में चोंच से मार मारकर बनाया गया घोंसला होता है। यह गर्मी, सर्दी, बारिश और आंधी से पूरी तरह से सुरक्षित होता है। बस इनके घोंसलों में सांप के घुसने की ही आशंका रहती है, जो इनके अंडों को खा जाता है। इस समय जिस कठफोड़वा को लेकर पक्षी विशेषज्ञों में सबसे ज्यादा चिंता जतायी जा रही है, वह वास्तव में यही शाही कठफोड़वा है। माना जाता है कि भारत में अब मुश्किल से दो तीन दर्जन ही ये कठफोड़वा बचे हैं। पहले पूरे मैक्सिको के जंगलों में यह कठफोड़वा प्रजाति भरपूर रूप से पायी जाती थी, लेकिन वनों की कटाई और अंधाधुंध शिकारियों द्वारा इनका किया गया शिकार अब मैक्सिको में भी इसे लगभग विलुप्त कर दिया है। दुनिया की जो सबसे ज्यादा संकटग्रस्त पक्षी प्रजातियां हैं, उनमें कठफोड़वा भी आता है। इनके अलावा साइबेरियन सफेद क्रेन जैसा प्रवासी पक्षी भी संकट में है। कठफोड़वा को तो लेकर यहां तक आशंकाएं जतायी जा रही हैं कि विशेष हाथी दांत वाला कठफोड़वा तो अब शायद गायब ही हो चुका है। क्योंकि यह सबसे ज्यादा अमरीका के लुईसियाना में हुआ करता था, लेकिन अब वहां यह एक भी देखने को नहीं मिल रहा। भारत में कठफोड़वा की जो कई प्रजातियां खतरे से घिरी हुई हैं, उसमें सफेद और काली चोंच वाले तथा लाल और पीली कलगी वाले कठफोड़वा सबसे ज्यादा संकट में है। गौरतलब है कि कठफोड़वों की पायी जाने वाली सभी प्रजातियां बेहद रंग-बिरंगी होती हैं। सब प्रजातियों की चोंच में थोड़ा बहुत फर्क है और इसी की बदौलत इनकी पहचान और वर्गीकरण होता है। ग्रेट स्लेटी से लेकर सबसे छोटी पिक्यूलेट्स तक और सबसे आम ब्लैक-रम्प्डसे फ्लेमबैक लेकर सबसे दुर्लभ अंडमान की कठफोड़वा प्रजातियां तक सबकी सब संकट में हैं। दुनियाभर में कठफोड़वा 180 प्रजातियों के पाये जाते हैं, लेकिन अब पूरी दुनिया में कोई 27-28 प्रजातियां ही बची हैं। कठफोड़वा सबसे सुंदर पक्षियों में से एक है। यह काफी खुशमिजाज पक्षी भी माना जाता है क्योंकि अकसर ये सूखे तने में चोंच मार मारकर थक जाता है तो लंबी सांस लेकर लय में आवाज निकालता है। लेकिन यह खुशमिजाज पक्षी अब धीरे-धीरे लुप्त हो रहा है। **इमेज.**

आप की बात

जलवायु परिवर्तन

जलवायु परिवर्तन का संकट अब सीधे-सीधे मानव समाज के अस्तित्व के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। इसलिए इससे निपटने, लोगों को जागरूक करने और सरकार के नियोजित प्रयासों की तुरंत जरूरत है। देश के कई इलाके जलवायु परिवर्तन के शिकार हैं सो संबंधित राज्यों को समय रहते इससे पैदा होने वाले खतरों से निपटने की दिशा में ठोस पहल करनी चाहिए, लेकिन इस संदर्भ में विशेष चेतना तथा कार्य प्राथमिकता बहुत कम राज्यों में दिखती है। लगभग सभी राज्यों के पास कथित तौर पर जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों से निपटने की ठोस योजनाएं है। बेशक कोई राज्य अतिवृष्टि, बाढ़ से अधिक प्रभावित होता है तो कोई सूखे, लू, बर्फबारी, भूस्खलन से, किसी को कोई अन्य पर्यावरणीय परेशानी है, सबब यह कि राज्यों की नीतियां भी उनके अनुरूप बनाई गई हैं। मगर जलवायु परिवर्तन एक मूल कारण है और बाकी उसके लक्षण, प्रकार या विभेद। राज्यों को प्रकार और विभेदों से निपटने की रणनीति के साथ मूल समस्या से लड़ने की भी मजबूत योजना बनानी होगी। लेकिन जलवायु परिवर्तन के खतरे के इतने नजदीक आने के बावजूद ज्यादातर राज्य अपनी योजनाओं को लेकर बस कदमताल करते दिखते हैं। उन्हें अपने ही निर्धारित क्लाइमेट एजेंडा की गंभीरता के प्रति बहुधा उदासीन देखा गया है। वन हरित क्षेत्र को दूने से ज्यादा बढ़ाना, राजस्व अभिलेखों में दर्ज तालाबों और सूख चुके जल स्त्रोतों को पुनर्जीवित करना, सिंगल यूज प्लास्टिक का प्राकृतिक वैकल्पिक समाधान देना, इनमें कितने राज्य सफल हो पाए। रसायन एवं खाद्य उद्योग में बायोमास, कोयला, बिजली, गैस फीडस्टाक, हाईड्रोजन, रिफाइंड लिक्विड आदि की वास्तविक खपत विभिन्न उद्योंगों में जीवाश्म ईंधन के इस्तेमाल संबंधी आंकड़े और तय समय में उसकी कमी कौन आंक रहा है। ई-वेस्ट, बायोमेडिकल वेस्ट, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के मामले में अधिकांश राज्यों का प्रदर्शन बहुत प्रशंसनीय नहीं है। स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण, जलवायु परिवर्तन संबंधित जनजागरूकता कार्यक्रम और शैक्षणिक संस्थानों में क्षेत्र की जैव विविधता पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव पढ़ाना हो या मवेशियों, पालतू पशुओं पर इसके प्रतिकूल प्रभावों पर व्यापक शोध कराना, कौन सा राज्य किस स्तर पर कर रहा है यह जांचने से निराशा हाथ लग सकती है। ग्लोबल वार्मिक के संकट को टालने के लिए अब ईमानदारी से और दूरगामी प्रयास की जरूरत है।

ज्ञान प्रकाश सिंह, लखनऊ.

युवाओं का शोषण

उत्तर प्रदेश में सरकारी नौकरियों में खाली पदों पर भर्ती करने के बजाय प्रदेश सरकार सेवा प्रदाताओं के माध्यम से भर्तियां करती हैं। इससे जो युवा नौकरी में जाते हैं उनका दोहरा शोषण होता है। एक तो अधिकांश सरकारी सेवा प्रदाता कंपनियां युवाओं से घूस लेकर भर्तियां करती हैं, दूसरे उनको बहुत मामूली वेतन मिलता है और तीसरे उनकी नौकरी को भी हमेशा खतरा बना रहता है। यह स्थितियां इसलिए बनी हैं कि अगर सरकार सीधे संविदा पर भर्ती करे तो जो लोग एक बार भर्ती हो जायेंगे वे नौकरी में बने रहने के लिए यूनियन बनाकर शक्ति प्रदर्शन करेंगे, स्थायी करने की मांग करेंगे और फिर वेतन बढ़ाने और बात-बात पर हड़ताल भी करेंगे। कुछ लोगों की मनमानी के कारण आज पूरा युवा परिणाम भुगत रहा है। सरकार अपनी तरफ से संविदा नौकरियों पर भी भारी पैसा खर्च करती है, लेकिन सेवा प्रदाता कंपनी पूरा पैसा नहीं देती हैं। वह खुद भी मुनाफा काटती हैं, उसके कर्मचारी घूस लेते हैं और मामूली वेतन पर युवाओं को रखकर उनका शोषण करती हैं। युवाओं का शोषण रोकने और उनको अच्छा वेतन व सुविधाएं देने के लिए यह जरूरी है सरकार चाहे स्थायी नौकरी दे या संविदा पर रखे, लेकिन भर्तियां सीधे करें। भर्ती में बिचौलिया कंपनियों की कोई भूमिका नहीं होनी चाहिए।

महेश कुमार श्रीवास्तव, लखनऊ.

संक्षेप

निषादराज की जयंती पर धूमधाम से निकाली गई शोभायात्रा

अयोध्या। महाराजा निषाद राज की जयन्ती के अवसर रविवार को मुन्नालाल निषाद पहलवान के आवास रेतिया से महाराजा निषाद राज की भव्य झांकी व शोभायात्रा निकाली गयी जिसमे हजारो की संख्या में समाज के लोग मौजूद थे। झांकी शहर के विभिन्न इलाको से होकर निषाद भवन अयोध्या पहुंचेगी जहाँ पर सभा का आयोजन किया गया तथा 11 गरीब कन्याओं का विवाह भी सम्पन्न कराया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विनोद कुमार बिंद सांसद भदोही, विशिष्ट अतिथि बृजभूषण शहरण सिंह, पूर्व सांसद, जयप्रकाश निषाद पूर्व सांसद रहे। कार्यक्रम के संरक्षक डा. नानक सरन व श्यामलाल निषाद, अध्यक्ष अरूण कुमार निषाद पहलवान तथा अध्यक्षता अशराम निषाद, संचालन मोती राम निषाद ने किया। कार्यक्रम में दुर्गेश निषाद, गंगाराम निषाद, मनीराम निषाद, कुश निषाद, पतिराम निषाद, मुकेश निषाद प्रधान, सवारीदीन निषाद प्रदीप निषाद, भगवानदीन निषाद, हरीश निषाद, श्रीनाथ निषाद, रामचन्द्र निषाद, हरिप्रसाद निषाद संजय निषाद श्रीमती मंजू निषाद, रामचरन निषाद, राम कृष्ण निषाद आदि उपस्थित रहे।

अग्नि पीड़ितों से मिले सांसद अवधेश प्रसाद

अयोध्या। मिल्कीपुर तहसील के कुंभी पूरे डड़िया गांव में बीते शुक्रवार शाम लगी भीषण आग का तांडव पूरे गांव के लिए दर्दनाक त्रासदी बन गया था। आग की भवायह लपटों ने कुछ ही पलों में करीब 10 घरों को अपनी चपेट में लेकर राख में तब्दील कर दिया था। इस हृदयविदारक हादसे में एक गाय, एक बछिया और एक बछड़े की जलकर मौत हो गई, जबकि एक भैंस गंभीर रूप से झुलस गई थी। ग्रामीणों की वर्षों की मेहनत से जुटाई गई गृहस्थी और अनाज भी आग की भेंट चढ़ गया था। इस अग्निकांड में शालिक राम की फिजीशियन नस्ल की गाय, एक बछिया और एक बछड़े की जलकर मौत हो गई थी, जबकि उनकी एक भैंस गंभीर रूप से झुलसकर जिंदगी और मौत के बीच जूझ रही है। अर्जुन यादव समेत पवन, मनोज, आशीष, सुरेंद्र, लल्लू और कल्लू के घरों में रखा अनाज, कपड़े और जरूरी सामान पूरी तरह जलकर खाक हो गया था, जिससे कई परिवार खुले आसमान के नीचे जीवन बिताने को मजबूर हो गए हैं।

- आर्थिक मदद कर हर संभव दिया मदद भरोसा
- दस घरों की गृहस्थी जलकर हुई राख

घटना की सूचना मिलते ही रविवार को सांसद अवधेश प्रसाद गांव पहुंचे और पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर उनका दुख-दर्द साझा किया। उन्होंने तत्काल आर्थिक सहायता प्रदान करते हुए पीड़ितों के लिए भोजन एवं आवश्यक सामग्री की व्यवस्था भी कराई। सांसद ने संबंधित अधिकारियों से मौके पर वार्ता कर निर्देश दिया कि पीड़ित परिवारों को जल्द से जल्द सरकारी सहायता उपलब्ध कराई जाए। सांसद ने मुख्य विकास अधिकारी को अग्नि पीड़ितों को सरकारी आवास दिए जाने हेतु एक पत्र भी लिखा। उन्होंने आश्वस्त किया कि इस संकट की घड़ी में कोई भी परिवार अकेला नहीं है और हर संभव मदद दिलाई जाएगी। सपा के निवर्तमान प्रवक्ता लवलेश पांडेय ने बताया कि इस मौके वरिष्ठ सपा नेता राघवेंद्र प्रताप सिंह अनूप, पृथ्वीराज यादव, यदुनाथ यादव, रितेश यादव, शशांक शुक्ला, स्वामीनाथ यादव, गुलाब सिंह यादव, हरिशंकर यादव सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

निषादराज गुह सामाजिक समरसता व सच्ची मित्रता के प्रतीकः तेजनारायण पाण्डेय

जिला संवाददाता

अयोध्या। समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय, लोहिया भवन गुलाबबाड़ी में निषादराज गुहा एवं महर्षि कश्यप की जयंती श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें पार्टी के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम में नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने महापुरुषों के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और उनके जीवन, आदर्शों एवं समाज के प्रति योगदान पर विस्तार से चर्चा की। पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे ने कहा कि निषादराज गुहा सामाजिक समरसता और सच्ची मित्रता के प्रतीक थे, जिनका जीवन समाज को एकता का संदेश देता है। वहीं महर्षि कश्यप को सृष्टि का आधार बताते हुए उन्होंने कहा कि उनके विचार आज भी समाज को मार्गदर्शन देते हैं। महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में कहा कि इन महापुरुषों के आदर्शों को अपनाकर ही समाज में समानता, भाईचारा और न्याय स्थापित किया जा सकता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से उनके बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया।

सपा के निवर्तमान प्रवक्ता लवलेश पांडेय ने बताया कि इस अवसर पर महानगर महासचिव हामिद जाफर मिशम, जिला उपाध्यक्ष जेपी यादव, जिला उपाध्यक्ष ओ पी पासवान, जिला सचिव अंसार अहमद, जिला सचिव सीताराम यादव, प्रवीण राठौर, जगन्नाथ यादव, जितेंद्र यादव, पंकज पांडे सहित अन्य कार्यकर्ता एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने सामाजिक समरसता और एकता को मजबूत करने का संकल्प लिया।

धर्म आधारित घिनौनी राजनीति कर सपा का पीडीए बिल्कुल फर्जी साबितः वसीम राइन

बाराबंकी। सपा का पीडीए बिल्कुल फर्जी साबित हो रहा है। अखिलेश यादव शास्त्रों में इसे ही फरेब और मक्कारी कहा गया है कि संवैधानिक रूप से आपको सिर्फ हिंदू समाज में ही पिछड़ा, दलित और सवर्ण दिखता है, लेकिन मुस्लिम सहित अन्य अल्पसंख्यक समाज में नहीं है। उक्त उद्गार सट्टी बाजार स्थित आल इंडिया पसमांदा मुस्लिम महाज कार्यालय पर महाज के लोगो संबोधित करते हुए राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसीम राईन ने कहे। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा तो ज्यादा तो धर्म के आधार पर हिंदू, मुस्लिम की राजनीति अखिलेश यादव खुद कर रहे है। नाम समाजवाद और राजनीति धर्म आधारित, जैसे हिंदू समाज में अगड़ा, पिछड़ा और दलित होता है। करीब-करीब उसी तरह मुस्लिम में ये वर्ग होते हैं। धर्म आधारित घिनौनी राजनीति करते ही आपका पीडीए बिल्कुल फर्जी साबित हो जाता है। उप्र के 16 प्रतिशत वोटरों को सपा को वोट देने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। क्योंकि बसपा और कांग्रेस तो और बड़ी पसमांदा मुस्लिम विरोधी पार्टियां थीं। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री राईन ने आगे कहा कि जैसे बंगाल, बिहार, उप्र, दिल्ली, असम में कांग्रेस कई दशकों से सत्ता से बाहर है यही हाल कम्युनिस्ट पार्टी का भी कई राज्यों में हुआ है। उप्र में बसपा, बिहार में राजद और दिल्ली में आप की अब अकेले अपने दम पर भविष्य में दुबारा सत्ता में वापसी की कोई संभावना नहीं नकली पीड़ीए है। लोकसभा चुनाव में किसी पिछड़े मुस्लिम को टिकट नहीं दिया इसलिए अभी भी वक्त है कि जो पार्टी सरकार पसमांदा मुसलमानों को अपने संगठन और सरकार में हिस्सेदारी देगा पसमाँदा मुसलमान उसी को वोट और सपोर्ट करेंगा। 2027 में सिर्फ मुंगेरीलाल के सपने देखने जैसा होगा।

प्रशिक्षण वर्ग कार्यक्रम का भाजपा प्रदेश महामंत्री ने किया शुभारंभ

बाराबंकी। पंडित दीनदयाल महाप्रशिक्षण अभियान के तहत जनपद के 9 मंडलों में प्रशिक्षण वर्ग कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश महामंत्री संजय राय व विशिष्ट अतिथि एमएलसी व जिला प्रभारी अवनीश सिंह पटेल ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी व दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस दौरान केंद्र एवं प्रदेश सरकार की उपलब्धियों की एक प्रदर्शनी भी लगाई गई। प्रदेश महामंत्री ने तृतीय सत्र में बूथ प्रबंधन विषय पर अपने विचार रखते हुए कहा कि प्रत्येक बूथ संगठन की रीढ़ है। भाजपा का बूथ प्रबंधन सर्वस्पर्शी, सर्वव्यापी एवं सर्वग्राही के सिद्धांत का अनुपालन करता है। संगठन की मजबूती कार्यकताओं के समर्पण से सुनिश्चित होती है। कार्यकताओं की ऊर्जा ही संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की सबसे बड़ी शक्ति है। इसके अलावा बंकी देहात, बंकी नगर, बाराबंकी नगर, सिरौलीगौसपुर में प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किए गए। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष राम सिंह वर्मा, संतोष सिंह, अजीत प्रताप सिंह, विजय आनंद बाजपेई, शीलरत्न मिहिर, सुशील जायसवाल, अरविंद मौर्य, संदीप गुप्ता, नवीन सिंह राठौर आदि मौजूद रहे।

महादेवा घाट पहुंचा चौरासी कोसी परिक्रमार्थियों का जत्था

गोसाईंगंज अयोध्या। पौराणिक चैरासी कोसी परिक्रमा अपने पड़ाव स्थल गोसाईंगंज कस्बे के महादेवा घाट पर रविवार को पहुंची। परिक्रमार्थियों जत्था विश्व हिंदू परिषद द्वारा आयोजित हनुमान मंडल के संयोजक सुरेंद्र सिंह की अगुवाई में चल रहा है।

वही दूसरी तरफ बाबा गयादास की अगुवाई में चल रही परिक्रमा श्रृंगी ऋषि आश्रम पर पहुंची जंहा महंत महेंद्र गोस्वामी ने स्वागत किया। विश्व हिंदू परिषद के सुरेंद्र सिंह ने बताया कि यह परिक्रमा सनातन धर्म की स्थापना व विश्व के कल्याण के लिए है। परिक्रमार्थियों का जगह जगह जिस उत्साह से स्वागत हो रहा है उसे देखकर अब विश्वास हो गया है कि हिंदुस्तान को हिन्दू राष्ट्र बनने में देर नही है। परिक्रमा में पूरे देश सहित पड़ोसी देश नेपाल के भी लोग शामिल है। जत्थे ने जैसे ही कस्बे में प्रवेश किया महादेवा घाट समिति के सदस्यों व लोगो ने फूल मालाओं से स्वागत किया। सुरक्षा में जंहा कोतवाली पुलिस के एसएसआई वीरेंद्र राय, एसआई रामचन्द्र मौर्य, गोपाल मौर्या, सिपाही अनुराग राठौर के साथ कई पुलिसकर्मी लगे रहे तो वंही स्वास्थ्य विभाग की टीम भी घाट पर मुस्तैद रही।

प्राचीन शिव मंदिर का होगा कायाकल्प, श्रद्धालुओं को मिलेंगी आधुनिक सुविधाएं

अयोध्या। दशरथ समाधि स्थल के निकट स्थित प्राचीन शिव मंदिर का जल्द ही कायाकल्प किया जाएगा। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यहां लगभग 1.76 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न विकास

- प्राचीन शिव मंदिर में 1.76 करोड से विकसित होंगी यात्री सुविधाएं

कार्य कराए जाएंगे। प्रस्तावित कार्यों में यात्री हॉल, शौचालय, पेयजल व्यवस्था, इंटरलॉकिंग, लैंडस्केपिंग सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं शामिल हैं, जिससे दर्शनार्थियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। रविवार को क्षेत्रीय विधायक वेद प्रकाश गुप्त ने संबंधित अधिकारियों के साथ स्थल

का निरीक्षण कर कार्यों की रूपरेखा का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ समयबद्ध तरीके से कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए।विधायक वेद प्रकाश गुप्त ने कहा कि अयोध्या में लगातार श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ रही है, ऐसे में धार्मिक स्थलों का विकास अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्राचीन शिव मंदिर का सौंदर्यीकरण और सुविधाओं का विस्तार होने से यहां आने वाले श्रद्धालुओं को काफी राहत मिलेगी। साथ ही क्षेत्र का समग्र विकास भी सुनिश्चित होगा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि निर्माण कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और सभी कार्य मानकों के अनुरूप कराए जाएं। एई सीएनडीएस भानु प्रताप गौड ने बताया कि टेंडर प्रक्रिया चल रही है जल्द ही कार्य प्रारम्भ कर दिया जाएगा। इस दौरान विश्वनाथ सिंह, लाल साहब सिंह, सुकेश सिंह, मुन्ना सिंह, अखंड सिंह, रमेश सिंह, अजय सिंह, संतोष सिंह सहित संबंधित विभाग के अधिकारी व स्थानीय जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

पुलिस टीम पर हमला करने वाले दो युवक गिरफ्तार

बहराइच। जिले की नगर कोतवाली पुलिस ने विवाद की सूचना पर मौके पर पुलिस कर्मी पर हमला करने वाले दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। इनका पूर्व में भी अपराधिक इतिहास रहा है। पुलिस ने दोनो को मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया, जहां से उन्हें जिला कारागार भेज दिया गया है। नगर कोतवाली के किला इलाके में दो शनिवार की देर रात दो पक्षों में विवाद की सूचना पर पहुंचे उप निरीक्षक विशेष सिंह अपने हमराह सिपाहियों के साथ मौके पर पहुंचे इस दौरान विवाद कर रहे बरकत उल्ला व नजीर ने पुलिस कर्मी पर हाथ में लिया हुआ डंडा चला दिया। घटना के बाद दोनो मौके से फरार हो गए। रविवार को नगर कोतवाल प्रदीप सिंह को मुखबिर ने दोनो के त्रिमुहानी रोड के पास होने की सूचना दी, जिसके बाद उप निरीक्षक अजेश कुमार, अशोक कुमार, अमर बहादुर मिश्रा व आरक्षी शाहरुख खान, पंकज गुप्ता व संदीप पाल के साथ घेराबंदी करते हुए दोनों को हिरासत में ले लिया। नगर कोतवाल ने बताया कि बरकत पर पूर्व में भी मारपीट समेत कई अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज है।

सीईआईआर पोर्टल से ट्रेस किये 16 लाख कीमत के 78 मोबाइल

जिला संवाददाता

बाराबंकी। सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से गुम हुए 16 लाख रुपये कीमत के 78 मोबाइल को क्षेत्राधिकारी नगर ने उनके स्वामियो को सौपा। पुलिस लाइन सभागार मे प्रेस वार्ता कर रहे क्षेत्राधिकारी नगर संगम कुमार ने बताया कि मोबाइल गुम होने की प्राप्त

- सीओ संगम कुमार ने बरामद मोबाइलो को किया स्वामियो के सुपुर्द

शिकायतों के त्वरित निस्तारण हेतु सर्विलांस सेल व थाना स्तर की संयुक्त टीमों ने प्राप्त शिकायतों के आधार पर एक विशेष अभियान के तहत, सीईआईआर का उपयोग कर लगभग 16 लाख रुपये कीमत के 78 मोबाइलो को बरामद किया। बरामद मोबाइलों के वास्तविक स्वामियों को आज उनके सुपुर्द किया गया। क्षेत्राधिकारी नगर ने बताया कि अपने खोए या चोरी हुए मोबाइल की शिकायत तुरंत अपने निकटतम पुलिस स्टेशन या सीधे सीईआईआर पोर्टल पर ऑनलाइन रिपोर्ट दर्ज करें।

यह पोर्टल खोए मोबाइलो को शीघ्रता से ट्रैक करने, ब्लॉक करने और बरामद करने में मदद करता है। क्षेत्राधिकारी ने आगे बताया कि बीते 5 माह में मोबाइल रिकवरी टीम द्वारा अनुमानित 1 करोड़ 8 लाख रुपये कीमत के कुल 550 से अधिक मोबाइलो बरामद कर उनके स्वामियों के सुपुर्द किया गया है। बरामद करने वाली पुलिस टीम मे प्रभारी सर्विलांस सेल उ0नि0 अजय सिंह, उ0नि0 मिथिलेश चैहान, हे0का0 शैलेन्द्र प्रताप सिंह, मजहर अहमद, चन्द्रभान, बृजेश कुमार, का0 प्रवीण शुक्ल, शैलेन्द्र कुमार, अंकुर, रवीन्द्र कुमार सहित समस्त थानों की सीईआईआर पोर्टल टीम शामिल रहे।

एसपी ने थाना मटेरा का किया निरीक्षण

जिला संवाददाता

बहराइच। पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव द्वारा थाना मटेरा का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान महिला हेल्पडेस्क पर प्राप्त प्रार्थना पत्रों की पेंडेंसी की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया गया कि सभी प्रार्थना पत्रों को विधिवत रजिस्टर में अंकित कर समयबद्ध एवं विधिसम्मत निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा प्रत्येक प्रकरण में थाना प्रभारी स्वयं फरियादियों से फीडबैक प्राप्त करें।

आगंतुकों एवं फरियादियों के साथ शिष्ट एवं संवेदनशील व्यवहार सुनिश्चित करने, उनके बैठने की समुचित व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल उपलब्धता तथा शौचालयों की साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

मालखाने के निरीक्षण के दौरान माल को क्रमवार एवं वर्षवार सुव्यवस्थित ढंग से सुरक्षित रखने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही रजिस्टरों के सुव्यवस्थित रख रखाव पर विशेष बल दिया गया।मेस का निरीक्षण करते हुए साफ-सफाई बनाए रखने तथा निर्धारित मेन्यू के अनुसार गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। थाना परिसर, हवालात, बैरक एवं शौचालयों का निरीक्षण कर समुचित स्वच्छता, पानी की उपलब्धता एवं संसाधनों के व्यवस्थित रख-रखाव हेतु संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

साथ ही सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता एवं उनकी उचित दिशा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। थाना प्रभारी को निर्देशित किया गया कि थाने पर आने वाले सभी आगंतुकों की शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर सुनकर उनका त्वरित एवं विधिक निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, जिससे आमजन को अनावश्यक रूप से मुख्यालय न जाना पड़े। थाना परिसर स्थित मिशन शक्ति केंद्र का निरीक्षण कर उसके प्रभावी क्रियान्वयन हेतु निर्देश दिए गए तथा अभियान के अंतर्गत की गई कार्यवाहियों की समीक्षा की गई।

फतेहपुर रेल स्टेशन पर रुके 2 अहम ट्रेनें

फतेहपुर। रेलवे स्टेशन पर दो महत्वपूर्ण ट्रेनों के ठहराव की मांग को लेकर अखिल भारतीय वैश्य एकता परिषद के पदाधिकारियों ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को ज्ञापन भेजा है। यह ज्ञापन भारतीय रेलवे बोर्ड सलाहकार आलोक द्विवेदी के माध्यम से प्रेषित किया गया। संगठन का कहना है कि स्टेशन अमृत भारत योजना के तहत 55 स्टेशनों में शामिल होकर भव्य रूप से विकसित हो चुका है, लेकिन रात्रि व सांयकालीन ट्रेन सुविधाओं की कमी से यात्रियों को परेशानी हो रही है।मांगी गई ट्रेन सुविधाएंस्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस कानपुर जाने के लिए के बाद से सुबह ठहराव। इससे दैनिक यात्रियों, व्यापारियों व स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मान मिलेगामहाबोधि एक्सप्रेस प्रयागराज जाने के लिए मिनट का ठहराव। छात्रों, कामगारों व व्यापारियों को राहत मिलेगी।रेलवे स्टेशन पर वर्तमान में कानपुर व बजे बाद प्रयागराज के लिए कोई एक्सप्रेस नहीं रुकती, जिससे स्थानीय लोग कठिनाई झेल रहे हैं।अन्य मांगेंशादीपुर रेलवे क्रासिंग ऊपरीगामी सेतु निर्माण, जाम समस्या से मुक्ति के लिए।स्टेशन सौंदर्यीकरणः शहीदों, स्वतंत्रता सेनानियों व 'विजयी विश्व तिरंगा प्यारा' रचयिता श्री श्याम लाल गुप्ता के चित्र, भृगु धाम भिटौरा ओम घाट की वॉल पेंटिंग। इससे फतेहपुर का गौरवपूर्ण इतिहास जनमानस तक पहुंचेगा।नेतृत्व व उपस्थितिराष्ट्रीय महासचिव विनोद कुमार गुप्ता, युवा प्रदेश अध्यक्ष शैलेंद्र शरण सिम्पल व इंजीनियर शिवगोबिंद गुप्ता के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा गया। दैनिक यात्री जैसे दिलीप सिंह, अनुज कुमार, रामरस्तोगी, अर्पित रस्तोगी, प्रभुनारायण, मोहम्मद तस्लीम, आनंद विक्रम सिंह व सुनील बाजपेयी उपस्थित रहे।

संयुक्त पुलिस टीम ने दबोचे चार हत्याभियुक्त, आलाकत्ल बरामद

बाराबंकी। थाना सफदरगंज व स्वाट, सर्विलांस की संयुक्त पुलिस टीम ने 4 हत्याभियुक्तों को आलाकत्ल बरामद करते हुए गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बीती 4 अप्रैल 2026 को वादी मो0 वसीम पुत्र मो0 वैस निवासी ग्राम रामपुर कटरा थाना सफदरगंज ने अपने भाई मो0 आसिफ को मो0 तौफिक पुत्र मो0 अकील निवासी ग्राम रामपुर कटरा थाना सफदरगंज द्वारा साथियों संग मिलकर हत्या कर दिये जाने की तहरीर पर पुलिस टीम ने मुकदमा पंजीकृत करते हुये घटनास्थल का निरीक्षण व साक्ष्य संकलन कर अभियुक्त मो0 तौफिक पुत्र मो0 अकील, मो0 अकील पुत्र मो0 खलील, शाहरूख पुत्र मो0 कलीम, फैज पुत्र मो0 मुबारक निवासीगण रामपुर कटरा थाना सफदरगंज को आलाकत्ल एक अदद डण्डा, घटना में प्रयुक्त एक अदद सुपर स्पलेण्डर मोटरसाइकिल, 3 अदद मोबाइल बरामद करते हुये गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम मे सफदरगंज थानाध्यक्ष अमर कुमार चैरसिया, स्वाट टीम प्रभारी उ0नि0 अंकित त्रिपाठी, हे0का0 मुकेश यादव, का0 जरनैल सिंह, अभय कुमार, अंकित तोमर, सर्विलांस सेल प्रभारी उ0नि0 अजय सिंह आदि मौजूद रहे।

भाजपा का दो दिवसीय पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण वर्ग संपन्न

जिला संवाददाता

बहराइच। पंडित दीन दयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान का सफल समापन जिले के विभिन्न मण्डलों नगर प्रथम नगर द्वितीय रामगांव नवाबगंज कैसरगंज गंडारा गिरधरपुर महसी गोकुलपुर में कार्यकर्त्ताओ ने सीखा सांगठनिक कौशल पंडित दीन दयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान का दो दिवसीय प्रशिक्षण 4अप्रैल व 5 अप्रैल को संपन्न हुआ 5 अप्रैल को कार्यक्रम की शुरूआत पंजीकरण और वर्ग गीत के साथ शुरू हुआ प्रथम दिवस का प्रशिक्षण तीन सत्र में चला वक्ता के रूप में जिलाध्यक्ष बृजेश पाण्डेय जी सदर विधायक अनुपमा जायसवाल जी जिला महामंत्री रणविजय सिंह जी जिला उपाध्यक्ष राघवेंद्र सिंह जी उपस्थित होकर दीप प्रज्वलित करके सत्र को प्रारम्भ किया अपने उद्‌भोदन में कार्यकताओं को पार्टी विचारधारा इतिहास संगठन विस्तार बूथ प्रबंधन सोशल मिडिया के प्रभावी उपयोग और केंद्र व राज्य सरकार की जानकल्याणी योजनावों को आम जनता तक पहुंचाने जैसे विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गयी है बताया की प्रशिक्षण तरासाने की प्रक्रिया है जो सीखता है वो आगे बढ़ता है जो सीखना बंद कर देता है वो आगे बढ़ना भी बंद कर देता है बताया की व्यक्ति निर्माण से ही संगठन निर्माण होता है पंडित दीन दयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान को संगठन सशक्तिकरण का ऐतहासिक कदम बताते हुए हुए कहा की यह अभियान कार्यकत्तावी को विचार व्हहार और नेतृत्व तीनो स्तरो पर समृद्ध करेगा कहा की पंडित दीन दयाल उपाध्याय का अत्योदय और एकात्म मानववाद का दर्शन ही भाजपा की कार्य संस्कृति की आधार सिला है प्रथम दिवस के सत्र समाप्ति के बाद पदाधिकारी व कार्यकर्त्ता रात का भोजन करके वही रात्रि में विश्राम किया तथा 5अप्रैल को सुबह उठकर योगा करके नृत्य क्रिया करने के पश्चात पुनः सत्र प्रारम्भ हुआ दूसरे दिन 4 सत्र चला जिसके वक्ता के रूप में श्री नाथ शुक्ला जी जवाहर लाल धीवर जी राम किशोर गुप्ता जी मनीष आर्या जी उपस्थित होकर दीन दयाल उपाध्यय जी के अत्योदय के सिद्धांतो को अपनाने पर जोर दिया कार्यकताओं को बूथ प्रबंधन सरकार की उपलब्धियों को सोशल मिडिया और आर्टिफिसियल अकके प्रभावी उपयोग के बारे में शिक्षित किया जमीनी स्तर पर सेवा भाव को नई ऊर्जा देना और यक्तित्व विकास पर ध्यान ध्यान केंद्रित किया पंडित दीन दयाल जी के नाम पर कई सारी योजनाएं चलाई जा रही है समापन के बात सभी कार्यकताओं को सर्टिफिकेट प्रदान किया गया तथा प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

युवक पर चाकू से जानलेवा हमला

गोसाईंगंज अयोध्या। गोसाईंगंज कोतवाली इलाके के शेरवा घाट में एक युवक ने दूसरे युवक पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया।जिससे उसका गला कट गया और खून बहने लगा। मामले में पीड़ित की तहरीर पर केस दर्जकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। पंजाब प्रांत के फिरोजपुर जनपद के मुदकी गांव निवासी अरुण कुमार सिंह का कहना है कि वह वर्तमान समय मे चैरासी कोसी परिकर्मा मार्ग पैकेज2 शेरवाघाट पर एजेएम (क्यूसी) के पद पर कार्य करता है।

दिन में वह लगभग डेढ़ बजे मेस में अपने साथी अजीत कुमार मिश्रा, नरेंद्र कुमार व सुशील मिश्रा के साथ भोजन कर रहा था।आरोप है कि तभी मेस में काम कर रहा मदद प्रदेश निवासी युवक राकेश कुमार रजक ने अचानक उसका गला पकड़ कर चाकू से वार कर दिया।उसके साथियों ने उसे मंडलीय चिकित्सालय दर्शननगर एडमिट कराया जंहा उसका इलाज हुआ।मामले के विवेचक/चैकी प्रभारी एसआई देवेंद्र चैधरी के मुताबिक केस दर्जकर आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

संक्षेप

टेक्नो स्पार्क 50 5जी बिक्री के लिए उपलब्ध

बंगलुरु। टेक्नो स्पार्क 50 5जी आज पूरे भारत में बिक्री के लिए उपलब्ध है। जीबी $128 जीबी वेरिएंट की कीमत 16,999 रुपये है, जबकि 6 जीबी $128 जीबी मॉडल 18,999 रुपये में उपलब्ध है। इस डिवाइस को आप फ्लिपकार्ट से या देशभर के रिटेल स्टोर्स से तुरंत खरीद सकते हैं। साथ ही, 8 महीनों तक के नो-कॉस्ट ईएमआई विकल्प भी उपलब्ध हैं। टेक्नो स्पार्क 50 5जी उन लोगों के लिए बनाया गया है जो बार-बार चार्जर ढूंढने या अचानक होने वाले नुकसान की चिंता से परेशान रहते हैं। इसकी जबरदस्त 6500 एमएएच बैटरी के साथ, यह भारी उपयोग के बावजूद पूरे दिन आसानी से चलता है। इसके अलावा, मिलिट्री-ग्रेड ड्रॉप प्रोटेक्शन और मजबूत स्प्लैश व डस्ट रेटिंग इसे रोजाना के गिरने और अचानक बारिश जैसी परिस्थितियों को भी आसानी से संभालने योग्य बनाती है।

एआई के चलते आईटी क्षेत्र में छंटनी पर हस्तक्षेप की मांग

नयी दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी कर्मचारियों के संगठन नाइट्स ने प्रौद्योगिकी कंपनियों से छंटनी के बजाय कौशल विकास पर प्राथमिकता देने को कहा है। संगठन ने नीतिगत हस्तक्षेप के जरिये कार्यालय में काम करने वाले पेशेवरों की सुरक्षा के लिए कड़े उपाय और अनिवार्य विच्छेद मानदंड लागू करने की मांग की है, क्योंकि उद्योग द्वारा कृत्रिम मेधा के आक्रामक विस्तार से नौकरियों में कटौती और अनिश्चितता का माहौल पैदा हो गया है। नैसेंट इन्फॉरमेशन टेक्नोलॉजी एम्प्लॉइज सीनेट ने तर्क दिया कि हालांकि प्रौद्योगिकी कंपनियों का मुनाफा मजबूत बना हुआ है, लेकिन घटती नौकरी की सुरक्षा कॉर्पोरेट जिम्मेदारी और जवाबदेही पर गंभीर सवाल उठाती है। सबसे पहले, कंपनियों को जिम्मेदारी लेनी चाहिए। अगर वे एआई में निवेश कर रहे हैं, तो उन्हें अपने मौजूदा कार्यबल को फिर से प्रशिक्षित करने में भी निवेश करना चाहिए। नौकरियों में कटौती अंतिम विकल्प होना चाहिए, पहला नहीं। उन्होंने नीति निर्माताओं से छंटनी पर स्पष्ट दिशानिर्देश, अनिवार्य नोटिस अवधि, उचित विच्छेद वेतन और नियोक्ता की जवाबदेही लागू करके कर्मचारियों की रक्षा करने का आग्रह किया।

रॉयल एनफील्ड ने आकर्षक कलर और वैरिएंट पेश किये

लखनऊ। रॉयल एनफील्ड ने अपने 2026 हंटर 350 पोर्टफोलियो का विस्तार किया है। रॉयल एनफील्ड के चीफ कमर्शियल ऑफिसर, यादविंदर सिंह गुलेरिया ने कहा कि हंटर 350 नई पीढ़ी के राईडर्स को बहुत ज्यादा पसंद आ रही है, जो मोटरसाइकिल की सहजता, उपयोगिता और पहचान की भावना को महत्व देते हैं। शहरों की गलियों के लिए साल 2022 में लॉन्च हुई हंटर 350 की जबरदस्त सफलता के बाद रॉयल एनफील्ड ने टारमैक ब्लैक कलर में नए बेस प्रीमियम वैरिएंट के साथ नए कलरवेज मुंबई यलो और मूनशॉट व्हाइट पेश किए हैं। ये तीनों मोटरसाइकिल लखनऊ में रॉयल एनफील्ड के अल्टीमेट स्ट्रीट कल्चर प्लेटफॉर्म, हंटरहुड में प्रदर्शित की गईं। इन नए फीचर्स के साथ अब और अधिक राईडर लगातार बढ़ती हंटर ट्राईब में शामिल होंगे तथा प्योर मोटरसाइक्लिंग का शानदार स्टाईल और अनुभव शहरी बाजारों के बाहर और अधिक राईडर्स तक पहुँचेगा। दुनिया की सबसे कूल जगहों और शहरों के लिए निर्मित रॉयल एनफील्ड हंटर 350 एक लाईटवेट, फुर्तीली और स्टाईलिश मोटरसाइकिल है, जो नई जनरेशन के राईडर्स को रॉयल एनफील्ड समुदाय में शामिल कर रही है। ये राईडर केवल शहरों में चलते ही नहीं है, बल्कि अपनी मोटरसाइकिल के माध्यम से अपना व्यक्तित्व भी प्रदर्शित करते हैं। नया बेस प्रीमियम वैरिएंट हंटर की एंट्री लेवल की पेशकश को और अधिक मजबूत विज्युअल एवं इंटरफेस पैकेज प्रदान कर रहा है।

बंगाल की जनता देगी निर्णायक वोट

झारग्राम। केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने झारग्राम में एक जनसभा को संबोधित करते हुए पश्चिम बंगाल की वर्तमान स्थिति पर तीखा प्रहार किया। इस बार का चुनाव केवल राजनीतिक दलों के बीच नहीं, बल्कि बंगाल की जनता और व्यवस्था के बीच है। टीएमसी पर बंगाल के शिक्षा क्षेत्र को तबाह करने और राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू न करने का आरोप लगाया। युवा बेरोजगारी और सरकारी कर्मचारियों को सातवां वेतन आयोग न मिलने जैसे मुद्दों को भी प्रमुखता से उठाया।

शेयर बाजार में रहेगा उतार-चढ़ाव

नयी दिल्ली। स्थानीय शेयर बाजार में इस सप्ताह उतार-चढ़ाव रहने की संभावना है क्योंकि निवेशक भारतीय रिजर्व बैंक के मौद्रिक नीति संबंधी निर्णय, प्रमुख वैश्विक आर्थिक आंकड़ों और पश्चिम एशिया संघर्ष के प्रभाव पर नजर रख रहे हैं। विश्लेषकों ने यह राय जताई है।

विश्लेषकों ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों और विदेशी निवेशकों के निवेश का रुख भी बाजार की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएगा। देश में इस समय भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक सबसे महत्वपूर्ण है। निवेशक महंगाई और आर्थिक वृद्धि पर केंद्रीय बैंक के रुख को ध्यान से देखेंगे। प्रमुख नीतिगत दर रेपो में फिलहाल बदलाव की संभावना नहीं है, लेकिन कच्चे तेल की उंची कीमतों से महंगाई का दबाव बना हुआ है। वहीं विनिर्माण गतिविधियों में सुस्ती के संकेत मिल रहे हैं। ऐसे में केंद्रीय बैंक के रुख और भविष्य के अनुमान पर नजर रहेगी। वैश्विक स्तर पर अमेरिका के मार्च महीने के महंगाई आंकड़े भी महत्वपूर्ण होंगे, क्योंकि इससे वहां की मौद्रिक नीति और डॉलर की स्थिति पर असर पड़ेगा, जिसका प्रभाव भारत जैसे उभरते बाजारों पर भी पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक घटनाक्रम बाजार की धारणा को प्रभावित करने वाला प्रमुख कारक बना रहेगा। उन्होंने आगे कहा, तीन दिन के अंतराल के बाद भारतीय बाजार खुलेंगे और सप्ताहांत में युद्ध से जुड़े घटनाक्रमों के प्रति संवेदनशील रहेंगे। कच्चे तेल की कीमतों की दिशा और युद्धविराम के किसी ठोस संकेत से या तो बाजार में तेजी आ सकती है या फिर मौजूदा बिकवाली का दौर जारी रह सकता है। पिछले सप्ताह में, बीएसई के बेंचमार्क सेंसेक्स में 263.67 अंक या 0.35 प्रतिशत की गिरावट रही जबकि एनएसई निफ्टी 106.5 अंक या 0.46 प्रतिशत नुकसान में रहा। इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है और निवेशकों की धारणा पश्चिम एशिया की स्थिति से प्रभावित रहेगी। कुल मिलाकर बाजार में उतार-चढ़ाव बने रहने की संभावना है, क्योंकि भू-राजनीतिक घटनाक्रम, कच्चे तेल की कीमतों में बदलाव, विदेशी संस्थागत निवेशकों के प्रवाह और वैश्विक आर्थिक आंकड़े निवेशकों की धारणा को प्रभावित करते रहेंगे। विश्लेषकों का मानना है कि यदि पश्चिम एशिया में तनाव कम होता है तो कच्चे तेल की कीमतों में नरमी आती है तो बाजार को राहत मिल सकती है, जबकि तनाव बढ़ने की स्थिति में निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता कम हो सकती है और विदेशी निवेश पर दबाव बना रह सकता है।

भारत के साथ व्यापार, निवेश और आर्थिक संबंधों को अधिक मजबूत करने की जरूरत

ठाणे। भारत में नेपाल के राजदूत शंकर प्रसाद शर्मा ने रविवार को दोनों पड़ोसी देशों के बीच व्यापार, निवेश और आर्थिक संबंधों को और अधिक मजबूत करने की जरूरत पर बल दिया।

ठाणे में आयोजित भारत-नेपाल व्यापार कार्यक्रम और व्यापार संवर्धन पहल में शर्मा ने कहा कि दोनों देशों के व्यापारिक समुदायों को साझा वृद्धि को बढ़ाने के लिए सहयोग और साझेदारी के नए रास्ते तलाशने चाहिए। आयोजकों के अनुसार इस कार्यक्रम ने दोनों देशों के प्रमुख व्यक्तियों, व्यापारिक नेताओं और उद्योग जगत के हितधारकों को एक साथ लाने का काम किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सार्थक नेटवर्किंग और साझेदारी चर्चाओं के लिए एक साझा मंच प्रदान करना था। क्षेत्र में भारत के समग्र रणनीतिक हितों के लिहाज से नेपाल, भारत के लिए महत्वपूर्ण है, और दोनों देशों के नेताओं ने अक्सर सदियों पुराने रोटी-बेटी के संबंधों का उल्लेख किया है।

फसलों को हुए नुकसान का लिया गया जायजा

नयी दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को कई राज्यों में भारी बारिश और ओलावृष्टि से हुए नुकसान का संज्ञान लेते हुए मंत्रालय के अधिकारियों को फसल के नुकसान की व्यापक समीक्षा करने और जमीनी स्तर की जानकारी जुटाने के लिए राज्य अधिकारियों के साथ समन्वय करने का निर्देश दिया।

कृषि मंत्रालय ने बयान में कहा कि मंत्री ने संबंधित राज्य सरकारों से संपर्क कर नुकसान का आकलन तैयार करने को कहा है। मंत्री बाद में प्रभावित राज्यों के कृषि मंत्रियों के साथ बैठक कर स्थिति की समीक्षा करेंगे। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने चेतावनी दी है कि सात अप्रैल से एक नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तर-पश्चिम भारत को प्रभावित करेगा, जिससे 10 अप्रैल तक जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश में व्यापक बारिश, आंधी और ओलावृष्टि हो सकती है। कुछ क्षेत्रों में तेज हवाएं चल सकती हैं। फसलों के नुकसान का मुख्य कारण ओलावृष्टि है। सात से आठ अप्रैल को जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान में तथा रविवार को पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में ओलावृष्टि का पूर्वानुमान है।

ईंधन कीमतों में स्थिरता के बीच भारतीय ओएमसी रिफाइनरियों को रियायती दरों पर भुगतान करेंगी

नयी दिल्ली। ईंधन की कीमतों के नियंत्रणमुक्त होने के बाद पहली बार, भारत की सरकारी पेट्रोलियम विपणन कंपनियां (ओएमसी) पेट्रोल, डीजल, विमान ईंधन (एटीएफ) और केरोसिन यानी मिट्टी के तेल के लिए रिफाइनरियों को रियायती कीमत का भुगतान करेंगी।

सूत्रों ने बताया कि यह कदम खुदरा ईंधन कीमतों को स्थिर रखने के कारण होने वाले घाटे को सीमित करने के लिए उठाया गया है। इस मामले की प्रत्यक्ष जानकारी रखने वाले दो व्यक्तियों ने बताया कि पेट्रोलियम विपणन कंपनियों ने 26 मार्च को पेट्रोलियम उत्पादों के लिए ऐसी दरें तय की हैं, जो उनकी आयात लागत से 60 रुपये प्रति लीटर तक कम हैं। ये रियायती दरें 16 मार्च से प्रभावी मानी जाएंगी और इसका सबसे बुरा असर एमआरपीएल (एमआरपीएल), सीपीसीएल (सीपीसीएल) और एचएमईएल (एचएमईएल) जैसी स्वतंत्र रिफाइनरियों पर पड़ेगा। पश्चिम एशिया में संघर्ष से पहले अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें लगभग 70 डॉलर प्रति बैरल थीं, जो अब बढ़कर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई हैं। इसके बावजूद, भारत में पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है, जिससे ओएमसी को इसके प्रभाव को खुद झेलना पड़ रहा है। संघर्ष के जल्द खत्म होने के कोई आसार न देखते हुए, ओएमसी ने रिफाइनरी हस्तांतरण मूल्य (आरटीपी) पर छूट देने का निर्णय लिया है। आरटीपी वह आंतरिक कीमत है, जिस पर रिफाइनरियां अपने विपणन प्रभागों को ईंधन बेचती हैं। इस छूट के जरिये रिफाइनरियों को पेट्रोल और डीजल जैसे ईंधन के लिए आयात लागत से कम भुगतान किया जाएगा। मार्च के दूसरे पखवाड़े के लिए डीजल पर 22,342 रुपये प्रति किलोलीटर (22.34 रुपये प्रति लीटर) की छूट तय की गई थी ताकि 85,349 रुपये प्रति किलोलीटर के आरटीपी को घटाकर 63,007 रुपये प्रति किलोलीटर किया जा सके। अप्रैल के पहले पखवाड़े के लिए डीजल पर छूट 60,239 रुपये प्रति किलोलीटर तय की गई है।

मौद्रिक समीक्षा बैठक में रेपो दर को यथावत रखेगा आरबीआई : अर्थशास्त्री

मुंबई। पश्चिम एशिया संकट की वजह से मुद्रास्फीति बढ़ने की आशंका के चलते भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) अप्रैल की अपनी मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक में मुख्य नीतिगत दर रेपो को 5.25 प्रतिशत पर स्थिर रख सकता है। अर्थशास्त्रियों ने यह अनुमान जताया है।

एक दर्जन से अधिक अर्थशास्त्रियों के बीच किए गए सर्वेक्षण के अनुसार, पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव, जिंस कीमतों में अस्थिरता और मुद्रा के तेज उतार-चढ़ाव ने नीतिगत परिदृश्य को जटिल बना दिया है। ऐसे में वृद्धि दर, मुद्रास्फीति पर आरबीआई के अनुमान और नीतिगत रुख पर गहरी नजर रहेगी। इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा, कच्चे तेल की कीमतों और भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के इर्द-गिर्द अनिश्चितता को देखते हुए, आरबीआई द्वारा अप्रैल की नीति में यथास्थिति बनाए रखने और कोई भी अगला कदम उठाने से पहले मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर विचार करने की संभावना है। एसबीआई के मुख्य अर्थशास्त्री सौम्य कांति घोष ने कहा कि दरों को स्थिर रखने की घोषणा करते समय आरबीआई अपनी टिप्पणी में काफी सावधानी बरतेगा। उन्होंने कहा, भारत मौजूदा संकट से अछूता नहीं है। रुपया पहले ही 93 प्रति डॉलर के ऊपर बना हुआ है और कच्चा तेल 100 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर है, जिससे मुद्रास्फीति बढ़ी है। घोष ने यह भी कहा कि अनुमानित सुपर अल नीनो भी मुद्रास्फीति पर दबाव डालेगा। क्रिसिल की प्रधान अर्थशास्त्री दीप्ति देशपांडे ने कहा कि यदि मुद्रास्फीति एमपीसी के लक्ष्य के करीब रहती है, तो मौद्रिक नीति में इस झटके को नजरअंदाज करके दरों को स्थिर रखा जा सकता है। केंद्रीय बैंक ने पिछले साल फरवरी से अब तक रेपो दर में 1.25 प्रतिशत की कमी की है। हालांकि, बैंक ने अगस्त, अक्टूबर और फरवरी, 2026 की बैठक में दर को अपरिवर्तित रखा। छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की अप्रैल समीक्षा बैठक सोमवार से शुरू होगी और बुधवार को इसके नतीजे की घोषणा की जाएगी। हमें इस बार रेपो दर या रुख में किसी बदलाव की उम्मीद नहीं है। लहजा सतर्क रहेगा और आरबीआई के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) तथा मुद्रास्फीति के पूर्वानुमानों का बेसब्री से इंतजार रहेगा। एचडीएफसी बैंक की प्रधान अर्थशास्त्री साक्षी गुप्ता ने कहा कि अल्पकालिक घटनाक्रमों के आधार पर दर के बारे में फैसला करना इस स्तर पर समझदारी भरा नहीं हो सकता है।

सीआईआई ने समन्वित राजकोषीय, वित्तीय और कारोबारी प्रतिक्रिया का आह्वान किया

नयी दिल्ली। उद्योग निकाय भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने रविवार को पश्चिम एशिया संकट के प्रभाव को कम करने के लिए एक 20 सूत्रीय एजेंडा पेश किया।

इसमें प्राथमिक बाजार में विदेशी निवेशकों के लिए दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ कर (एलटीसीजी) से अस्थायी छूट, समयबद्ध संघर्ष से जुड़ी आपातकालीन ऋण सुविधा गारंटी योजना (सीएल- ईसीएलजीएस) शुरू करने और सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) के लिए तीन महीने तक ऋण स्थगन जैसे उपायों की मांग की गई है। सीआईआई ने प्रस्ताव दिया कि प्राथमिकता क्षेत्र ऋण (पीएसएल) मानदंडों पर पुनर्विचार किया जा सकता है, ताकि बैंक बाहरी व्यवधानों के दौरान क्षेत्र-विशिष्ट तनाव के प्रति अधिक लचीले ढंग से प्रतिक्रिया दे सकें। इसके अलावा, संगठन ने सुझाव दिया कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) एमएसएमई और अन्य प्रभावित क्षेत्रों के लिए एक विशेष पुनर्वित्त खिड़की स्थापित कर सकता है। सीआईआई ने सुझाव दिया कि बढ़ती वैश्विक अनिश्चितता के दौरान प्राथमिक बाजारों में विदेशी पूंजी प्रवाह बनाए रखने के लिए वित्त मंत्रालय विदेशी निवेशकों को प्राथमिक बाजार निवेश में दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ कर से अस्थायी छूट देने पर विचार कर सकता है। इसके लिए पात्र होल्डिंग अवधि को दो से बढ़ाकर तीन साल किया जा सकता है। सीआईआई ने कहा कि यह नपातुला प्रोत्साहन स्थिरता का संकेत देगा और धैर्यवान पूंजी को प्रोत्साहित करेगा। उद्योग निकाय ने सुझाव दिया कि वित्त मंत्रालय महामारी के दौरान लागू की गई योजना की तर्ज पर एक समयबद्ध संघर्ष से जुड़ी आपातकालीन ऋण सुविधा गारंटी योजना (सीएल-ईसीएलजीएस) शुरू करने पर विचार कर सकता है। इससे प्रभावित उद्यमों, विशेष रूप से एमएसएमई, निर्यातकों और गैस पर निर्भर क्षेत्रों को सरकारी गारंटी के माध्यम से कार्यशील पूंजी दी जा सकेगी। अन्य सुझावों में बिजली शुल्कों में अस्थायी राहत, नकद ज्ण सीमा में 20 प्रतिशत तक की वृद्धि और ज्ण प्रसंस्करण शुल्क में छूट शामिल है। सीआईआई ने लंबित माल एवं सेवा कर (जीएसटी) रिफंड और शुल्क वापसी दावों को तेजी से निपटाने का भी आग्रह किया।

पेज एक का शेष

प्रदेश में

पहचान का संकट था। जबकि आज प्रदेश के नौजवान को अन्य जगहों पर सम्मान मिलता है। आज का उत्तर प्रदेश अब उपद्रव नहीं उत्सव प्रदेश बन चुका है। अब यहां अराजकता नहीं है बल्कि यह माफियामुक्त हो चुका है। सुरक्षित माहौल में व्यापारी और बेटियों ने स्वावलंबन की नई ऊंचाई की यात्रा शुरू की है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कि जब सरकार की नीयत साफ होती है तो नजारा बदलते देर नहीं लगती। विरासत गलियारा और मल्टीलेवल पार्किंग कॉम्प्लेक्स इसका उदाहरण है। सरकार की नीयत साफ है तो विरासत गलियारा के पहले फेज का काम लगभग पूरा हो गया है। उन्होंने कहा कि 2017 के पहले इसी गोरखपुर की पहचान माफिया, मच्छर और इंसेफेलाइटिस जैसी बीमारी के चलते थी। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में डबल इंजन की सरकार ने गोरखपुर सहित प्रदेश को माफियामुक्त, उपद्रवमुक्त, दंगामुक्त, मच्छरमुक्त और इंसेफिलाइटिसमुक्त बना दिया है। उन्होंने जनता को आगाह करते हुए कहा कि संकीर्णता में उठाए गए कदम से माफिया और मच्छर को पनपने का मौका मिलता है। इसलिए लोमड़ी की तरह ताक लगाए बैठे ऐसे लोगों को अवसर नहीं देना है जो शोषण का कारण बनते थे। वे माफिया और अराजकता को प्रश्रय देते थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में माफिया और गुंडों के खिलाफ सरकार की जीरो टॉलरेंस की नीति बनी रहेगी। पुलिस को स्पष्ट हिदायत दी गई है कि जहां भी गुंडों का फन उठे, उसे कुचल दीजिए। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान का विरोध करने वाले लोगों पर निशाना साधते हुए कहा कि ये ऐसे लोग हैं जो खाएंगे हिंदुस्तान का लेकिन हिंदुस्तान का गाएंगे नहीं। उन्होंने कहा कि नया भारत इसे कतई स्वीकार नहीं करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिना भेदभाव सबको शासन की योजनाओं का लाभ मिल रहा है तो राष्ट्र के प्रतीकों, राष्ट्रगीत, राष्ट्रगान, राष्ट्रीय ध्वज और बाबा साहब आंबेडकर के बनाए संविधान को सम्मान देना होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में इंफ्रास्ट्रक्चर, स्वास्थ्य, शिक्षा, कारोबारी और जीवन सुगमता के क्षेत्र में आए उल्लेखनीय बदलाव की विस्तार से चर्चा की और कहा कि आज का गोरखपुर स्मार्ट विजन के अनुरूप आगे बढ़ रहा है। उन्होंने घंटाघर क्षेत्र में विरासत गलियारा के निर्माण और मल्टीलेवल पार्किंग कॉम्प्लेक्स को जाम की समस्या का समाधान करने वाला बताया। साथ ही कहा कि जब आवागमन सुगम होगा तो व्यापार में भी समृद्धि आएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब विरासत गलियारा बनकर तैयार होगा तो यहां की सड़क सबसे खूबसूरत होगी और यहां फिल्मों की शूटिंग भी होगी। जब विरासत गलियारा बन जाएगा तब यहां भव्य रोड शो की तैयारी करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मल्टीलेवल पार्किंग कॉम्प्लेक्स में भी विरासत गलियारा के प्रभावित दुकानदारों को जगह दी गई है। जो शेष रह जाएंगे उनका पांडेयहाता के कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स में व्यवस्थित पुनर्वास कराया जाएगा। आमजन और व्यापारियों के हित पर सरकार के रूख का ध्यान आकर्षित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि नौ साल में उनकी सरकार ने कोई भी नया टैक्स नहीं लगाया। इसके बावजूद प्रदेश की अर्थव्यवस्था को तीन गुना बढ़ाया गया है। उन्होंने नगर निगम को हिदायत दी कि कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स में व्यापारियों से अधिक किराया न लिया जाए। उतना ही किराया तय किया जाए, जितना व्यापारी आसानी से दे सकें। उन्होंने कहा कि जीआईएस सर्वे को लेकर भी उन्होंने अधिक टैक्स न लेने और अधिक लिए गए रुपये के समायोजन के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि टैक्स में राहत देने की व्यवस्था पर उनका जोर है। टैक्स की व्यवस्था ऐसी ही होनी चाहिए जैसे बादल बारिश के रूप में वापस कर देते हैं। उन्होंने कहा कि जब टैक्स का पैसा विकास और वेलफेयर की योजनाओं में खर्च होगा तो समृद्धि आएगी।

सीएम ने

समाज को जोड़ते हैं। सीएम योगी ने भारतेंदु नाट्य अकादमी में 5 से 12 अप्रैल तक चलने वाले स्वर्ण जयंती नाट्य समारोह का रविवार को शुभारंभ किया। उन्होंने कई प्रेरक बातें कहीं तो आईना भी दिखाया और चिंता भी व्यक्त की। सीएम ने अकादमी के अध्यक्ष की मांगों पर सरकार की ओर से आश्वस्त किया। अपर मुख्य सचिव से कहा कि छात्रावास बनाकर भारतेंदु नाट्य अकादमी को हैंडओवर करें। वह इसे एकेडमी के अंदर ही चलाएं। संस्कृति विभाग अन्य प्रस्तावों को भी आगे बढ़ाएगा। सीएम ने पद्म पुरस्कार के लिए डॉ. अनिल रस्तोगी को बधाई दी। सीएम ने कहा कि 1976 में देश जब आपातकाल से गुजर रहा था, तब भी भारतेंदु नाट्य अकादमी अपने पाठ्यक्रम को संचालित कर रहा था। सीएम ने आनंदमठ उपन्यास पर आधारित नाट्य मंचन की प्रस्तुति करने वाले कलाकारों की तारीफ की। सीएम ने कहा कि वंदे मातरम गीत बताता है कि राष्ट्रभक्ति व स्वराज का महत्व क्या है। सीएम ने कहा कि विदेशी हुकूमत ने बंगाल के अकाल को हल्केपन से लिया था, लोग भूखों मर रहे थे। स्पेनिश फ्लू का शिकार हो रहे थे, लेकिन अंग्रेज सरकार के कान पर जूं नहीं रेंग रही थी। 1921 के जनगणना के आंकड़े रोंगटे खड़े करने वाले थे। उस दशक में भारत की आबादी बढ़ने की बजाय घटी। 30 करोड़ से कम आबादी वाले भारत में स्पेनिस फ्लू के कारण तीन करोड़ से अधिक लोग मरे थे, विदेशी हुकूमत तब भी लगान, लूट व अत्याचार कर रहा था। वहीं सीएम ने कोरोना महामारी के हालात का जिक्र करते हुए सरकार के सकारात्मक रवैये को भी गिनाया। कहा कि जब सरकार में संवेदना होती है तो वह लड़ते-लड़ते बीमारी को भी भगा देती है। सरकार जब संवेदनाओं से भरपूर होती है तो नागरिकों के हितों की रक्षा करती है। उन्होंने कहा कि बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने बंगाल के अकाल-त्रासदी को लेकर यह उपन्यास रचा था। उसके बाद अलग-अलग कालखंड में देश को त्रासदी झेलनी पड़ी, लेकिन सरकार के स्तर पर प्रयास नहीं हुए। सीएम ने कहा कि अकाल में बंगाल और वहां के लोगों की स्थिति का दर्द इस उपन्यास में बयां किया गया। सीएम योगी ने कहा कि वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर पूरे देश में समारोह हो रहा है। भारतेंदु नाट्य अकादमी को भी हर जनपद में वंदे मातरम की प्रस्तुति करनी चाहिए। इसकी समयावधि 15 मिनट की बजाय दो घंटे होनी चाहिए।

टीएमसी पर

चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि पूरे देश ने देखा है कि मालदा में न्यायिक अधिकारियों को कैसे बंधक बनाया गया था और सवाल किया कि यह किस तरह की सरकार है जो न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा और संवैधानिक प्रक्रियाओं को सुनिश्चित नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि हम ऐसी सरकार से बंगाल की जनता की सुरक्षा की उम्मीद नहीं कर सकते। मोदी ने कहा, जब न्यायिक अधिकारी ही सुरक्षित नहीं हैं तो आप तृणमूल शासन में आम लोगों की सुरक्षा की उम्मीद कैसे कर सकते हैं? मालदा में जो हुआ वह तृणमूल के महाजंगलराज का एक उदाहरण है।

समुद्री क्षेत्र

हम एक समृद्ध भविष्य के लिए अपने समुद्री क्षेत्र की अपार क्षमता का उपयोग करना जारी रखेंगे।

ईरान ने

सुरक्षित जगह की तलाश में यहां आया था। यूएई में पेट्रोकेमिकल प्लांट में हमले के बाद लगी आगएपी की रिपोर्ट के अनुसार, संयुक्त अरब अमीरात में एक पेट्रोकेमिकल प्लांट पर हमले के बाद आग लग गई। अबू धाबी अधिकारियों ने बताया कि बोरूज प्लांट में इंटरसेप्शन के दौरान गिरे मलबे की वजह से कई जगह आग भड़क उठी। अबू धाबी मीडिया ऑफिस के मुताबिक, नुकसान का आकलन होने तक प्लांट का संचालन तुरंत प्रभाव से रोक दिया गया है। राहत की बात यह है कि अब तक किसी के घायल होने की खबर नहीं है। ईरान का दावाः दो ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टर और एक सी-130 सैन्य विमान मार गिराएईरान की सशस्त्र सेनाओं ने दावा किया है कि उसने अमेरिकी पायलट को बचाने के प्रयास को नाकाम कर दिया और इस दौरान कई अमेरिकी सैन्य विमानों को नष्ट कर दिया। यह कार्रवाई मध्य ईरान के इस्फहान के दक्षिणी इलाके में की गई।

ईरान के खातम अल-अनबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर के प्रवक्ता ने बताया कि अमेरिकी सेना ने गिराए गए पायलट को निकालने के लिए ईरान में घुसपैठ की कोशिश की थी, लेकिन ईरानी बलों ने संयुक्त अभियान चलाकर इस प्रयास को विफल कर दिया। ईरान के मुताबिक, इस कार्रवाई में दो ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टर और एक सी-130 सैन्य परिवहन विमान को निशाना बनाया गया, जो इस्फहान के दक्षिण में गिरकर जल गए। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। हिजबुल्ला का दावाः इस्राइली युद्धपोत पर हमलालेबनान के संगठन हिजबुल्ला ने दावा किया है कि उसके लड़ाकों ने लेबनान तट से 68 समुद्री मील दूर एक इस्राइली युद्धपोत को निशाना बनाया। संगठन के मुताबिक, यह पोत लेबनान पर हमले की तैयारी कर रहा था। हिजबुल्ला ने कहा कि कई घंटों की निगरानी के बाद नौसैनिक क्रूज मिसाइल से हमला किया गया और सीधा निशाना साधा गया। इस्राइल की ओर मिसाइलों की नई खेप दागी गईइस्राइली सेना ने दावा किया है कि ईरान की ओर से एक बार फिर मिसाइलें दागी गई हैं। सेना के अनुसार, एयर डिफेंस सिस्टम सक्रिय हैं और हमलों को नाकाम करने की कोशिश की जा रही है। हमने उन्हें सुरक्षित निकालाः ट्रंप ने ईरान से अमेरिकी अधिकारी की रेस्क्यू की पुष्टि कीअमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान में लापता अमेरिकी हथियार अधिकारी के सुरक्षित बचाए जाने की पुष्टि की है। यह अधिकारी अपने। एफ-15ई जेट के ईरान में गोली मारकर गिराए जाने के बाद लापता हो गया था।

कुशीनगर

ने बताया कि वह काफी समय से रिजवान की गतिविधियों पर नजर रखे हुए थे और कुशीनगर में आरोपी के होने का पता चलते ही मौके पर एक टीम भेज दी गई। सूत्रों के अनुसार, आरोपी रिजवान को पकड़ लिया गया है और उसके पास से भारी मात्रा में आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई है। पुलिस ने बताया कि आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद टीम ने आरोपी को मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (सीजेएम) की अदालत में पेश किया, जहां से ट्रांजिट रिमांड प्राप्त कर उसे दिल्ली ले जाया गया।

कुशीनगर के पुलिस अधीक्षक केशव कुमार ने इस संबंध में दिल्ली पुलिस की कार्रवाई की पुष्टि की है। आरोपी रिजवान के खिलाफ स्थानीय स्तर पर कोई मुकदमा दर्ज नहीं है। लेकिन, उसके परिजनों और उससे जुड़े लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। उत्तर प्रदेश पुलिस के अनुसार, रिजवान अहमद रोजगार के सिलसिले में करीब एक दशक पहले मुंबई गया था, हालांकि आतंकवाद से जुड़े एक अन्य मामले में नाम आने के बाद वह 2017 से 2023 तक मुंबई के केंद्रीय कारागार में बंद रहा। उस मामले की जांच के दौरान रिजवान के कमरे से विस्फोटक बरामद किए गए थे, और उसके मोबाइल नंबर से अंतरराष्ट्रीय फोन कॉल किए जाने तथा आतंकी संगठन आईएसआईएस से जुड़े होने की पुष्टि हुई थी। पुलिस के अनुसार, हालिया मामले में भी उसकी भूमिका की जांच की जाएगी। इसके अलावा यह भी पता लगाया जाएगा कि आरोपी के किन-किन संगठनों, व्यक्तियों या किसी बड़े नेटवर्क से संबंध हैं।

कार टैंकर

हो गई। हादसे में बच्चों समेत तीन लोग घायल हुए हैं। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची थाना पुलिस ने घायलों को अस्पताल भिजवाया। इनमें कुछ घायलों की हालत नाजुक बताई गई है। कार सवार मृतकों और घायलों की पहचान अभी नहीं हो पाई है। पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है।

लखनऊ ने हैदराबाद को हराया

शमी की करिश्माई गेंदबाजी के बाद पंत के अर्धशतक से एलएसजी ने एसआरएच को हराया

एजेंसी

हैदराबाद। मोहम्मद शमी (चार ओवर में नौ रन पर दो विकेट) की करिश्माई गेंदबाजी के बाद कप्तान ज्षभ पंत (50 गेंदों में नाबाद 68 रन) की जिम्मेदारी से की गई बल्लेबाजी के बूते लखनऊसुपर जायंट्स (एलएसजी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टी20 मैच में रविवार को यहां सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) को पांच विकेट से शिकस्त दी। शमी ने मैच की शुरुआत में ही अभिषेक शर्मा (शून्य) और ट्रैविस हेड (सात) की खतरनाक सलामी जोड़ी को आउट कर सनराइजर्स को बैकफुट पर धकेल दिया।

उन्होंने शानदार लाइन-लेंथ से गेंदबाजी कर सनराइजर्स के बल्लेबाजों के साथ उन्हें नजरअंदाज करने वाले राष्ट्रीय चयनकर्ताओं से भी सवाल किया। सनराइजर्स को नौ विकेट पर 156 रन पर रोकने के बाद सुपर जायंट्स ने एडेन मारक्रम के 27 गेंदों में 46 और पंत की नाबाद पारी से एक गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर जीत का खाता खोला। लक्ष्य का पीछा अंतिम ओवर में थोड़ा चुनौतीपूर्ण हो गया, जब जीत के लिए नौ रन की जरूरत थी। लेकिन कप्तान ज्षभ पंत ने जयदेव उनादकट पर दो लगातार चौके जड़कर मैच को शानदार अंदाज में समाप्त किया। पंत ने दूसरी गेंद पर टेनिस की तरह फोरहैंड स्टाइल में शॉट मारा, जबकि मिड-ऑफ के ऊपर से चौके के साथ उन्होंने मैच को खत्म किया। हर्ष दुबे और शिवांग कुमार की शानदार स्पिन गेंदबाजी के सामने पंत ने धीमी पिच पर अपने शॉट्स का चयन बेहद समझदारी से करते हुए नौ चौके लगाए। शमी की चुनौती से निपटने के बाद हेनरिच क्लासेन और नीतिश कुमार रेड्डी की आक्रामक शतकीय साझेदारी की बदौलत सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। पैंतीस साल के शमी के स्पैल के दौरान कप्तान इशान किशन (एक) प्रिंस यादव का शिकार बनकर सस्ते में पवेलियन लौटे। आक्रामक बल्लेबाज लियाम लिविंगस्टोन भी लखनऊके कप्तान ज्षभ पंत की शानदार विकेटकीपिंग का शिकार बने। शुरुआती 10 ओवर में 35 रन पर चार विकेट गंवाकर संघर्ष कर रही हैदराबाद टीम के लिए क्लासेन (41 गेंदों में 62 रन) और रेड्डी (33 गेंदों में 56 रन) ने आक्रमण ही सर्वश्रेष्ठ बचाव की रणनीति पर अमल किया। दोनों बल्लेबाजों ने पांचवें विकेट के लिए 63 गेंदों में 116 रन की रिकॉर्ड साझेदारी के दौरान सात छक्के जड़े। इन दोनों के जल्दी-जल्दी आउट होते ही लखनऊने मैच पर फिर से पकड़ बना ली और मेजबान टीम को 160 रन से नीचे रोकने में सफलता हासिल की। एसआरएच ने आखिरी पांच विकेट 2.2 ओवर में 14 रन के अंदर गंवा दिए। शमी ने चतुराई से पैर की दिशा में फुल लेंथ की गेंदबाजी करते हुए हेड को हाथ खोलने का मौका नहीं दिया।

उन्होंने पिच को भांपते हुए अपनी गेंदों की गति में बदलाव किया और अभिषेक को ऑफ स्टंप के बाहर धीमी गेंद पर चकमा दिया। बड़ा शॉट खेलने की कोशिश कर रहे अभिषेक के बल्ले का बाहरी किनारा लेते हुए गेंद शॉर्ट थर्ड मैन की दिशा में खड़े एडेन मारक्रम की ओर गई और दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी ने ड्राइव लगाकर शानदार कैच पूरा किया। अगले ओवर की पहली ही गेंद पर शमी ने धीमी गेंद फेंकी, जो टप्पा खाने के बाद और धीमी हो गई। हेड का शॉट हवा में चला गया, जिसे मिड-ऑफ पर बेहतरीन कैच में तब्दील कर दिया गया। और जब अभिषेक स्ट्राइक पर आए, तो उन्होंने ऑफ स्टंप के बाहर धीमी गेंद पर उन्हें फंसा लिया। क्लासेन और रेड्डी ने हालांकि सनराइजर्स की मैच में अच्छी वापसी कराई। पारी के 11वें से 15वें ओवर के बीच मैच का रुख बदलता नजर आया, जब सनराइजर्स ने पांच ओवरों में 79 रन बटोरे। अपने शुरुआती दो ओवरों में सिर्फ 10 रन देने वाले लेग स्पिनर दिग्वेश राठी अगले दो ओवरों में 36 रन लुटा बैठे। भारतीय तेज गेंदबाज आवेश खान और प्रिंस यादव शुरुआती ओवरों में प्रभावी दिख रहे थे, लेकिन बाद में लाइन और लेंथ से भटक गए, जिसका क्लासेन और रेड्डी ने पूरा फायदा उठाया। पहले 10 ओवर में जहां केवल एक छक्का और एक चौका लगा था, वहीं इस जोड़ी ने सात छक्के और आठ चौके जड़े।

आईपीएल के 10वें मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को 5 विकेट से हराकर सीजन की अपनी पहली जीत दर्ज की। वहीं हैदराबाद को दूसरी हार झेलनी पड़ी। हैदराबाद के होम ग्राउंड राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए इस मैच में लखनऊ ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। रफल्ठ ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 156 रन बनाए। जवाब में एलएसजी ने 19.5 ओवर में 5 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। लखनऊ की जीत में कप्तान ऋषभ पंत ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 50 बॉल पर नाबाद 68 रन बनाए। उनके अलावा ऐडन मार्करम ने 27 बॉल पर 45 रन बनाए। हैदराबाद के लिए हर्ष दूबे ने 2 विकेट झटके। ईशान मलिंगा और शिवांग कुमार को 1-1 विकेट मिला। वहीं, ईशान किशन ने निकोलस पूरन को रन आउट किया। इससे पहले, रफल्ठ के लिए हेनरिक क्लासन (62) और नीतीश कुमार रेड्डी (56) ने अर्धशतक लगाए। दोनों के बीच 5वें विकेट के लिए 116 रन की साझेदारी हुई। लखनऊ के लिए मोहम्मद शमी, प्रिंस यादव और आवेश खान ने 2-2 विकेट लिए। दिग्वेश राठी और मणिमारन सिद्धार्थ को 1-1 विकेट मिला। हर्षल पटेल को ऋषभ पंत ने रन आउट किया। हर्ष दुबे की लो फुल टॉस गेंद पर ऋषभ पंत ने जोरदार शॉट खेलते हुए सीधा ग्राउंड के नीचे की ओर चौका जड़ दिया। इस चौके के साथ ही पंत का अर्धशतक पूरा हो गया। यह उनकी 20वीं आईपीएल फिफ्टी है। हैदराबाद का पांचवां विकेट गिरा। अब्दुल समद आउट हो गए हैं। हर्ष दुबे ने फुल लेंथ की गेंद डाली, जिस पर समद ने बड़ा शॉट खेलने का प्रयास किया।

बेंगलुरु ने चेन्नई को 43 रन से दी मात

एजेंसी

बेंगलुरु। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के मैच नंबर-11 में रविवार (5 अप्रैल) को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का सामना चेन्नई सुपर किंग्स से हुआ। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला गया। मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 43 रनों से शानदार जीत हासिल की। आरसीबी ने सीएसके को जीत के लिए 251 रनों का टारगेट दिया था, जिसका पीछा करते हुए वो 207 रनों पर ढेर गई। सीएसके की मौजूदा सीजन में ये लगातार तीसरी हार रही। वहीं आरसीबी की ये लगातार दूसरी जीत रही और वो अंकतालिका में पहले नंबर पर आ गई। आईपीएल के 11वें मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने चेन्नई सुपर किंग्स को 251 रन का टारगेट दे दिया। चिन्नास्वामी स्टेडियम में उरङ ने बॉलिंग चुनी। फउइ ने 3 विकेट खोकर 250 रन बना दिए। टिम डेविड ने 21 और देवदत्त पडिक्कल ने 28 गेंद पर फिफ्टी लगाई। कप्तान रजत पाटीदार ने 48 रन बनाए।

टिम डेविड ने 17 और 18 ओवर में रजत पाटीदार को स्ट्राइक पर ही नहीं आने दिया। 18वें ओवर की पांचवीं बॉल पर अंशुल कम्बोज ने टिम डेविड को बोल्ड कर दिया। हालांकि, यह नो बॉल हो गई। डेविड ने फ्री हिट पर छक्का लगाया और टीम की डबल सेंचुरी पूरी करा दी। डेविड ने अगले ओवर में जैमी ओवर्टन के खिलाफ 30 रन बनाए और 21 गेंद पर अपनी फिफ्टी पूरी कर ली। रजत पाटीदार और टिम डेविड ने 16वें ओवर में खलील अहमद के खिलाफ 19 रन बना दिए। पाटीदार ने ओवर में 2 छक्के और 1 चौका लगाया। दोनों ने अगले ओवर में नूर अहमद के खिलाफ 21 रन बना दिए। डेविड ने लगातार 3 छक्के लगाए। 15वें ओवर में बेंगलुरु ने तीसरा विकेट गंवाया। ओवर की पहली बॉल जैमी ओवर्टन ने यॉर्कर फेंकी। देवदत्त पडिक्कल स्कूप खेलने गए, लेकिन बोल्ड हो गए। उन्होंने 50 रन बनाए। 14वें ओवर में देवदत्त पडिक्कल ने फिफ्टी लगा दी। ओवर की आखिरी गेंद पर उन्होंने सिंगल लिया और 28 गेंद पर हाफ सेंचुरी लगाई। इसी ओवर में उन्होंने कप्तान रजत पाटीदार के साथ 16 गेंद पर फिफ्टी पार्टनरशिप भी कर ली। 11वें ओवर में बेंगलुरु ने दूसरा विकेट गंवा दिया। ओवर की चौथी बॉल शिवम दुबे ने शॉर्ट पिच फेंकी। फिल सॉल्ट ने शॉट खेला, लेकिन स्क्वेयर लेग बाउंड्री पर नूर अहमद के हाथों कैच हो गए। सॉल्ट ने 46 रन बनाए। आरसीबी ने 9 ओवर के बाद 1 विकेट खोकर 87 रन बना लिए। टीम से फिल सॉल्ट फिफ्टी के करीब पहुंच गए। उनके साथ देवदत्त पडिक्कल ने हाफ सेंचुरी पार्टनरशिप कर ली। पावरप्ले में फउइ ने फिफ्टी पूरी कर ली। टीम ने 6 ओवर के बाद 1 विकेट के नुकसान पर 51 रन बना लिए। फिल सॉल्ट और देवदत्त पडिक्कल पिच पर हैं। पांचवें ओवर में आरसीबी ने पहला विकेट गंवाया। ओवर की तीसरी बॉल अंशुल कम्बोज ने शॉर्ट पिच फेंकी। विराट कोहली ने आगे निकलकर बड़ा शॉट खेला, लेकिन लॉन्ग ऑन पर शिवम दुबे के हाथों कैच हो गए। दुबे ने ही तीसरे ओवर में उनका कैच भी छोड़ा था। कोहली ने 18 गेंद पर 28 रन बनाए। तीसरे ओवर में शिवम दुबे से विराट कोहली का कैच छूट गया। ओवर की तीसरी बॉल खलील अहमद ने गुड लेंथ पर फेंकी। विराट ने शॉट खेला, लेकिन गेंद हवा में खड़ी हो गई। शिवम दुबे मिड ऑफ से बाउंड्री की ओर दौड़े, लेकिन कैच नहीं पकड़ पाए। कोहली ने अगले ओवर में मैट हेनरी के खिलाफ एक सिक्स और एक चौका लगा दिया। विराट कोहली पहले ही ओवर में रन आउट होने से बच गए।

संक्षेप

कोचर इंटरनेशनल सीरीज में पांचवें स्थान पर रहे

चीबा (जापान)। भारत के करणदीप कोचर चौथे दौर के अंतिम लम्हों में बर्डी की हैट्रिक लगाकर रविवार को यहां इंटरनेशनल सीरीज जापान गोल्फ टूर्नामेंट में पांचवें स्थान पर रहे। ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस स्मिथ ने अंतिम होल में ईगल के साथ खिताब जीता। कोचर ने अंतिम दिन बोगी रहित प्रदर्शन किया। उन्होंने चौथे, 16वें, 17वें और 18वें होल में बर्डी की और कुल 12 अंडर 272 का स्कोर बनाया। वह खिताब जीतने वाले स्मिथ से तीन शॉट पीछे रहे।

पंजाब, यूपी व अरूणाचल जूनियर हॉकी राष्ट्रीय चैंपियनशिप में जीते

रांची। पंजाब, उत्तर प्रदेश, बंगाल और अरुणाचल प्रदेश ने रविवार को यहां 16वीं हॉकी इंडिया सब जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप में जीत दर्ज की। डिवीजन ए के पूल ए में पंजाब ने महाराष्ट्र के खिलाफ 2-0 से जीत हासिल की जबकि पूल सी में, उत्तर प्रदेश ने मणिपुर को 17-1 से हराया। पूल डी में मध्य प्रदेश ने केरल को 10-1 से शिकस्त दी। पूल बी में झारखंड ने दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन और दीव हॉकी के खिलाफ 1-0 से जीत हासिल की। डिवीजन बी के पूल ए में बंगाल ने गुजरात पर 18-0 से जीत दर्ज की। पूल बी में अरुणाचल ने छत्तीसगढ़ को 5-3 से हराया।

लखनऊ के खिलाफ ईशान किशन का नहीं चला बल्ला

हैदराबाद। हैदराबाद के राजीव नगर स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच मैच खेला जा रहा है। लखनऊ ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया है। ईशान किशन का बल्ला आज भी नहीं चला। वे केवल 1 रन बनाकर आउट हो गए। प्रिंस यादव ने कमाल की गेंदबाजी करते हुए ईशान किशन को क्लीन बोल्ड कर दिया। इससे पहले उन्होंने डेब्यू मैच में ही 38 बॉल पर 80 रन की तुफानी पारी खेली थी। हालांकि, पिछले मैच में केकेआर के खिलाफ उनका बल्ला नहीं चल पाया था। वह 14 रन बनाकर आउट हो गए थे। सनराइजर्स हैदराबाद की कप्तानी फिलहाल ईशान किशन संभाल रहे हैं।

चिन्नास्वामी में राहुल द्रविड़ व अनिल कुंबले स्टैंड का आधिकारिक अनावरण

बेंगलुरु। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में राहुल द्रविड़ और अनिल कुंबले स्टैंड का रविवार को एक भावुक समारोह में आधिकारिक तौर पर अनावरण किया गया, जिसमें इन दिग्गज खिलाड़ियों के परिवार के सदस्य भी शामिल हुए।

कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) के अध्यक्ष और इन दोनों महान खिलाड़ियों के लंबे समय तक साथी रहे वेंकटेश प्रसाद और उपाध्यक्ष सुजित सोमसुंदर ने अन्य अधिकारियों के साथ मिलकर इस अनावरण समारोह की देखरेख की। केएससीए ने 14 फरवरी को घोषणा की थी कि 24,177 अंतरराष्ट्रीय रन बनाने वाले द्रविड़ और 956 अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने वाले कुंबले, तथा पूर्व भारतीय महिला क्रिकेटर शांता रंगास्वामी के नाम पर चिन्नास्वामी स्टेडियम में स्टैंड (एंड) का नाम रखा जाएगा। स्टेडियम के दूर स्थित पुराने बीईएमएल एंड का नाम बदलकर द्रविड़ के नाम पर रखा गया, जबकि पवेलियन एंड का नाम कुंबले के नाम पर कर दिया गया।

द्रविड़ ने कहा, यह मेरे लिए दूसरा घर रहा है। यह वह जगह है जहां हमने शायद अपने घरों से भी ज्यादा समय बिताया है। लेकिन यह वही स्थान भी है जिसने सचमुच मुझे वह सब कुछ दिया है जो मैं आज हूं। केएससीए और इस महान, प्रतिष्ठित मैदान ने मुझे जीवन में जो कुछ दिया है।

ग्रीन जल्द ही गेंदबाजी करते दिखेंगे : साउदी

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के गेंदबाजी कोच टिम साउदी ने रविवार को कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के सबसे मंहगे विदेश खिलाड़ी कैमरन ग्रीन ने नेट में गेंदबाजी करना फिर से शुरू कर दिया है और वह जल्द ही मैच में गेंदबाजी करते दिखेंगे। ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर ग्रीन को 25.20 करोड़ रुपये में खरीदा गया था लेकिन उन्होंने इस सत्र में अब तक गेंदबाजी नहीं की है क्योंकि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) उनकी पीठ की सर्जरी के बाद उनके कार्यभार पर नजर रख रहा है। साउदी ने केकेआर के पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच की पूर्व संध्या पर कहा, हां, ग्रीन अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं और अपने उबरने पर काम कर रहे हैं। वह खुद को गेंदबाजी करने के लिए फिर से तैयार कर रहे हैं। वह ऐसा करना जारी रखेंगे।

लखनऊ में पिकलबॉल का जलवा

खेल संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अब खेलों की तस्वीर बदलती नजर आ रही है और पिकलबॉल तेजी से लोगों की पसंद बनता जा रहा है। लखनऊ के विज्ञान पुरी महानगर स्थित स्पोर्ट्समैन एरिना में आयोजित स्टेट प्राइज मनी पिकलबॉल टूनार्मेंट ने इस नए खेल को लेकर लोगों के बीच जबरदस्त उत्साह पैदा कर दिया है। अगर मुकाबलों की बात करें तो खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन कर सबका दिल जीत लिया। मिश्रित युगल में अंशू और सं की जोड़ी ने शानदार तालमेल दिखाते हुए

स्टेट टूर्नामेंट ने बढ़ाया खेल का क्रेज

15 अंकों के साथ खिताब अपने नाम किया। वहीं वैभव और वैभवी की टीम ने भी अच्छा खेल दिखाया और 7 अंकों के साथ उपविजेता रही।

पुरुष एकल मुकाबले में रौनक चंद्रा का खेल सबसे अलग नजर आया। उन्होंने 15 अंकों के साथ जीत दर्ज की, जबकि अनिरुद्ध ने 11 अंक बनाकर दूसरा स्थान हासिल किया। अंडर-16 वर्ग में युवा खिलाड़ियों का जोश देखने लायक था। अयान सिंह ने 11 अंकों के साथ जीत हासिल की, जबकि अविरल कपूर 8 अंकों के साथ रनर-अप रहे। इन युवा खिलाड़ियों का प्रदर्शन भविष्य के लिए अच्छे संकेत दे रहा है। टूनार्मेंट के विजेताओं और उपविजेताओं को अमरेंद्र सिंह चौधरी द्वारा नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। खिलाड़ियों के चेहरों पर खुशी और आत्मविश्वास साफ झलक रहा था। आयोजकों का कहना है कि आने वाले दिनों में ऐसे और आयोजन किए जाएंगे, ताकि ज्यादा से ज्यादा युवा इस खेल से जुड़ सकें। कुल मिलाकर, यह टूनार्मेंट यूपी में पिकलबॉल के बढ़ते कदमों की एक मजबूत शुरूआत साबित हो रहा है।

टूनार्मेंट का आगाज बेहद शानदार अंदाज में हुआ। उद्घाटन समारोह में खिलाड़ियों, खेल प्रेमियों और कई गणमान्य लोगों की मौजूदगी ने माहौल को खास बना दिया। चारों तरफ जोश, ऊर्जा और प्रतिस्पर्धा की भावना देखने को मिली। यह आयोजन सिर्फ एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि प्रदेश में पिकलबॉल को नई पहचान दिलाने की मजबूत पहल के रूप में देखा जा रहा है। इस आयोजन को सफल बनाने में स्पोर्ट्समैन एरिना के साथ यूपी ओलंपिक एसोसिएशन और अन्य सहयोगी संस्थाओं का अहम योगदान रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नीरज सिंह पहुंचे, जिनका स्वागत फिल्म निमार्ता अमरेंद्र सिंह चौधरी और उनकी टीम ने गर्मजोशी से किया। मंच पर कई प्रतिष्ठित हस्तियों को भी सम्मानित किया गया।

इनमें अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी और खेल से जुड़े लोग शामिल रहे, जिन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। वक्ताओं ने कहा कि खेल न केवल फिटनेस के लिए जरूरी है, बल्कि यह अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना भी सिखाता है। समारोह का सबसे यादगार पल तब आया जब मुख्य अतिथि और अन्य मेहमान खुद कोर्ट में उतरे और टूनार्मेंट का उद्घाटन किया।

पंजाब किंग्स व कोलकाता आज आमने-सामने

एजेंसी

कोलकाता। मौजूदा सत्र में अपनी पहली जीत की तलाश कर रहे कोलकाता नाइट राइडर्स के सामने सोमवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में मौसम की मार भी चुनौती बन सकती है। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के बुलेटिन के अनुसार मैच के दौरान बारिश की काफी संभावना है। बारिश के कारण मुकाबला बाधित या रद्द होने या कम ओवरों में होने की आशंका है।

केकेआर का अगला घरेलू मुकाबला लखनऊसुपर जायंट्स के खिलाफ बृहस्पतिवार को है और इस मैच पर भी बारिश का खतरा है। पिछले सत्र में भी पंजाब किंग्स के खिलाफ केकेआर का घरेलू मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया था। तब श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली पंजाब किंग्स ने चार विकेट पर 201 रन बनाए थे। केकेआर का स्कोर जब बिना किसी नुकसान के सात रन था, तब बारिश ने खेल बाधित कर दिया और दोनों टीमों को अंक साझा करना पड़ा। आईएमडी के अनुसार, (रविवार) सुबह से लगातार बादल छाए हुए हैं और राज्य में रविवार से बृहस्पतिवार तक बारिश और तूफान के दौर चल सकते हैं जिनमें ओले और बिजली गिरने की संभावना है। बारिश की तीव्रता और क्षेत्रीय प्रभाव मंगलवार और बुधवार को चरम पर पहुंचने की संभावना है।

रविवार को बारिश के कारण दोनों टीमों को अभ्यास सत्र रद्द करना पड़ा। ईडन गार्डन्स का आउटफील्ड ढक दिया गया और मैदान में कई जगह पानी जमा हुआ दिखाई दिया। पांच-पांच ओवर के मैच के लिए कट ऑफ समय रात 10 बजकर 46 मिनट है। वहीं दूसरी ओर पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाज विजयकुमार वैशाख इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपनी गेंदबाजी में विविधता लाने के साथ लगातार 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करना चाहते हैं। दो मैच में पांच विकेट लेकर वैशाख ने पिछले सत्र के पांच मैच में लिए गए चार विकेट के मुकाबले इस सत्र में कहीं ज्यादा बेहतर प्रदर्शन किया है। उन्होंने 2023 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के साथ अपने आईपीएल सफर की शुरुआत की थी जिसके बाद वह पंजाब किंग्स में शामिल हो गए।

बल्ले से जवाब देना जारी रखूंगा : पंत

हैदराबाद। कप्तान ज्षभ पंत बाहरी आलोचनाओं से दूर रहते हुए अपने प्रदर्शन से जवाब देना पसंद करते हैं और उनके इसी तेवर ने रविवार को लखनऊसुपर जायंट्स को सनराइजर्स हैदराबाद पर पांच विकेट से रोमांचक जीत दिलाई। टी20 बल्लेबाजी शैली को लेकर हो रही आलोचनाओं के बीच, पंत ने स्पष्ट किया कि उनके लिए ड्रेसिंग रूम के अंदर की बातचीत सबसे अधिक मायने रखती है। उन्होंने मैच के बाद पुरस्कार समारोह में कहा, मैं जानता हूं कि मैं अच्छी तैयारी कर रहा हूं। मैं चाहता हूं कि मेरा बल्ला ही बोले। मेरे साथी और टीम प्रबंधन मेरी मेहनत देखते हैं, वही मायने रखता है। पंत ने 50 गेंदों में नाबाद 68 रन की संयमित पारी खेली, जिसमें नौ चौके शामिल थे। उनकी इस पारी की बदौलत सुपर जायंट्स ने सनराइजर्स के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में 157 रन का लक्ष्य एक गेंद शेष रहते हासिल कर लिया। पंत ने अपनी फॉर्म के बारे में पूछे जाने पर कहा कि उनकी तैयारी लगातार अच्छी रही है और वह टीम के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ योगदान देने पर ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने कहा, जब अंत अच्छा होता है।

मीनाक्षी, जैसमीन मुक्केबाजी चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में

उलानबटोर (मंगोलिया) पांच अप्रैल (भाषा) मीनाक्षी हुड्डा और जैसमीन लम्बोरिया के समीफाइनल में पहुंचने से भारतीय महिला मुक्केबाजों का एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन रविवार को भी जारी रहा। इन दोनों की जीत के साथ ही भारतीय महिला दल के सभी मुक्केबाजों का पदक पक्का हो गया है। मीनाक्षी ने 48 किग्रा वर्ग में जापान की युका सादामात्सु को एकतरफा मुकाबले में 5-0 से हराया। उन्होंने मुकाबले के दौरान बेहतरीन संयोजन और रिंग पर नियंत्रण का प्रदर्शन किया। जैसमीन ने 57 किग्रा वर्ग में चीन की जियी चेन को 5-0 के समान अंतर से मात देकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। पुरुष वर्ग में भी भारत का प्रदर्शन दमदार रहा। लोकेश (85 किग्रा) ने कोरिया के गिचाए किम को 5-0 से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया। इसके बाद आकाश (75 किग्रा) ने तुर्कमेनिस्तान के यहलास बगत्यारोव को 5-0 से हराया, जबकि हर्ष चौधरी (90 किग्रा) ने किर्गिज गणराज्य के तिनिस्तान अलीबायेव को पराजित कर सेमीफाइनल में जगह बनाई।

भारतीय निशानेबाज ग्रेनाडा विश्व कप में छाप छोड़ने को तैयार

एजेंसी

ग्रेनाडा (स्पेन)। भारतीय पिस्टल और राइफल निशानेबाज सोमवार से यहां होने वाले सत्र के शुरुआती आईएसएसएफ विश्व कप में पिछले साल के अपने दबदबे वाले प्रदर्शन को जारी रखने के संकल्प के साथ उतरेंगे। भारतीय पिस्टल और राइफल निशानेबाजों के लिए विश्व कप का पिछला सत्र शानदार रहा था, जहां उन्होंने लगभग हर प्रतियोगिता में दमदार प्रदर्शन करते हुए नए मानदंड स्थापित किए। मोरक्को में आयोजित शॉटगन विश्व कप में निराशाजनक शुरुआत के बाद भारतीय निशानेबाजों का सारा ध्यान पिस्टल और राइफल स्पर्धाओं पर केंद्रित है।

भारत का पिस्टल और राइफल से जुड़ी स्पर्धाओं में पारंपरिक रूप से उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा है। टीम नए सिरे से जीत की मानसिकता के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए उत्सुक होगी, जिसे ओलंपियन रिदम सांगवान, अंजुम मौदगिल और मेहुली घोष सहित देश के कुछ बेहतरीन निशानेबाजों की उपस्थिति से बल मिलेगा। टीम को हालांकि दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर और विश्व चैंपियन सम्राट राणा के अनुभव की कमी खलेगी, क्योंकि वे दल का हिस्सा नहीं हैं। राष्ट्रीय महासंघ की रोटेशन नीति के तहत राष्ट्रीय टीम के सभी सदस्यों को हुनर दिखाने का मौका सुनिश्चित करने के लिए अनुभवी पिस्टल निशानेबाज भाकर, सुरुचि इंदर सिंह और सम्राट राणा सहित अन्य खिलाड़ी मई में म्यूनिख में होने वाले पिस्टल और राइफल विश्व कप में भाग लेंगे।

सत्र के शुरुआती विश्व कप में भाग लेने वाली टीम में हालांकि सितारों की कोई कमी नहीं है। इनमें पिस्टल निशानेबाज संगवान पिछले दो वर्षों में विश्व कप में पदक से चूकने के सिलसिले को पीछे छोड़ने के साथ एशियाई खेलों में चयन के लिए अपनी दावेदारी मजबूत करने के उद्देश्य से पोडियम पर जगह बनाने के लिए उत्सुक होंगी। अनुभवी राइफल निशानेबाज अंजुम और मेहुली भी पिछले निराशाजनक प्रदर्शन के बाद नए सत्र में उतर रही हैं और इस महत्वपूर्ण वर्ष में एक मजबूत छाप छोड़ने के लिए उत्सुक होंगी। इसी तरह, 32 वर्षीय अनुभवी खिलाड़ी और महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री-पोजिशन स्पर्धा की विशेषज्ञ अंजुम निराशाजनक सत्र के बाद अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म को फिर से हासिल करने के लिए उत्सुक होंगी।

कुंभ सनातन संस्कृति की समावेशी भावना को दर्शाता है

सरकार 2027 के सिंहस्थ कुंभ मेले में भारी भीड़ को संभालने के लिए करेगी व्यापक इंतजाम

एजेंसी

नासिक। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कुंभ मेले को भारत के सांस्कृतिक लोकाचार का प्रतीक बताया और कहा कि यह विशाल समागम सनातन संस्कृति की समावेशी भावना का प्रतिनिधित्व करता है, जहाँ लोग जाति या विचारधारा के आधार पर किसी भी भेदभाव के बिना एकत्रित होते हैं। अखिल भारतीय संत समिति की बैठक के समापन समारोह को संबोधित करते हुये फडणवीस ने कहा कि राज्य सरकार ने 2027 के सिंहस्थ कुंभ मेले में भारी भीड़ को संभालने और श्रद्धालुओं के लिए सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए नासिक में व्यापक इंतजाम किए हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कुंभ एक अनूठा अवसर है, जहां सभी वर्गों के लोग एक समान रूप से भाग लेते हैं और गंगा तथा गोदावरी जैसी पवित्र नदियों के माध्यम से आध्यात्मिक शुद्धि प्राप्त करते हैं। उन्होंने कहा, यहां कोई जाति या धर्म के बारे में नहीं पूछताअ सभी एकता की भावना से एक साथ आते हैं।

उन्होंने कुंभ को भारत के सांस्कृतिक लोकाचार का प्रतीक बताते हुए कहा कि किसी भी तरह का सामाजिक भेदभाव बाद की विकृति है, जो धीरे-धीरे खत्म हो रहा है। फडणवीस ने महाराष्ट्र में लिए गए नीतिगत निर्णयों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में उनके पिछले कार्यकाल के दौरान सरकार ने गोहत्या पर प्रतिबंध लगाने वाला कानून लागू किया था और बाद में गायों को राज्य माता का दर्जा दिया था। उन्होंने कहा कि जबरन या धोखाधड़ी से किए जाने वाले धर्मांतरण को रोकने के लिए राज्य के धार्मिक स्वतंत्रता कानून के तहत कदम उठाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कानून में उन लोगों के खिलाफ सख्त कार्वाई का भी प्रावधान है, जो महिलाओं को कथित तौर पर झूठे बहाने से शादी के जाल में फंसाते हैं। उन्होंने कहा कि प्रभावित महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करने और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रावधान किए गए हैं कि ऐसे मामलों में बच्चे का धर्म उसकी मां के मूल धर्म के अनुसार ही रहे। उन्होंने कुछ व्यक्तियों द्वारा किए जा रहे पाखंड के खिलाफ भी चेतावनी दी, जिससे संत समुदाय की प्रतिष्ठा धूमिल होती है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसे तत्वों के खिलाफ सख्त कार्वाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने बाद में पत्रकारों से कहा कि एक बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें कुंभ मेले से संबंधित कई विषयों पर चर्चा की गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य इस विशाल आयोजन के प्रबंधन के साथ-साथ गोदावरी नदी को स्वच्छ और निरंतर प्रवाहित रखने के उपायों पर ध्यान केंद्रित करना था। मुख्यमंत्री ने कहा, हमने संत समुदाय से अपील की है कि कुंभ मेला कोई सरकारी आयोजन नहीं है, बल्कि सरकार केवल व्यवस्था करती हैअ यह वास्तव में संतों का समागम है, और हम उनके मार्गदर्शन के अनुसार ही कार्य करेंगे।

केरल विस चुनाव सरकार बदलने के लिए नही बल्कि राज्य का भविष्य सुधारने के लिए हैं : शाह

कोच्चि। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि केरल में होने जा रहे विधानसभा चुनाव केवल सरकार बदलने के लिए नहीं, बल्कि राज्य के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए हैं। शाह ने यहां कुन्नथुनाडु निर्वाचन क्षेत्र में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि 2014 के लोकसभा चुनावों के बाद से केरल में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के मत प्रतिशत में वृद्धि हुई है और अब राज्य में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन की सरकार का समय आ गया है। उन्होंने ईस्टर के अवसर पर ईसाई समुदाय को शुभकामनाएं दीं और उनसे केरल में सरकार बनाने के लिए राजग का समर्थन करने का आह्वान किया। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राजग का पूरे देश में सभी के लिए न्याय और किसी का तुष्टीकरण नहीं वाला रुख है। शाह ने केरल के मुख्यमंत्री और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के वरिष्ठ नेता पिनराई विजयन पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने नाम बदलने का एक नया धंधा शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि विजयन केंद्र द्वारा वित्त पोषित सभी परियोजनाओं के नाम बदलकर उनका श्रेय खुद ले लेते हैं। केरल की 140 सदस्यीय विधानसभा के लिए नौ अप्रैल को मतदान होगा जबकि मतगणना के लिए चार मई की तारीख तय की गई है।

संक्षेप

ऑक्सफोर्ड विवि पुस्तकालय हिंदू ग्रंथ शिक्षापत्री का द्विशताब्दी समारोह मना रहा

लंदन। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के बोडलियन पुस्तकालय ने विश्व के सबसे महत्वपूर्ण और दुर्लभ हिंदू धर्मग्रंथों में से एक शिक्षापत्री की 200वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में पूरे ब्रिटेन में एक ऐतिहासिक यात्रा की शुरुआत की है। पांडुलिपि की यात्रा इसकी रचना के 200 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में इस वर्ष के प्रारंभ में शुरू हुई। इस पांडुलिपि को स्वामीनारायण पंथ के नेताओं के सहयोग से देश भर के प्रमुख मंदिरों में ले जाया जाएगा ताकि अनुमानित तौर पर 20,000-30,000 लोग इस पवित्र ग्रंथ का दर्शन कर सकें। गुजरात के वडताल में सहजानंद स्वामी-भगवान स्वामीनारायण द्वारा 1826 में रचित शिक्षापत्री नैतिक और आध्यात्मिक जीवन जीने के लिए एक मार्गदर्शक के रूप में काम करती है। बोडलियन में एशियाई और मध्य पूर्वी संग्रह की क्यूरेटर डॉ. गिलियन एविसन ने कहा, ब्रिटेन भर के मंदिरों और समुदायों के साथ इस ऐतिहासिक पांडुलिपि को साझा करके, बोडलियन पुस्तकालयों को उम्मीद है कि वे इसके सांस्कृतिक महत्व और इसके स्थायी संदेश दोनों का सम्मान करेंगे। उन्होंने कहा, रचना के दो शताब्दी बाद भी, शिक्षापत्री में करुणा, नैतिक जीवन और सामाजिक सद्भाव का आह्वान जटिल होती दुनिया में प्रासंगिक है।

मोदी सरकार ने प. बंगाल को भूखा मार देने के लिए राज्य का बकाया रोका : अभिषेक

एजेंसी

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी ने रविवार को नरेन्द्र मोदी सरकार पर आरोप लगाया कि विधानसभा चुनावों में तृणमूल कांग्रेस को बार-बार सत्ता में पहुंचाने पर पश्चिम बंगाल के लोगों को भूखा मार देने के लिए उसने पिछले पांच वर्षों से राज्य का बकाया रोक रखा है।

पुरबा बर्धमान जिले के रैना में पार्टी प्रत्याशी मंदिरा डोलुई के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए, तृणमूल महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कहा कि अगर वह सच नहीं बोल रहे हैं, तो भाजपा सबूतों के साथ उनका खंडन करे और उन्हें जेल भेज दे।

उन्होंने कहा, केंद्र ने राज्य की परियोजनाओं के लिए एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की बकाया राशि जारी नहीं की है। उसने ऐसा पश्चिम बंगाल के गरीब लोगों को भूखा मारने के लिए किया है, क्योंकि उन्होंने लगातार विधानसभा चुनावों में तृणमूल कांग्रेस को सत्ता में पहुंचाया।

संघर्ष बाहरी दुनिया में नहीं, व्यक्ति के मन में चलता है : उपराष्ट्रपति

एजेंसी

नयी दिल्ली। उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने रविवार को कहा कि ध्यान से शांति, स्पष्टता और सकारात्मक दृष्टिकोण प्राप्त करने में मदद मिल सकती है तथा संघर्ष केवल बाहरी दुनिया में नहीं चलता है बल्कि यह व्यक्ति के मन में भी होता है।

उपराष्ट्रपति ने इस बात पर भी जोर दिया कि ध्यान की वास्तविक शक्ति इंसान को बदलने में निहित है। उन्होंने कहा कि ध्यान तनाव को कम करने, एकाग्रता बढ़ाने एवं भावनात्मक लचीलेपन को बढ़ाने में तथा अत्यधिक सोचने एवं अत्यधिक काम करने जैसी समस्याओं के समाधान में मदद करता है। उपराष्ट्रपति ने यहां ध्यान पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज दुनिया कई चुनौतियों से जूझ रही है।

उन्होंने कहा कि संघर्ष केवल बाहरी दुनिया में नहीं चलता है बल्कि यह व्यक्ति के मन में भी चलता रहता है। एक सरकारी बयान के अनुसार, उन्होंने कहा कि ध्यान शांति, स्पष्टता और सकारात्मक दृष्टिकोण प्रदान करके तथा दूसरों को सुनने और समझने की क्षमता को बढ़ावा देकर एक परिवर्तनकारी भूमिका निभा सकता है।

तमिल संत तिरुमूलर की शिक्षाओं को याद करते हुए, राधाकृष्णन ने इस बात पर जोर दिया कि ध्यान एक आंतरिक दीपक जलाने के समान है जो अज्ञान को दूर करता है और सत्य एवं शांति की ओर ले जाता है। उन्होंने बताया कि तिरुमूलर ने मानव शरीर को मंदिर और ध्यान को भीतर के दैवीय स्वरूप को जानने का साधन बताया था।

रेल नीर घोटाला : जांच में खुलासे से आरटीआई डेटा देने से इनकार, आईआरसीटीसी को फटकार

नयी दिल्ली। केंद्रीय सूचना आयोग ने भारतीय रेलवे की खानपान इकाई भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) को, एक आरटीआई अर्जी पर सूचना देने से इनकार करने के लिए फटकार लगाई है। उक्त अर्जी में यह सवाल किया गया था कि क्या रेलवे निविदाओं के लिए बोली लगाने वाली कंपनियों ने रेल नीर घोटाले और केंद्रीय एजेंसियों द्वारा जांच किए जा रहे संबंधित मामलों से अपने कथित संबंधों का खुलासा किया था। आरटीआई आवेदक ने आईआरसीटीसी से सवाल किया था कि क्या बोली लगाने वालों ने अपने टेंडर दस्तावेजों में अपने खिलाफ जारी केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) या प्रवर्तन निदेशालय मामलों, यदि हैं तो, का स्पष्ट उल्लेख किया है। रेल नीर घोटाला 2015 का एक भ्रष्टाचार का मामला था, जिसकी जांच सीबीआई ने की। इसमें निजी खानपान कंपनियों ने प्रीमियम ट्रेनों (जैसे राजधानी और शताब्दी) में निर्धारितै रेल नीरै पानी की जगह सस्ता बोतलबंद पानी की आपूर्ति की जिससे रेलवे को करीब 19.5 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

लोस सीट बढ़ाने का प्रस्ताव जनता को भटकाने का हथियार

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने रविवार को लोकसभा सीट की संख्या बढ़ाने के प्रस्ताव को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तीखा हमला करते हुए कहा कि वह इस कदम को जबरदस्ती थोप रहे हैं जिससे बड़े और अधिक आबादी वाले राज्यों को अधिक लाभ होगा और यह जनता का ध्यान भटकाने का हथियार मात्र है। विपक्षी दल ने यह भी आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री देश की जनता को गुमराह कर रहे हैं और भ्रामक बयान दे रहे हैं जिनका उद्देश्य धोखा देना है।

सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने कहा, प्रधानमंत्री हमेशा की तरह भ्रामक बयान देकर धोखा देने की कोशिश कर रहे हैं। उनका कहना है कि अगर लोकसभा की सीट की संख्या 50 प्रतिशत बढ़ा दी जाए और प्रत्येक राज्य की सीट की संख्या भी 50 प्रतिशत बढ़ा दी जाए तो दक्षिण भारतीय राज्यों को कोई नुकसान नहीं होगा। रमेश ने कहा, यह देश की जनता को धोखा देने का प्रयास है, जिसमें प्रधानमंत्री को अद्वितीय विशेषज्ञता प्राप्त है। उन्होंने कहा कि उदाहरण के लिए लोकसभा में उत्तर प्रदेश और केरल की सीट के बीच का अंतर वर्तमान में 60 है और मोदी के प्रस्ताव से यह अंतर बढ़कर 90 हो जाएगा।

रमेश ने कहा कि इसी तरह, उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु के बीच का अंतर 41 से बढ़कर कम से कम 61 हो जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसे और उदाहरणों को जोड़ा जा सकता है। कांग्रेस नेता ने कहा, मोदी एक ऐसे प्रस्ताव को जबरदस्ती थोप रहे हैं जिससे बड़े और अधिक आबादी वाले राज्यों को अधिक लाभ होगा। उन्होंने तर्क दिया कि केवल दक्षिण भारत ही नहीं, बल्कि पंजाब और हरियाणा जैसे राज्य और पूर्वोत्तर के राज्यों का भी सापेक्षिक प्रभाव कम हो जाएगा। रमेश ने कहा, देश गंभीर आर्थिक और विदेश नीति संकट का सामना कर रहा है। प्रधानमंत्री को सिर्फ लोकसभा और विधानसभाओं की संख्या बढ़ाने की चिंता है।

झारखंड में राजद की ताकत को नजर अंदाज नहीं किया जा सकता : तेजस्वी

एजेंसी

रांची। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी झारखंड में एक बड़ी ताकत है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष यादव रांची में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करने और राज्य में संगठन को मजबूत करने की रणनीतियों पर चर्चा करने के लिए आए थे। उन्होंने कहा, राजद का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनने के बाद झारखंड की यह मेरी पहली यात्रा है। मुझे पार्टी को आगे बढ़ाने, विस्तार करने और मजबूत करने की बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। बिहार के उप मुख्यमंत्री रह चुके यादव ने कहा कि पार्टी ने झारखंड में पिछले विधानसभा चुनावों में सात सीट पर चुनाव लड़ा था, जिनमें से दो सीट पर दोस्ताना मुकाबला हुआ था।

उन्होंने कहा, इसके बावजूद, हम चार सीट पर विजयी हुए। अगर हमें अधिक सीट दी गई होती, तो हम और अधिक सीट पर जीत दर्ज करते। यादव ने कहा कि झारखंड में राजद इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया गठबंधन) का हिस्सा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा, झारखंड में राजद एक बड़ी ताकत है।

इंटरटेनमेंट...

प्रभास की फिल्म 'फौजी' के सेट से फोटो लीक

मुंबई। प्रभास की आने वाली तेलुगू फिल्म 'फौजी' के सेट से कुछ तस्वीरें लीक हो गई हैं, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। इसे देखते हुए फिल्म के मेकर्स ने नाराजगी जाहिर की है और लीक कंटेंट फैलाने वालों के खिलाफ सख्त चेतावनी जारी की है। प्रोडक्शन हाउस का कहना है कि जो भी इन तस्वीरों को सकुर्लेट करेगा, उसके खिलाफ कड़ा एक्शन लिया जाएगा। लीक से फिल्म के अनुभव पर पड़ रहा बुरा असर फिल्म 'फौजी' के

- मेकर्स ने दी सख्त कार्रवाई की चेतावनी, बोले शेयर करने वालों पर होगा लीगल एक्शन

ऑफिशियल (ट्विटर) हैंडल से एक पोस्ट शेयर कर यूजर्स को आगाह किया गया है। मेकर्स ने लिखा, 'हमें पता चला है कि कुछ अकाउंट सेट से लीक हुई तस्वीरें फैला रहे हैं। प्लीज इसे एक सख्त चेतावनी समझें- ऐसे किसी भी कंटेंट को रिपोर्ट किया जाएगा और इसमें शामिल लोगों के खिलाफ जरूरी कार्रवाई की जाएगी।' मेकर्स का मानना है कि इन लीक्स की वजह से उस 'सिनेमैटिक एक्सपीरियंस' पर बुरा असर पड़ता है, जिसे वे बड़ी सावधानी से तैयार कर रहे हैं। डायरेक्टर ने की अपील- जादू को खराब न करें फिल्म के डायरेक्टर हनु राघवपुडी ने भी सोशल मीडिया के जरिए प्रशंसकों से सहयोग मांगा है। उन्होंने ट्वीट किया, 'हमने फौजी में अपना दिल लगा दिया है ताकि दर्शकों को कुछ खास दे सकें। सभी से विनम्र निवेदन है कि प्लीज लीक के जरिए इसका जादू खराब न करें। आइए इसे उसी तरह अनुभव करें जैसे इसे होना चाहिए, यानी सिनेमाघरों में एक साथ।

मेकर्स ने भरोसा दिलाया है कि बड़े पर्दे पर जो आने वाला है, वह लीक तस्वीरों से कहीं अधिक भव्य होगा। दशहरे पर रिलीज की योजना हालांकि अभी तक 'फौजी' की आधिकारिक रिलीज डेट का ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक मेकर्स इसे इसी साल दशहरे के मौके पर रिलीज करने की तैयारी कर रहे हैं। इस फिल्म में प्रभास के अपोजिट इमानवी नजर आएंगी। खास बात यह है कि फिल्म में जया प्रदा और मिथुन चक्रवर्ती भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। कल्कि-2 और स्पिरिट की तैयारी प्रभास आने वाले समय में 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल और 'सलार' पार्ट-2 में नजर आएंगे। इसके साथ ही उनकी चर्चित फिल्म 'स्पिरिट' 5 मार्च 2027 को रिलीज होगी। संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में प्रभास के साथ तृप्ति डिमरी लीड रोल में होंगी।

धुरंधर 2 का क्लाइमेक्स 15-20 दिन में हुआ शूट

मुंबई। फिल्म धुरंधर 2 के क्लाइमेक्स सीन को शूट करने के लिए एक्टर रणवीर सिंह ने 47-48 डिग्री तापमान में लेदर जैकेट और विग पहनकर शूटिंग की थी। यह जानकारी फिल्म के मेकअप और प्रोस्थेटिक आर्टिस्ट करनदीप सिंह ने दी। फिल्म की मेकिंग को लेकर करनदीप ने एनडीटीबी के साथ बातचीत में बताया कि फिल्म के क्लाइमेक्स सीन की शूटिंग में रिहर्सल समेत 15 से 20 दिन का समय लगा था। उन्होंने बताया कि शूटिंग लुधियाना के बाहरी इलाके में हुई, जहां तापमान 47-48 डिग्री तक पहुंच गया था। आसपास कोई छांव या पेड़ नहीं था, जिससे हालात और चुनौतीपूर्ण हो गए थे। क्लाइमेक्स सीन एक इंडस्ट्रियल सेटअप में फिल्माया गया था। सेट के चारों ओर मेटल कंटेनर, गाड़ियां और खड़ी मालगाड़ियां थीं।

फिल्म रामायण पर चीन के लोगों ने दिया रिएक्शन

मुंबई। रणवीर कपूर की फिल्म रामायण में भगवान राम का लुक हाल ही में रीवील किया गया, जिसे चीन के कथित इंटरनेट यूजर्स ने पसंद किया है। यह रिएक्शन रेडिट पर वायरल पोस्ट के जरिए सामने आए हैं, जहां लोगों ने विजुअल्स की तारीफ की, लेकिन भगवान राम के रोल के लिए एक्टर सौरभ राज जैन को बेहतर विकल्प बताया। 2 अप्रैल को रामायण के टीजर को यूट्यूब और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर रिलीज किए जाने के बाद दर्शकों के रिएक्शन लगातार सामने आ रहे हैं। इसी बीच रेडिट पर एक वायरल पोस्ट में दावा किया गया कि चीन के इंटरनेट यूजर्स भी इस टीजर पर रिएक्शन दे रहे हैं।

रश्मिका मंदाना की फिल्म 'मायसा' का नया पोस्टर रिलीज

मुंबई। एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना के 30वें जन्मदिन के मौके पर उनकी अगली फिल्म 'मायसा' के मेकर्स ने फिल्म का नया पोस्टर रिलीज किया है। पोस्टर में रश्मिका काफी पावरफुल और एग्रेसिव अवतार में नजर आ रही हैं। रवींद्र पुल्ले के

- 30वें जन्मदिन पर दिखा एक्ट्रेस का इंटेंस लुक, चेहरे पर धूल और आंखों में गुस्सा

डायरेक्शन में बन रही यह एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म है, जिसमें रश्मिका लीड रोल निभा रही हैं। पोस्टर में दिखा एक्ट्रेस का खतरनाक अंदाज मेकर्स ने सोशल मीडिया पर फिल्म का ब्लैक एंड व्हाइट पोस्टर शेयर किया है। इसमें रश्मिका का चेहरा धूल और खून से सना हुआ है। उनकी आंखों में गुस्सा और चेहरे पर एक अलग तरह की ताकत दिखाई दे रही है। पोस्टर को शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, उसने आकर्षण से राज किया, शालीनता से जीत हासिल की अब वह शुद्ध गुस्से के साथ आ रही है। टीम 'मायसा' की ओर से रश्मिका को जन्मदिन की शुभकामनाएं। उनके सबसे एक्सप्लोसिव परफॉर्मेंस के लिए तैयार हो जाइए। आदिवासी इलाकों पर आधारित है फिल्म की कहानी 'मायसा' साल 2026 की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक मानी जा रही है।

यह एक पैन इंडिया फिल्म है, जिसकी कहानी आदिवासी इलाकों पर आधारित है। फिल्म में दर्शकों को भरपूर एक्शन और गहरे इमोशंस देखने को मिलेंगे। फिल्म का म्यूजिक जेक्स बिजॉय ने कंपोज किया है। मेकर्स का दावा है कि यह रश्मिका के करियर की अब तक की सबसे दमदार परफॉर्मेंस होने वाली है। टीजर में दिखी थी रश्मिका के बचने की कहानी फिल्म के पहले रिलीज हुए टीजर में रश्मिका के किरदार की गहराई का अंदाजा मिलता है। टीजर में एक बैकग्राउंड वॉयस है, जिसमें उनकी मां कहती हैं, उन्होंने कहा कि मेरी बेटी मर गई है। लेकिन जमीन डर से कांप गई और मेरी बेटी का खून नहीं छुपा पाई। हवाएं थम गईं और उसकी सांसें नहीं ले जा सकीं। आखिरकार, मौत को भी मौत का सामना करना पड़ा और वह मेरी बेटी को मारने में नाकाम रही।

BABU BANARASI DAS EDUCATIONAL GROUP
NBA NATIONAL BOARD of ACCREDITATION
BBDNIIT(056)- CSE, IT & B.PHARM
BBDITM (054)- CSE, ECE & IT
12500+ More than 1800+ Companies have already hired our Students!
Job offers & still continuing since last 5 years ...
BBD UNIVERSITY Host University for KHELO INDIA
BBD UNIVERSITY | www.bbdu.ac.in
COURSES OFFERED
- Engineering
- Management
- Legal Studies
- Pharmacy
- Architecture
- Dental Science
- Computer Applications
- Basic Sciences
- Education
- Hotel Management
- Agricultural Sciences
- Media & Communication
- Ph.D. in all Disciplines
Meritorious Scholarships Offered
Highest Package 52.00 LPA Microsoft
Dream Placement 44.15 LPA amazon
Dream Placement 28.88 LPA Google
NEW COURSE B.Sc. (Agriculture) 4 Year Full Time Degree Program
- Courses available in Collaboration with IBM
- Minor Degree available in Collaboration with IIT - Mandi
BBDCODS www.bbdcods.edu.in | BDS Bachelor of Dental Surgery (4 Year Course & 1 Year Rotatory Internship) | M.D.S/Ph.D In all 9 Specialties
BBDITM | AKTU CODE - 054 | www.bbditm.ac.in
B.TECH [CSE, CSE(AI&ML), CSE(DS),IT, ECE, ME, EE,CE] MBA & M.TECH
BBDNIIT | AKTU CODE - 056 | www.bbdniit.ac.in
B.TECH [CSE,CSE(AI&ML),CSE(AI), IT,ECE, EE, ME,CE] M.TECH, MBA B.PHARM. M.PHARM. D.PHARM BTEUP CODE- 2746
SCHOLARSHIP @25% All 4 Years in EE, ME, CE and ECE in AKTU Colleges
AMENITIES
Auditorium (1000+ Seating Capacity) | Student's Mall & Cafeteria | Transport & Health Services | Lord Siddhi Ganesha Temple | In Campus Bank and ATM | AC & Non-AC Hostels | BCCI Approved Cricket Stadium | BBD 90.8FM Channel | 24x7 Security & Wifi | Fully Wifi Campus
TOP RECRUITERS
amazon Google IBM adani zomato Grab accenture tcs pwc Microsoft Infosys HARMAN Paytm EY Capgemini NEWGEN wipro accenture
BBD City, Ayodhya Road, Lucknow, Uttar Pradesh-226028 India.
@lkobbdu @bbduniversity www.bbdu.ac.in 0522(6196222/23) 0522(6196300/301/302)

Viraj
आर.एन.आई.नं.-यू.पी.-हिन/2006/18901 विराज प्रकाशन प्रा.लि. हेतु मुद्रक एवं प्रकाशक आर.के. अग्रवाल द्वारा एक्सप्रेस हाऊस, 1/5, विशाल खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ से मुद्रित एवं प्रकाशित। **कार्यकारी सम्पादक : मनोज कुमार बाजपेयी**
(पी.आर.बी.एक्ट के तहत समाचारों के चयन हेतु उत्तरदायी) समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन। फोन कार्यालय : 0522-4059441, 4059442, 4059443 : ई-मेल : voiceoflucknow@gmail.com